रजिस्ट्री सं० डी० 222 REGISTERED No. D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 17, 1971/चैत्र 27, 1893
No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 2nd April 1971

G.S.R. 536.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Government of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, namely:—

1. (1) These Rules may be called the All India Services (Provident Fund) First Amendment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955 after sub-rule (2) of rule 31, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that where no manager has been appointed and the person to whom the sum is payable is certified by a Magistrate to be a lunate the payment shall, under the orders of the Collector be made in terms of sub-section (1) of section (95) of the Indian Lunacy Act, 1912 to the person having charge of such lunatic and the Account officer shall pay only the amount which he thinks fit to the person having charge of the lunatic and the surplus, if any, shall be paid for the maintenance of such members of the lunatic's family as are dependent on him for maintenance."

[No. 5/14/70-AIS-(II).]

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 536.—अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सम्बन्धित राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को अखिल भारतीय (भविष्य निधि) संशोधन नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये नियम सरकारी राज्य पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 में नियम 31 के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

"यह व्यवस्था की जाती है कि जहां कोई प्रबन्धक नियुक्त न किया गया हो और जिस व्यक्ति को वह राशि देय हो उसके पागल होने का प्रमाण पत्र मजिस्ट्रेट द्वारा जारी कर दिया गया हो तो वह भुगतान कलक्टर के आदेशों के अधीन भारतीय उन्माद अधिनियम, 1912 की धारा 95 की उपधारा (i) के अनुसार ऐसे व्यक्ति को किया जायेगा जिसके चार्ज में ऐसा पागल व्यक्ति हो और लेखा अधिकारी केवल वह राशि जिसे वह उचित समझे उस व्यक्ति को देगा जिसके चार्ज में ऐसा पागल व्यक्ति हो और अधिशेष राशि यदि कोई हो तो, ऐसे पागल व्यक्ति के परिवार के ऐसे सदस्यों को दी जायेगी, जो अपने निर्वाह के लिए उस पागल व्यक्ति पर आश्रित हों ।"

[संख्या 5/14/70—अ० भा० से० (2)]

G.S.R. 537.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act 1951 (61 of 1951) read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Orissa, hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules:

2. The amendments may be called the *Fourth* Amendment of 1971 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.

3. These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

AMENDMENT TO IAS (PAY) SCHEDULE

4. In the said Schedule III, under the heading "A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative Service under the State Governments' against Orissa, the following entry may be added:

.. Rs. 2500—125/2-2750.

[No. 11/12/69-AIS(I).]

स० फ० नि० 537.—भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उड़ीसा सरकार के परामर्श से उक्त नियमों के साथ संलग्न अनुसूची-iii में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. इस संशोधनों को भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 का चौथा संशोधन कहा जा सकेगा ।

3. ये संशोधन सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) अनुसूची में संशोधन

4. उक्त अनुसूची में, "क-राज्य सरकार के अधीन भारतीय प्रशासन सेवा में समय वेतनमान से अधिक वेतन वाले पद" शीर्षक के अधीन उड़ीसा के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जायेगी :—

सदस्य, प्रशासनिक अधिकरण 2500-125/2-2750 रुपये ।

[संख्या 11/12/69-अ० भा० सै० (1)]

G.S.R. 538.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule 2 of rule 4 of the Indian Administrative Service, (Cadre) Rules, 1964, the Central Government, in consultation with the Government of Rajasthan, hereby makes the following regulations, namely:—

(i) The amendment shall come into force with effect from the date of its publication in the Gazette of India.

(ii) These Regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of cadre Strength) Sixth Amendment Regulations, 1971.

AMENDMENT TO THE FIXATION OF CADRE STRENGTH:

1. Senior duty posts under State Government.		72
Chief Secretary to Government.	1	
Chairman, Board of Revenue.	1	
Members, Board of Revenue.	4	
Financial Commissioner and Ex-officio Secretary to Government	1	

Commissioner for Development and ex-officio Secretary to Government.	1	
Commissioner for Departmental Enquiries	1	
Commissioner and Secretary to Government, Irrigation Power and P.W. Department.	1	
Commissioner Food, Civil Supplies and Famine Relief and Ex-officio Secretary to Government.	1	
Commissioner for Home Affairs and Ex-officio Secretary to Government.	1	
Commissioner Commercial Taxes.	1	
Commissioner State Enterprises and ex-officio Secretary to Government.	1	
Special Secretaries to Government.	3	
Deputy Secretaries to Government.	9	
Settlement Commissioner and Ex-officio Director of Consolidation.	1	
Director of Community Development and Panchayats.	1	
Chief Electoral Officer and Director of Election and Ex-officio Secretary Government.	1	
General Manager, Rajasthan Road Transport Corporation.	1	
Registrar Cooperative Societies.	1	
Secretary to Governor.	1	
Secretary to Chief Minister	1	
Collectors.	26	
Director of Industries.	1	
Director, Harish Chandra Mathur Government Institute of Public Administration.	1	
Commissioner, Excise.	1	
Secretary, Rajasthan Canal Board.	1	
Commissioner, Colonisation, Rajasthan Canal Project and Bakhara Project.	1	
Additional Commissioner, Commercial Taxes.	1	
Registrar, Board of Revenue.	1	
Additional Registrar, Cooperative Societies.	1	
	72	
Central Deputation Reserve @ 40 % of 1 above	29	101
3. Posts to be filled by promotion and Selection under Rule 8 of the IAS/IPS (Recruitment) Rules, 1954 @ 25 % of 1 and 2 above.	25	
4. Posts to be filled by Direct Recruitment 1 and 2 minus 3 above.	76	
5. Deputation Reserve @ 20 % of 4 above.	15	
6. Leave Reserve @ 5 % of 4 above.	4	
7. Junior posts @ 20.00 % of 4 above.	16	
8. Training Reserve @ 10.59 % of 4 above.	8	
Direct Recruitment posts.	119	
Promotion posts.	26	
Total Authorised Strength.	144	

[No. 6/42/70-AIS(I)-A.]

B. NARASIMHAN, Under Secy.

सा० का० नि० 538.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उप-नियम–2 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा–3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, राजस्थान सरकार के परामर्श से एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

(i) यह संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा ।

(ii) इन विनियमों को भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या नियतन) छठा संशोधन विनियम, 1971 कहा जा सकेगा ।

संवर्ग संख्या नियतन में संशोधन

1. राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ पद	72
सरकार के मुख्य सचिव	1
अध्यक्ष, राजस्व बोर्ड	1
सदस्य, राजस्व बोर्ड	4
वित्त आयुक्त और सरकार के पदेन सचिव	1
विकास आयुक्त और सरकार के पदेन सचिव	1
विभागीय जांचों के आयुक्त	1
सरकार के आयुक्त और सचिव, सिंचाई, विद्युत तथा लोक निर्माण विभाग	1
आयुक्त, खाद्य, सिविल सप्लाई, और अकाल सहायता तथा सरकार के पदेन सचिव	1
गृह कार्य के आयुक्त तथा सरकार के पदेन सचिव	1
वाणिज्य कर के आयुक्त	1
सरकारी उद्यमों के आयुक्त और सरकार के पदेन सचिव	1
सरकार के सचिव	5
सरकार के विशेष सचिव	3
सरकार के उप-सचिव	9
बन्दोबस्त आयुक्त तथा चकबन्दी के पदेन निदेशक	1
निदेशक, सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज	1
मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा चुनाव निदेशक तथा सरकार के पदेन सचिव	1
महाप्रबन्धक, राजस्थान सड़क परिवहन निगम	1
सहकारी समितियों के पंजीयक (रजिस्ट्रार)	1
राज्यपाल के सचिव	1
मुख्य मंत्री के सचिव	1
कलक्टर	26
उद्योगों के निदेशक	1

निदेशक, हरिश्चन्द्र माथुर सरकारी लोक प्रशासन संस्थान	1
आयुक्त, उत्पाद-शुल्क	1
सचिव, राजस्थान नहर बोर्ड	1
आयुक्त, उपनिवेशन, राजस्थान नहर परियोजना तथा बखारा परियोजना	1
अपर आयुक्त, वाणिज्य कर	1
पंजीयक, राजस्व बोर्ड	1
अपर पंजीयक, सहकारी समितियां	1
	72
2. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त 1 के 40 प्रतिशत के हिसाब से	29
	101
3. भारतीय प्रशासन सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 8 के अधीन पदोन्नति और प्रवरण द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 के 25 प्रतिशत के हिसाब से	25
4. सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 मे 3 घटा कर	76
5. प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त 4 के 20 प्रतिशत के हिसाब से	15
6. छुट्टी रिजर्व उपर्युक्त 4 के 5 प्रतिशत के हिसाब से	4
7. कनिष्ठ पद उपर्युक्त 4 के 20.60 प्रतिशत के हिसाब से	16
8. प्रशिक्षण रिजर्व उपर्युक्त 4 के 10.59 प्रतिशत के हिसाब से	8
सीधी भर्ती के पद	119
पदोन्नति पद	25
	144

[संख्या 6/42/70-अ० भा० से० (1)-क]

बी० नरसिंहन, अवर सचिव ।

(Department of Personnel)

ERRATA

New Dehli, the 2nd April 1971

G.S.R. 539.—In the Department of Personnel Notification No. 3/30/70-(ii)-AIS(IV), dated the 1st March, 1971, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated the 20th March, 1971 at page 890 as G.S.R. 353, the following correction is to be made:—

At paege 890, in the last line of sub-regulation (3) for the words "and" *read* "had"

[No. 3/30/70-AIS(IV.]

M. R. BHARDWAJ, under Secy.

PLANNING COMMISSION

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th March 1971

G.S.R. 540.—The following shall be inserted below the existing entry under Column 11 of the Schedule to the English version of the recruitment rules for the post of Joint Director (Geology), Planning Commission, which have been published as Notification No. G.S.R. 211 in Part II, Section 3, Sub-section (1) of the Gazette of India of the 13th February, 1971:—

"(Period of deputation or Contract—Ordinarily not exceeding 4 years)".

[No. F.23(1)/69-Adm.I.]

D. DAS, Under Secy.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 28th March 1971

G.S.R. 541.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Information Service Rules, 1959, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. GSR-217(CIS), dated the 16th February 1959, namely:—

1. (i) These rules may be called the Central Information Service (Amendment) Rules, 1971.

(ii) They shall be deemed to have come into force with effect from 29th day of September, 1970.

2. In Schedule II to the Central Information Service Rules, 1959, in the entries under the heading "Designation of Posts", against the item "Directorate of Advertising and Visual Publicity", after the entry "Assistant Research Officer," the following shall be inserted, namely:—

"Assistant Editor".

[No. F. 1/5/70-CIS-Amendment No. 60.]

Explanatory Memorandum

The amendment has been necessitated by the abolition of the 12 posts of Sub-Editor (Languages) and creation of 12 posts of Assistant Editor (Languages) in lieu carrying higher responsibilities. The amendment does not prejudicially affect the interest of any of the Central Information Service Officer by reason of the retrospective operation of the rule.

D. R. KHANNA, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1971

जी० एस० आर० 541.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या जी० एस० आर० 217 (सी० आई० एस०) तारीख 16 फरवरी, 1959 में प्रकाशित केन्द्रीय सूचना सेवा नियमावली, 1959 में संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों को केन्द्रीय सूचना सेवा (संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम 29 सितम्बर, 1970 से लागू हुए माने जाएंगे।

2. केन्द्रीय सूचना सेवा नियमावली, 1959 के परिशिष्ट 2 में "विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय" के सम्मुख "पदनाम" शीर्षक के नीचे "सहायक अनुसंधान अधिकारी" के बाद निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"सहायक सम्पादक"

[संख्या फा० 1/5/70—सी० आई० एस०—संशोधन सं० 60.]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस संशोधन की आवश्यकता उप सम्पादक (भाषा) के 12 पद समाप्त करने तथा इनके स्थान पर और अधिक उत्तरदायित्व वाले सहायक सम्पादक (भाषा) के 12 पद बनाने के कारण हुई है। इस संशोधन से नियम को पूर्वव्यापी प्रभाव देने के कारण केन्द्रीय सूचना सेवा के किसी भी अधिकारी के हित पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता।

देशराज खन्ना, उप सचिव।

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 30th March, 1971

G.S.R. 542.— In exercise of the powers conferred by section 7 of the Bombay Port Trust Act, 1879 (Bombay Act 6 of 1879), the Central Government hereby appoints the following persons to be members of the Board of Trustees of the Port of Bombay for a period of two years from the 1st April, 1971, namely:—

(1) Embarkation Commandant, Bombay (2) Flag Officer, Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay	Representatives of the Defence Services
(3) Shri S. R. Kulkarni (4) Shri S. K. Shetye	Representatives of Labour.
(5) Principal Officer, Mercantile Marine Department, Bombay.	Representative of the Mercantile Marine Department.
(6) Secretary to the Government of Maharashtra, General Administration Department, and the Managing Director, City and Industrial Development Corporation of Maharashtra.	Representative of the Government of Maharashtra.

[No. 8-PG (129)/870]

पोत परिवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन स्कन्ध)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1971

सा० का० नि० 542.—मुम्बई पत्तन न्यास अधिनियम, 1879 (1879 का मुम्बई अधिनियम 6) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रथम अप्रैल, 1971 से दो वर्ष की अवधि के लिए मुम्बई पत्तन के न्यासियों के बोर्ड के सदस्य नियुक्त करती है, अर्थात :—

(1) नौरोहण कमाण्डेन्ट, मुम्बई (2) फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान, मुम्बई	रक्षा सेवाओं के प्रतिनिधि
(3) श्री एस० आर० कुलकर्णी (4) श्री एस० के० शेट्टि	श्रमिकों के प्रतिनिधि
(5) प्रधान आफिसर, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मुम्बई	वाणिज्यिक समुद्री विभाग का प्रतिनिधि
(6) सचिव, महाराष्ट्र सरकार, साधारण प्रशासन विभाग, और प्रबन्ध निदेशक नगर और औद्योगिक विकास निगम, महाराष्ट्र ।	महाराष्ट्र सरकार का प्रतिनिधि

[संख्या 8-पी० जी० (129)/870]

G.S.R. 543.— In pursuance of sub-section (3) of section 6 of the Bombay Port Trust Act, 1879 (Bombay Act 6 of 1879), the Central Government hereby publishes the following returns received from (i) The Municipal Corporation of Greater Bombay, Bombay; (ii) The Indian Merchants, Chamber, Bombay; (iii) Indian National Shipowners, Association, Bombay; (iv) Federation of All India Sailing Vessels Industry Associations, Bombay; (v) Bombay Chamber of Commerce and Industry, Bombay; (vi) The East India Cotton Association Limited, Bombay; (vii) The Mill-owners' Association, Bombay and (viii) The Maharashtra Chamber of Commerce, Bombay, namely :—

Returns showing the names of persons elected in accordance with the provisions of the Bombay Port Trust Act, 1879, to the members of the Board of Trustees of the Port of Bombay, for a period of two years from the 1st April 1971.

Name of the Electing Body	Name of persons elected
1	2
Municipal Corporation of Greater Bombay	Dr. Shantilal Girdharlal Patel. Shri Linganna Puttal Pujari.
The Indian Merchants' Chamber, Bombay	Shri Premji Velji. Shri Shriyans Prasad Jain Shri Shantilal P. Zaveri Shri H. M Trivedi.
Indian National Shipowners' Association Bombay	Capt. J. C. Anand Shri K. S. Harendra
Federation of All India Sailing Vessels Industry Associations, Bombay.	Shri Damodar M. Parekh
Bombay Chamber of Commerce and Industry	Dr. J. S. Gama Shri N. M. Mehta
The East India Cotton Association Ltd., Bombay	Shri Madanmohan, R. Ruia.
The Millowners' Association, Bombay.	Shri Ra nesh N. Mafatlal
Maharashtra Chamber of Commerce, Bombay	Shri K. V. Apte.

[No. 8-PG (129)/70—1]

सा० का० नि० 543.—मुम्बई पत्तन न्यास अधिनियम, 1879 (1879 मुम्बई अधिनियम 6) की धारा 6 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा (1) बृहत्तर मुम्बई नगर निगम, मुम्बई, (2) भारतीय वणिक/मंडल, मुम्बई, (3) भारतीय राष्ट्रीय पोतस्वामी संगम मुम्बई, (4) अखिल भारतीय पाल जलयान उदयोग संगम, परिसंघ मुम्बई, (5) मुम्बई वाणिज्य और उद्योग मंडल, मुम्बई, (6) पूर्वीभारत कपास संगम लिमिटेड, मुम्बई, (7) मिल स्वामी संगम, मुम्बई और (8) महाराष्ट्र वाणिज्य मंडल, मुम्बई से प्राप्त निम्नलिखित विवरणियां प्रकाशित करती हैं, अर्थात :

मुम्बई पत्तनन्यास अधिनियम, 1879 के उपबन्धों के अनुसार प्रथम अप्रैल, 1971 से दो वर्ष की अवधि के लिए मुम्बई पत्तन के न्यासियों के बोर्ड के सदस्यों के रूप में निर्वाचित व्यक्तियों के नामों को दर्शिता करने वाली विवरणियां ।

निर्वाचन करने वाले निकाय का नाम	निर्वाचित व्यक्तियों का नाम
1	2
बृहत्तर मुम्बई नगर निगम	डा० शान्ति लाल गिरधर लाल पटेल श्री लिंगान्ना पुत्तल पुजारी
भारतीय वणिक मंडल, मुम्बई	श्री प्रेम जी वेल्जी श्री श्रीयांस प्रसाद जैन श्री शान्तिलाल पी० जेवरी श्री एच० एम० त्रिवेदी
भारतीय राष्ट्रीय पोतस्वामी संगम, मुम्बई	कैप्टन जे० सी० आनन्द श्री के० एस० हरेन्द्र
अखिल भारतीय पाल जलयान उद्योग संगम परिसंघ, मुम्बई ।	श्री दामोदर एम० पारेख
मुम्बई वाणिज्यिक और उद्योग मंडल	डा० जे० एस० गामा
पूर्वी भारत कपास संगम लिमिटेड, मुम्बई	श्री मदन मोहन आर० रुय्या
मिल स्वामी संगम, मुम्बई	श्री रमेश एन० मफतलाल
महाराष्ट्र वाणिज्य मंडल, मुम्बई	श्री के० वी० आप्टे

[संख्या 8-पी० जी० (129)/70-1]

New Delhi, the 1st April 1971

G.S.R. 544.—In exercise of the powers conferred by sections 33, 35, 46 and 47 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Port of Cochin (Port Dues and other Charges) Rules, 1958, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) Transport Wing No. G.S.R. 686, dated the 4th August, 1958, namely:—

1. These rules may be called the Port of Cochin (Port Dues and other Charges) Amendment Rules, 1971.

2. In the Schedule to the Port of Cochin (Port Dues and other Charges) Rules, 1958, in 'Section III-Berth Hire', under the heading 'I Steamers', for item (1) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"(i) Occupying a Wharf berth or a stream berth—

(a) Vessels less than 300/ in length	Rs. 75 per day or part thereof.
(b) Vessels of 300/ and above but less than 500/	Rs. 125 per day or part thereof.
(c) Vessels of 500/ and above but less than 600/	Rs. 200 per day or part thereof.
(d) Vessels of 600/ and above but less than 700/	Rs. 300 per day or part thereof.
(e) Vessels of 700/ and above.	Rs. 400 per day or part thereof.

Note.—The length of the vessel means 'length overall'."

[No. F. 6-PG(7)/71.]

K. L. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1971

सा० का० नि०.544—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33, 35, 46 और 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 686 तारीख 4 अगस्त, 1958 के साथ प्रकाशित कोचीन पत्तन (पत्तन-देय और अन्य प्रभार) नियम, 1958 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात:—

1. ये नियम कोचीन पत्तन (पत्तन देय और अन्य प्रभार) संशोधन नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

2. कोचीन पत्तन (पत्तन देय और अन्य प्रभार) नियम, 1958 की अनुसूची में "1 स्टीमर" शीर्षक के नीचे अनुभाग iii-वर्थ "किराया" में मद (i) और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

(i) ह्वार्फ वर्थ या स्ट्रीट वर्थ का अधिभोग करना		
(क)	300/ से कम लम्बाई के जलयान	75 रु० प्रति दिन या उसका भाग
(ख)	300/ और अधिक किन्तु 500/ से कम के जलयान	125 रु० प्रतिदिन या उसका भाग
(ग)	500/ और अधिक किन्तु 600/ से कम के जलयान	200 रु० प्रति दिन या उसका भाग

(घ) 600/ और अधिक किन्तु 700/ से कम के जलयान — 300 रु० प्रति दिन या उसका भाग

(ङ) 700/ और अधिक के जलयान — 400 रु० प्रति दिन या उसका भाग

टिप्पण :—जलयान की लंबाई से "कुल लम्बाई" अभिप्रेत है ।

[सं० फा० 6—पी०जी० (7)/71]

क० ल० गुप्त, अवर सचिव, ।

(Transport Wing)

PORTS

New Delhi, the 31st March 1971

G.S.R. 545.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Tuticorin Harbour Projet (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1968, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) No. 3-PE(14)/68, dated the 31st December, 1968, namely:—

1. (1) These rules may be called the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1968, in Part I: Class III posts—

(1) against serial number 10 relating to the post of "Draftsman Grade III Civil/Mechanical/Electrical)",—

(i) in column 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"Licentiate in Civil/Mechanical/Electrical Engineering passed";

(ii) in column 8, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"Does not apply";

(iii) in column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"By direct recruitment";

(iv) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"Not applicable";

(v) in column 12, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"Not applicable";

(2) against serial number 11 relating to the post of "Draftsman Grade II (Civil/Mechanical/Electrical)",—

(i) in column 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"*Essential.*—L.E.C./L.M.E.[L.E.E. Passed;

Desirable.—At least two years experience as Draftsman in a Government or Semi-Government body or a reputed private institution.";

(ii) in column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"By promotion, failing which, by direct recruitment";

(iii) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"*Promotion.*—Draftsman Grade III with at le years' service in the grade in the project";

(3) against serial number 12 relating to the post of "Draftsman Grade I (Civil/Mechanical/Electrical)",—

(i) in column 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,

"(1) Diploma in Civil/Mechanical/Electrical Engineering.

(2) At least three years' experience as Draftsman in a Government or Semi-Government body or a reputed private institution.";

(ii) in column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,

"By promotion, failing which, by direct recruitment.";

(iii) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely,—

"*Promotion.*—Draftsman Grade II with at least three years' service in the grade in the Project.".

[No. F. 3-PE(76)/69.]

JASWANT SINGH, Under Secy.

DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 1st April 1971

G.S.R. 546.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, namely—

1. (1) These rules shall be called the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Amendment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 4 of the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963 (hereinafter referred to as the said rules)—

(i) for clause (2), the following clause shall be substituted, namely:—

"(2) Fifty per cent of the vacancies falling in the Grade of Under Secretaries shall be filled by promotion, by selection, from the officers of the Section Officers' Grade who have rendered not less than ten years' service in that Grade and the permanent officers of the Selection Grade Stenographers of the Department of Parliamentary Affairs who have rendered not less than ten years' approved service in that Grade and have worked as Section Officer for at least a period of two years and the remaining fifty per cent of the vacancies shall ordinarily be filled by transfer or deputation of suitable officers belonging to Indian Administrative Service, Central Srvice Class I or State Services Class I:

Provided that an officer of the Selection Grade of the Stenographers who has not worked as Section Officer for the period of two years shall also be considered for promotion to the Grade of Under Secretary

if he is otherwise eligible for such promotion and the Central Government in the Department of Parliamentary Affairs is satisfied for reasons to be recorded in writing that such a person was not appointed to the Section Officers Grade in the exigencies of service.

NOTE.—In the case of officers of the Selection Grade of the Stenographers who were appointed to that grade at its initial constitution, approved service shall also include the approved service rendered by them in Grade I of the Stenographers prior to their appointment to the Selection Grade."

(ii) for clause (3) the following clause shall be substituted, namely:—

"(3) One-sixth of the vacancies in the Section Officers' Grade shall be filled by direct recruitment on the results of the competitive examination held by the Commission for the purpose from time to time. The remaining vacancies shall be filled by promotion from amongst the permanent officers of the Assistants Grade who have rendered not less than eight years' service in that grade in the order of their seniority subject to the rejection of the unfit."

(iii) for clause (4) and the heading above that clause, the following heading and clause shall be substituted, namely:—

"4. Personal staff of the Ministers/Deputy Ministers.

(i) Appointments to the posts of Private Secretary to the Minister, Assistant Private Secretary to the Minister, First Personal Assistant to the Minister, Second Personal Assistant to the Minister and Stenographer (Hindi) to the Minister and such other posts as may be created on the personal staff of the Minister shall be made by them at their discretion.

(ii) Appointments to the posts of Private Secretary to the Deputy Minister, Personal Assistant to the Deputy Minister and such other posts as may be created on the personal staff of the Deputy Minister, shall be made by the Deputy Ministers at their discretion.

NOTE: If, and for so long as one or more posts of the First Personal Assistant to Minister or the Private Secretary to the Deputy Minister is filled by the appointment of persons other than persons serving in the Department or by officers of Grade I, II or III Stenographers who are approved for promotion to the Selection Grade, a corresponding number of Grade I posts shall be temporarily upgraded. Similarly, if and for so long as, one or more posts of Assistant Private Secretary to Minister is filled by appointment of persons other than Stenographers in the Department who are approved for promotion to Grade I, a corresponding number of Grade II posts of the service in that grade shall be temporarily upgraded to Grade I:

Provided that the post of Assistant Private Secretary to the Minister when held by an officer of the Selection Grade, the post shall be treated as a temporary addition to that grade for so long as it is so held by that officer."

(iv) for clause (5), the following clause shall be substituted, namely:—

"(5) (1) (i) On and from the commencement of the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Amendment Rules, 1971 (hereinafter in this clause referred to as the appointed day), there shall be four Grades of Stenographers in the Department, classified as follows:—

Grade	Classification
(i) Selection Grade	
(ii) Grade I.	Central Civil Service—Class II, Ministerial.
(iii) Grade II.	
(iv) Grade III.	Central Civil Service—Class III, Ministerial.

(ii) The posts in the Selection Grade and Grade I shall be gazetted posts and those in Grade II and III shall be non-gazetted posts.

(2) (i) The permanent and temporary officers of each Grade on the appointed day shall be such as may be determined by the Department from amongst departmental candidates. For the purposes of this sub-clause, the following shall be considered as departmental candidates, namely:—

(a) persons who immediately before the appointed day have been regularly appointed to the posts of Grade I and Grade II Stenographers in the Department and persons holding the posts of Steno-typists in the Department;

(b) persons who on the appointed day, hold any of the posts in Grade I or Grade II in (a) above in a permanent or temporary capacity wherever they may be employed on that date and Steno-typists in the Department who may be on deputation to the posts of Stenographer, Personal Assistants, or other similar posts in whose case it is specified that but for the deputation they would have continued to hold the posts of Steno-typists in the Department.

(ii) For the purpose of determination of the number of officers in each Grade on the appointed day, the following general principles shall be observed, namely:—

(a) Posts in the Selection Grade of the service shall be filled by departmental candidates holding appointment in Grade I immediately before the appointed day, who may be screened for such appointment by the Departmental Promotion Committee of the Department of Parliamentary Affairs on the basis of seniority subject to the rejection of the unfit;

(b) Departmental candidates who immediately before the appointed day were holding appointments in Grade I but are assessed as not suitable for appointment to the Selection Grade by the Departmental Promotion Committee shall be absorbed in the next lower grade. Such officers shall be eligible to be considered at the maintenance stage for appointment in an officiating capacity to a temporary post in the Selection Grade according to the order of their selection for such appointment;

(c) Posts in Grade I shall be filled by:—

(i) Departmental candidates who are declared as suitable for appointment to Selection Grade but are not appointed thereto on account of sufficient number of vacancies not being available in that Grade;

(ii) Departmental candidates referred to in (b) above; and

(iii) Grade II officers of the Department selected on the basis of merit with due regard to seniority.

(d) Permanent and temporary posts in Grade II shall be filled by departmental candidates holding appointment in Grade II immediately before the appointed day in order of their seniority.

(e) Posts in Grade III shall be filled by the appointment of departmental candidates holding posts of Steno-typists;

Provided that (i) they have passed a stenography test held by the Central Government in the Department of Parliamentary Affairs or the Secretariat Training School or (ii) they shall, within the stipulated period, pass such a test or (iii) they have been specifically exempted from passing such a test.

(3) (a) Appointment to the posts of Stenographers in the Selection Grade shall be made on the basis of merit with due regard to seniority from amongst the permanent Grade I Stenographers of the Department who have rendered not less than six years' service in that Grade.

(b) Appointment to the posts of Stenographers in Grade I shall be made on the basis of merit with due regard to seniority from amongst permanent Grade II stenographers of the Department who have rendered not less than eight years' service in that Grade.

(c) Appointments to the posts of Stenographers in Grade II shall be made by promotion from amongst the Grade III stenographers of the Department who have rendered not less than five years' service in

that Grade on the basis of seniority subject to the rejection of unfit and on the basis of competitive examination held for the purpose by the Commission in the ratio of 1 : 2.

(d) Appointment to the posts of Stenographers in Grade III shall be made on the basis of competitive examination conducted by the Secretariat Training School in the Department of Personnel, Cabinet Secretariat, limited to members of the clerical service in the Department.

Provided that to the extent a sufficient number of qualified candidates are not available for appointment on the results of such competitive examinations, the vacancies may be filled, provisionally or on regular basis, in such manner as may be determined by the Central Government in the Department of Parliamentary Affairds.".

3 In Schedule IV to the said rules (i) for the existing entry against S. No. 8, the following entry shall be substituted, namely:—

"Private Secretary to Minister.—700—40—1100—50/2—1250"

(ii) for the existing entry against S. No. 4, the following entry shall be substituted, namely:—

"First Personal Assistant to Minister Private Secretary to Deputy Minister.—350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—830—35—900.

(They constitute Selection Grade post of Stenographers).

NOTE: (i) Grade I Stenographer promoted to the Selection Grade shall be allowed a minimum initial pay of Rs 500/-.

(ii) Grade I Stenographer promoted to Selection Grade before putting in six years of service in Grade I should have to complete six years service either in Grade I or in Grade I and the Selection Grade before he is allowed to draw his next increment in the scale of Rs. 350—900 but he will be allowed to draw the presumptive pay in the lower post, if that is more beneficial to him".

(iii) for the existing entry against S. No. 6, the following entry shall be substituted, namely:—

"Assistant Private Secretary to Minister Grade I Stenographer.—350 (400)—25—650—EB—30—770.

(They constitute Grade I of Stenographers).

NOTE: Grade II Stenographer on promotion shall be allowed an initial pay of Rs. 400."

(iv) for the existing entry against S. No. 9, the following entry shall be substituted, namely:—

"Second PA to Minister PA to Deputy Minister Stenographer (Hindi) and Stenographer Grade II.—210—10—270—15—300—EB—15—450—EB—20—530.

(They constitute Grade II of Stenographers)".

(v) after S. No. 10 and the entries relating thereto the following entry shall be inserted, namely.—

"10A. Stenographer Grade III.—130—5—160—8—300—EB—8—256—EB—8—280".

[No. F. 2(3)/69-Admn.]

SURAT SINGH, Under Secy.

संसद कार्य विभाग

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 546.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए संसद कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

1. (1) ये नियम संसद कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1971 कहे जाएंगे ।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. संसद कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963, (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 4 में—

(i) खण्ड (2) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(2) अवर सचिवों की श्रेणी में होने वाली रिक्तियों का पचास प्रतिशत उन अनुभाग अधिकारियों से, जिन्होंने उस श्रेणी में दश वर्ष से अन्यून की सेवा की हो और संसद कार्य विभाग के चयन श्रेणी आशुलिपिक के उन स्थायी अधिकारियों से जिन्होंने उस श्रेणी में दस वर्ष से अन्यून की अनुमोदित सेवा की हो और अनुभाग अधिकारी के रूप में कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए कार्य किया हो भरी जाएंगी और शेष पचास प्रतिशत रिक्तियां भारतीय प्रशासनिक सेवा केन्द्रीय सेवा वर्ग I या राज्य सेवा वर्ग I के उपयुक्त अधिकारियों के स्थानान्तरण या उसकी प्रतिनियुक्ति द्वारा भरी जाएंगी :

परन्तु आशुलिपिकों की चयन श्रेणी का कोई अधिकारी भी जिसने अनुभाग अधिकारी के रूप में कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए कार्य नहीं किया है, अवर सचिव की श्रेणी में प्रोन्नति के लिए विचारणीय होगा यदि वह ऐसी प्रोन्नति के लिए अन्यथा पात्र है और केन्द्रीय सरकार के संसद कार्य विभाग का ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किये जाएंगे, यह समाधान हो जाता है कि ऐसा व्यक्ति अनुभाग अधिकारी की श्रेणी में सेवा की अभ्यावश्यकताओं के कारण नियुक्त नहीं किया गया था ।

टिप्पण: आशुलिपिकों की चयन श्रेणी के उन अधिकारियों की दशा में जो उस श्रेणी में इसके आरंभिक गठन पर नियुक्त किए गए थे, अनुमोदित सेवा में, उनके द्वारा, चयन श्रेणी में उनकी नियुक्ति से पूर्व आशुलिपिक श्रेणी I में की गई अनुमोदित सेवा भी सम्मिलित है ।

(ii) खण्ड (3) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(3) "अनुभाग अधिकारी" श्रेणी में रिक्तियों का छटा भाग आयोग द्वारा इस प्रयोजन के लिए समय-समय पर ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम पर सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा । शेष रिक्तियां सहायक श्रेणी के उन सचिवों अधिकारियों में से जिन्होंने उस श्रेणी में आठ वर्ष से अन्यून सेवा की है उनकी ज्येष्ठता क्रम में अयोग्य, व्यक्तियों को अगृहीत करने के अधीन रहते हुए प्रोन्नति द्वारा भी भरी जाएंगी ।

(iii) खण्ड (4) और उस खण्ड के ऊपर शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक और खण्ड प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :—

(4) मंत्रियों/उपमंत्रियों का वैयक्तिक कर्मचारिवृन्द

(i) मंत्री के निजी सचिव, मंत्री के निजी सहायक सचिव मंत्री के प्रथम वैयक्तिक सचिव, मंत्री के द्वितीय वैयक्तिक सचिव और मंत्री के आशुलिपिक (हिन्दी) पदों पर और ऐसे अन्य पदों पर जो मंत्री के वैयक्तिक कर्मचारिवृन्द में सृष्ट किए जाएँ, नियुक्तियां उनके द्वारा स्वविवेकानुसार की जाएंगी ।

(ii) उपमंत्री के निजी सचिव, उपमंत्री के वैयक्तिक सहायक पदों पर और ऐसे अन्य पदों पर जो उपमंत्री के वैयक्तिक कर्मचारिवृन्द में सृष्ट किए जाए, नियुक्तियां उपमंत्रियों द्वारा स्वविवेकानुसार की जाएंगी ।

टिप्पण: यदि और तब तक जब तक कि मंत्री के प्रथम वैयक्तिक सहायक या उपमंत्री के निजी सचिव का एक या अधिक पद उन व्यक्तियों से भिन्न व्यक्तियों की नियुक्ति द्वारा भरे गए हैं जो विभाग में सेवा कर रहे हैं या आशुलिपिक श्रेणी I, II या III के उन अधिकारियों की नियुक्ति द्वारा भरे गए हैं, जो चयन श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अनुमोदित किए गए हैं तो श्रेणी के I पदों के समसंख्यक पदों की श्रेणी अस्थायी रुप से बढ़ा दी जाएगी। इसी प्रकार से यदि और तब तक जब तक कि मंत्री के सहायक निजी सचिव का एक या अधिक पद विभागों में आशुलिपिकों से भिन्न उन व्यक्तियों की नियुक्ति द्वारा भरे गए हैं जो श्रेणी एक में प्रोन्नति के लिए अनुमोदित किए गए हैं तो उस श्रेणी में सेवा के श्रेणी II के समसंख्यक पदों की श्रेणी अस्थायी रुप से बढ़ा दी जाएगी :

परन्तु मंत्री के निजी सहायक सचिव का पद जब यह चयन श्रेणी के किसी अधिकारी द्वारा धारण किया जाता है तो यह पद जब तक उस अधिकारी द्वारा इस प्रकार धारण किया जाता है उस श्रेणी में अस्थायी रुप से सम्मिलित समझा जाएगा।

(iv) खण्ड (5) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

(5) (1) (i) संसद कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्त) संशोधन नियम, 1971 के प्रारंभ होने पर और से (जिसे इस खण्ड में इसके पश्चात् नियत दिन कहा गया है विभाग में आशु-लिपिकों की चार श्रेणियां होंगी जो निम्नलिखित रुप से वर्गीकृत की गई हैं :—

श्रेणी	वर्गीकरण
(i) चयन श्रेणी	केन्द्रीय सचिवालय सेवा वर्ग 2, अनुसचिवीय
(ii) श्रेणी I	
(iii) श्रेणी II	
(iv) श्रेणी III	केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग 3, अनुसचिवीय

(ii) चयन श्रेणी और श्रेणी I में के पद राजपत्रित होंगे और श्रेणी II और III में के पद अराजपत्रित होंगे।

(2) (i) नियत दिन को प्रत्येक श्रेणी के स्थायी और अस्थायी अधिकारी ऐसे होंगे जो विभाग द्वारा विभागीय अभ्यर्थियों में से नियत किए जाएं। इस उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए निम्न-लिखित विभागीय अभ्यर्थी के रुप में समझे जाएंगे अर्थात् :—

(क) वे व्यक्ति जो, नियत दिन से ठीक पूर्व विभाग में आशुलिपिक श्रेणी I और श्रेणी II के पदों पर नियमित रुप से नियुक्त रहे और वे व्यक्ति जो विभाग में टिककों के पद धारण कर रहे हैं,

(ख) वे व्यक्ति जो नियत दिन को उपरोक्त (क) में श्रेणी I या श्रेणी II में किसी पद को स्थायी या अस्थायी हैसियत में चाहे से उस तारीख को कहीं भी नियोजित हों धारण करते हैं और विभाग में के वे आशु-टंकक जो आशुलिपिक वैयक्तिक सहायक या समरुप पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, जिनके विषय में यह विनिर्दिष्ट है कि यदि वे प्रतिनियुक्ति पर न होते तो व आशु-टंककों के पदों को धारण करते रहते।

(ii) नियत दिन को प्रत्येक श्रेणी में अधिकारियों की संख्या को नियत करने के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित साधारण सिद्धांतों का पालन किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) सेवा की चयन श्रेणी में के पद नियत दिन से ठीक पूर्व श्रेणी I में नियुक्त विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे, जो ऐसी नियुक्ति के लिए संसद कार्य विभाग की विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा ज्येष्ठता के आधार पर, अयोग्य व्यक्तियों को अगृहीत करने के अधीन रहते हुए, छांटे जा सकेंगे।

(ख) विभागीय अभ्यर्थी, जो नियत दिन से ठीक पूर्व श्रेणी I में नियुक्तियां धारण कर रहे थे किन्तु विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए अनुपयुक्त निर्धारित किए गए हैं, उससे ठीक नीचे की श्रेणी में आमेलित किए जाएंगे। ऐसे अधिकारी अनुक्षण प्रक्रम पर चयन श्रेणी में ऐसी नियुक्ति के लिए, उनके चयन के क्रमानुसार अस्थाई पद पर स्थानापन्न हैसियत में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के लिए पात्र होंगे।

(ग) श्रेणी I में के पद निम्नलिखित अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे।

(i) वे विभागीय अभ्यर्थी, जो चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किए गए हैं किन्तु उस पर, उस श्रेणी में पर्याप्त संख्या में रिक्तियां उपलब्ध न होने के कारण नियुक्त नहीं किए गए हैं ;

(ii) उपरोक्त (ख) में निर्दिष्ट विभागीय अभ्यर्थी; और

(iii) विभाग के श्रेणी II अधिकारी जिनका चयन गुणागुण के आधार पर, ज्येष्ठता का सम्यक् ध्यान रखते हुए, किया गया हो।

(घ) श्रेणी II में के स्थायी और अस्थायी पद उन विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा उनकी ज्येष्ठता के क्रमानुसार भरे जाएंगे जो नियत दिन से ठीक पूर्व श्रेणी II में नियुक्तियां धारण कर रहे हों।

(ङ) श्रेणी III में के पद उन विभागीय अभ्यर्थियों की नियुक्ति द्वारा भरे जाएंगे जो आशुटंककों के पदों को धारण कर रहे हैं :

परन्तु यह तब कि (i) उन्होंने केन्द्रीय सरकार के संसद कार्य विभाग या सचिवालय प्रशिक्षण विद्यालय द्वारा ली गई आशुलिपिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, या

(ii) वे नियत अवधि के भीतर ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे या (iii) वे ऐसी परीक्षा पास करने से विनिर्दिष्टतः छूट प्राप्त हैं।

(3) (क) चयन श्रेणी में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्ति विभाग के उन स्थायी श्रेणी I आशुलिपिकों में से गुणागुण के आधार पर ज्येष्ठता का सम्यक् ध्यान रखते हुए की जाएगी, जिन्होंने उस श्रेणी में छह वर्ष से अन्यून की सेवा कर ली है।

(ख) श्रेणी I में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्ति विभाग के उन स्थायी श्रेणी II आशुलिपिकों में से गुणागुण के आधार पर ज्येष्ठता का सम्यक् ध्यान रखते हुए की जाएगी, जिन्होंने उस श्रेणी में आठ वर्ष से अन्यून की सेवा कर ली है।

(ग) श्रेणी II में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्ति विभाग के उन श्रेणी III आशुलिपिकों में से जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष में अन्यून की सेवा कर ली है, अयोग्य व्यक्तियों को अगृहीत करने के अधीन रहते हुए ज्येष्ठता के आधार पर और आयोग द्वारा इस प्रयोजन के लिए ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर 1 2 के अनुपात में की जाएगी ।

(घ) श्रेणी III में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्ति कार्मिक विभाग, मंत्री मण्डल सचिवालय के सचिवालय प्रशिक्षण विद्यालय द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर, जो विभाग के लिपिकीय सेवा के सदस्यों के लिए सीमित होगी, की जाएगी :

परन्तु यदि ऐसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति के लिए पर्याप्त संख्या में अर्हित अभ्यर्थी उपलब्ध न हों, तो रिक्तियां अन्तिम रूप से या नियमित आधार पर ऐसी रीति से भरी जा सकेंगी, जैसी केन्द्रीय सरकार के संसद कार्य विभाग द्वारा अवधारित की जाए ।"

3. उक्त नियमों की अनुसूची IV में :—

(I) क्रम संख्या 3 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

"मंत्री का निजी सचिव 700–40—1100–50/2–1250

(II) क्रम संख्या 4 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

मंत्री का प्रथम वैयक्तिक सहायक उप मंत्री का निजी सचिव	350–25–500–30–590–द०रो० –30–800–द०रो०–830–35–900 ।

(ये आशुलिपिकों के चयन श्रेणी पदों में हैं)

टिप्पण :

(i) चयन श्रेणी में प्रोन्नति किए गये श्रेणी 1 आशुलिपिक को 500 रुपए का न्यूनतम आरंभिक वेतन अनुज्ञात् किया जाएगा ।

(ii) चयन श्रेणी में प्रोन्नति किए गए श्रेणी 1 आशुलिपिक को श्रेणी 1 में छह वर्ष की सेवा करने से पूर्व या तो श्रेणी 1 में या श्रेणी तथा चयन श्रेणी में इससे पूर्व कि वह 350–900 रु० के वेतनमान में अगली वेतन वृद्धि ले, छः वर्ष की सेवा करनी चाहिए किन्तु उसे निम्नतर पद में प्रकल्पित वेतन लेने की अनुज्ञा दी जाएगी यदि वह उसे अधिक फायदा• प्रद हो ।"

(iii) क्रम संख्या 6 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"मंत्री का निजी सहायक सचिव श्रेणी 1 आशुलिपिक	350(400)–25–650–द०रो०– 30–770

(ये आशुलिपिक की श्रेणी 1 में हैं)

टिप्पण :

श्रेणी II आशुलिपिको को, प्रोन्नति होने पर 400 रु० का आरंभिक वेतन अनुज्ञात किया जाएगा

(IV) क्रम-संख्या 9 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

उपमंत्री का वित्तीय वैयक्तिक सहायक आशुलिपिक (हिन्दी) और आशुलिपिक श्रेणी II	]	210—10—270—15—300—द० रो०—15—450—द०रो०— 20—530

(ये आशुलिपिको की श्रेणी 1 में हैं)

(V) क्रम संख्या 10 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"10—क—आशुलिपिक श्रेणी III —130—5—160—8—200—द०रो०—8—256—द०रो०—8—280

[सं० फा० 2(3)/69—प्रशासन]

सूरत सिंह, अवर सचिव ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 30th March 1971

G.S.R. 547.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Foreigners Act, 1946 (31 of 1946), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Foreigners Order, 1948, namely:—

1. (1) This order may be called the Foreigners (Amendment) Order, 1971.

(2) It shall come into force at once.

2. In paragraph 6 of the Foreigners Order, 1948:

(i) in sub-paragraph (1), after the words "without its permission", the words "or who has been landed in contravention of sub-paragraph (3)" shall be inserted;

(ii) after sub-paragraph (2), the following sub-paragraphs shall be added, namely:—

"(3) The master of any vessel or the pilot of any aircraft shall not, without the permission of the civil authority, land at any port in India any person travelling by that vessel or aircraft against the wishes of such person, unless such person has been required by the Central Government to be brought to India.

(4) Nothing contained in the Foreigners (Exemption) Order, 1957 shall preclude the operation and application of the provision of sub-paragraph (3)".

[No. 25022/20/71-F.I.]

J. C. AGARWAL, Jt. Secy.

New Delhi, the 6th March 1971

G.S.R. 548.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, No. G.S.R. 122, published in the Gazette of India Extra-ordinary, Part II Section 3 Sub-section (i), dated January, 23, 1971,—

(i) On page 104:—

(a) *for* "Schedule" *read* "Schedule I", and

(b) Under sub-heading "(b) Andaman and Nicobar Administration", *for* "Societies" *read* "Societies"; and

(ii) On page 105,—

(a) *for* "I. Deputation Reserve at 12½ per cent 77", *read* "I. Deputation Reserve at 12½ per cent of 71"; and

(b) *for* "3. Training Reserve at 10 per cent 71" *read* "3. Training Reserve at 10 per cent of 71".

[No. F. 1/26/70-DH(S)(i).]

G.S.R. 549.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, No. G.S.R. 123, published in the Gazette of India Extraordinary, Part II Section 3 Sub-Section (i), dated January 23, 1971,—

(i) On page 110, in sub-rule (3) of rule 15, *for* "Change", *read* "Changes";

(ii) On page 111, in rule 24, *for* "Case" *read* "Cases";

(iii) On page 112, in rule 30, *for* "Pay and Allowance" *read* "Pay and Allowances"; and

(iv) On page 114, *for* "SCHEDULE I", *read* "THE SCHEDULE".

[No. F. 1/26/70-DH(S)(ii).]

R. C. JAIN, Dy. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 30th March 1971

G.S.R. 550.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Service of Engineers Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Service of Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph 3 of Appendix I to the Indian Railway Service of Engineers Recruitment Rules, 1962, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"3. (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (d) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 per month unless he fulfils the above requirements, and failure to do so shall involve liability to termination of service.

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (b) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their

absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i). In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Service of Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70-E(GR)I/15/I.]

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 30 मार्च 1971

जी०एस०आर० 550—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) ये नियम भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 के परिशिष्ट 1 के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"3(i) नियम 4 के खण्ड (क) और (घ) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे भर्ती होने से पहले ही पास कर चुके हों अथवा परिवीक्षा-अवधि में पास करें। यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय (परीक्षा शाखा) द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है ।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जायेगा अथवा समय-मान में उसका वेतन बढ़ा कर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जायेगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी ।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा में नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उप पैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे पहले ही पास कर चुके हों अथवा श्रेणी 1 की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर पास करें जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो, उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिए ।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त अपेक्षा पूरी नहीं करता, तो यथास्थिति, तीन वर्ष अथवा एक वर्ष की अवधि के बाद उसे दी जाने वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न कर ले।"

[सं० 70/ई (जी आर) I/15/1]

G.S.R. 551.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Service of Electrical Engineers Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Service of Electrical Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph 3 of Appendix I to the Indian Railway Service of Electrical Engineers Recruitment Rules, 1962, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"3. (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (d) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs 450 per month unless he fulfils the above requirements, and failure to do so shall involve liability to termination of service.

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (b) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i). In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Service of Electrical Engineers Recruitment (Amendment) Rules 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70/E(GR)I/19/1.]

जी० एस० आर० 551.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल बिजली इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम भारतीय रेल बिजली इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय रेल बिजली इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 के परिशिष्ट 1 के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"3(i) नियम 4 के खण्ड (क) और (घ) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे भर्ती होने से पहले ही पास कर चुके हों अथवा परिवीक्षा अवधि में पास करें। यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, (परीक्षा शाखा) द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जायेगा अथवा समय-मान में उसका वेतन बढ़ाकर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जायेगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरी नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा में नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उप पैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे पहले ही पास कर चुके हों अथवा श्रेणी 1 की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर पास करें। जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल बिजली इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो, उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिए।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त परीक्षा पूरी नहीं करता, तो यथास्थिति, तीन वर्ष अथवा एक वर्ष की अवधि, के बाद उसे दी जाने वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न कर ले।"

[सं० 70 ई०(जीआर)I/19/1]

G.S.R. 552.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Service of Mechanical Engineers Recruitment Rules, 1968, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Service of Mechanical Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph 3 of Appendix I to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers Recruitment Rules, 1968, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"3. (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (e) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may

be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 per month unless he fulfils the above requirement, and failure to do so shall involve liability to termination of service.

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (c) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i). In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70/E(GR)I/20/3.]

जी० एस० आर० 552.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1968 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1968 के परिशिष्ट 1 के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"3(i) नियम 4 के खण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे भर्ती होने से पहले ही पास कर चुके हों अथवा परिवीक्षा की अवधि में पास करें । यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, (परीक्षा शाखा) द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है ।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जायेगा, अथवा समय-मान मे उसका वेतन बढ़ाकर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जायेगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरी नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी ।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा मे नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उप पैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे पहले ही पास कर चुके हों अथवा श्रेणी 1 की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि

के भीतर पास कर लेनी चाहिए। जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल यान्त्रिक इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो, उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिए।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त अपेक्षा पूरी नहीं करता, तो यथास्थिति तीन वर्ष या एक वर्ष की अवधि, के बाद उसे दी जाने वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न कर ले।

[सं० 70/ई(जीआर) 1/20/3.]

G.S.R. 553.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Service of Signal Engineers Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Service of Signal Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph 3 of Appendix I to the Indian Railway Service of Signal Engineers Recruitment Rules, 1962, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"3. (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (d) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 per month unless he fulfils the above requirement, and failure to do so shall involve liability to termination of service

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (b) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i). In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Service of Signal Engineers Recruitment (Amendment) Rules, 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70/E(GR)I/17/2.]

जी० एस० आर० 553.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम सिगनल इंजीनियरी भारतीय रेल सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा भर्ती नियम, 1962 के परिशिष्ट I के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"3(i) नियम 4 के खण्ड (क) और (घ) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे भर्ती होने से पहले ही पास कर चुके हों अथवा परिवीक्षा अवधि में पास करें। यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, परीक्षा शाखा द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जायेगा अथवा समय मान में उसका वेतन बढ़ाकर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जायेगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा में नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उप पैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे पहले ही पास कर चुके हों अथवा श्रेणी । की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर पास करें। जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिए।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त अपेक्षा पूरी नहीं करता, तो यथास्थिति तीन वर्ष अथवा एक वर्ष की अवधि, के बाद उसे दी जाने वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न कर ले।"

[सं० 70/ई (जी आर) I /17/2]

G.S.R. 554.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Railway Stores Service Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Stores Service Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph 3 of the Appendix to the Indian Railway Stores Service Recruitment Rules, 1969, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"3. (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (d) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may

be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 per month unless he fulfils the above requirement, and failure to do so shall involve liability to termination of service

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (b) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i). In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Stores Service Recruitment (Amendment) Rules, 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70/E(GR)I/21/2.]

जी० एस० आर० 554.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल भंडार सेवा भर्ती नियम, 1969 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय रेलभंडार सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय रेल भंडार सेवा भर्ती नियम, 1969 के परिशिष्ट। के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"3(i) नियम 4 के खण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो ये भर्ती होने से पहले ही पास कर चुके हों, अथवा परिवीक्षा की अवधि में पास करें। यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, (परीक्षा शाखा) द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जायेगा अथवा समय मान में उसका वेतन बढ़ाकर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जाएगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरी नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा में नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उपपैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो पहले ही पास कर चुके हो अथवा क्षेणी । की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर पास करें। जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल भंडार सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिएं।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त अपेक्षा पूरी नही करता तो यथास्थिति तीन वर्ष अथवा एक वर्ष की अवधि, के बाद उसे दी जान वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न करले।

[सं० 70/ई (जी० आर०)/21/2]

G.S.R. 555.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Railway Traffic Service Recruitment Rules, 1968, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Traffic Service Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For paragraph (d) of the Appendix to the Indian Railway Traffic Service Recruitment Rules, 1969, the following shall be substituted, namely:—

"(d) (i) Probationers recruited by the methods of recruitment referred to in clauses (a) and (e) of rule 4 should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, Examination Branch, or one of the equivalent examinations recognised by the Government.

No probationer may be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450 per month unless he fulfils the above requirement, and failure to do so shall involve liability to termination of service

(ii) Temporary Officers appointed to the Service by the method of recruitment referred to in clause (b) of rule 4 should have already passed or should pass within a period of three years from the date of their absorption in Class I Service, an examination in Hindi of the standard mentioned in sub-paragraph (i) In the case of temporary Officers in respect of whom the period of three years has already elapsed on the date of coming into force of the Indian Railway Traffic Service Recruitment (Amendment) Rules, 1971, and have not passed the said examination in Hindi, they should do so within a period of one year from the said date.

If any temporary Officer fails to fulfil the above requirement, his increment falling due after the expiry of the period of three years or one year, as the case may be, is liable to be withheld till he passes the said examination in Hindi".

[No. 70/E(GR)I/18/3.]

C. S. PARAMESWARAN, Secy.
Railway Board.

जी० एस० आर० 555.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल यातायात सेवा भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय रेल यातायात सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय रेल यातायात सेवा भर्ती नियम, 1968 के परिशिष्ट 1 के पैरा 3 की जगह निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"3(1) नियम 4 के खण्ड (क) और (घ) में उल्लिखित तरीके से भर्ती किये गये परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के लिए यह अपेक्षित है कि देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी की परीक्षा या तो ये भर्ती होने के पहले ही पास कर चुके हों, अथवा परिवीक्षा अवधि में पास करें। यह परीक्षा दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, (परीक्षा शाखा) द्वारा ली जाने वाली "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो सकती है।

कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति तब तक स्थायी नहीं किया जाएगा अथवा समय-मान में उसका वेतन बढ़ा कर 450 रुपये प्रतिमास नहीं किया जायेगा, जब तक वह उपर्युक्त अपेक्षाओं को पूरी नहीं करता, और ऐसा न करने पर उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(ii) नियम 4 के खण्ड (ख) में उल्लिखित भर्ती के तरीके से सेवा में नियुक्त किये गये अस्थायी अधिकारियों के लिए यह अपेक्षित है कि उपपैरा (i) में उल्लिखित स्तर की हिन्दी परीक्षा या तो वे पहले ही पास कर चुके हों, अथवा श्रेणी। की सेवा में समाहित किये जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर पास करें। जिन अस्थायी अधिकारियों के मामले में भारतीय रेल यातायात सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 लागू होने की तारीख को तीन वर्ष की अवधि बीत चुकी हो, और जिन्होंने उक्त हिन्दी परीक्षा पास न की हो, उन्हें उक्त तारीख से एक वर्ष के भीतर यह परीक्षा पास कर लेनी चाहिए।

यदि कोई अस्थायी अधिकारी उक्त अपेक्षा पूरी नहीं करता, तो यथास्थिति तीन वर्ष अथवा एक वर्ष की अवधि के बाद उसे दी जाने वाली वार्षिक वेतन-वृद्धि तब तक रोकी जा सकती है जब तक कि वह उक्त परीक्षा पास न कर ले।"

[सं० 70/ई (जी० आर०)/I/18/3]

सी० एस० परमेश्वरन,
सचिव, रेलवे बोर्ड।

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. & T. Board)

New Delhi, the 1st April 1971

G.S.R. 556.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Posts and Telegraphs (Nursing-Orderlies and Dressers) Recruitment Rules, 1959, namely;

1. (1) These Rules may be called the Posts and Telegraphs (Nursing-Orderlies and Dressers) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Posts and Telegraphs (Nursing-Orderlies and Dressers) Recruitment Rules, 1959, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely;

5. *Disqualifications.*—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule."

[No. 45/49/70-SPB.I]

संचार विभाग

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 556:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतदद्वारा डाक-तार (उपचर्या-अर्दली तथा ड्रैसर) भर्ती नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

1. (1) ये नियम डाक-तार (उपचर्या-अर्दली तथा ड्रैसर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवत्त होंगे ।

2. डाक-तार (उपचर्या-अर्दली तथा ड्रैसर) भर्ती नियम 1959 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा, अर्थात :—

"5. अयोग्यताएं]

कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने किसी अन्य से विवाह कर लिया है या ऐसा करने का करार किया है जिसकी पहले से ही पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने पहले से ही पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य से विवाह कर लिया है, अथवा करने का करार किया है, सरकारी नौकरी में किसी भी पद की नियुक्ति के लिए अयोग्य होगा ।

शर्त यह है कि यदि केन्द्रीय सरकार सन्तुष्ट हो जाए कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह की दूसरी पार्टी के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत स्वीकार्य है तथा ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो इस नियम के प्रचालन से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है ।

[संख्या 45/49/70-एस० पी० बी-1]

New Delhi, the 6th April 1971

G.S.R. 557.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Posts and Telegraphs (Boy Peon) Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Indian Posts and Telegraphs (Boy Peon) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Posts and Telegraphs (Boy Peon) Recruitment Rules, 1969, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:

"5. *Disqualifications.*

No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal Law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

[No. 46/1/69-SPP.I]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 557:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्तशक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद् द्वारा भारतीय डाक-तार (बाल चपरासी) भर्ती नियम, 1969 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय डाक-तार (बाल चपरासी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाकतार (बाल चपरासी) भर्ती नियम, 1969 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित कर दिया जाएगा, अर्थात् :—

"5, अयोग्यताएं :—

कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह कर लिया है या ऐसा करने का करार किया है जिसकी पहले से ही पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने पहले से ही पत्नी जीवित रहते किसी अन्य से विवाह कर लिया है अथवा करने का करार किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति के लिए अयोग्य होगा।

शर्त यह है कि यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाए कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह की दूसरी पार्टी के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत स्वीकार्य है तथा ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो इस नियम के प्रचालन से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।"

[सं० 46/1/69-एस०पी०वी०-I]

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 558.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Posts and Telegraphs (French Translators in the Foreign Post Office) Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Indian Posts and Telegraphs (French Translators in the Foreign Post Office) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Posts and Telegraphs (French Translators in the Foreign Post Office) Recruitment Rules, 1969, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—

"*Disqualifications.*—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to said posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

[No. 20-47/70-SPB-I.]

R. RAJAGOPALAN,
Asstt. Director General (SPN).

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 558.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय डाक-तार (विदेश डाकघर में फ्रेंच अनुवादक) भर्ती नियम, 1969 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय डाकतार (विदेश डाकघर में फ्रेंच अनुवादक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. भारतीय डाक-तार (विदेश डाकघर में फ्रेंच अनुवादक) भर्ती नियम, 1969 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्—

"अयोग्यताएं :

कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने किसी अन्य से विवाह कर लिया है या ऐसा करने का करार किया है जिसकी पहले से ही पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने पहले से ही पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य से विवाह कर लिया है अथवा करने का करार किया है उक्त पद पर नियुक्ति के लिए अयोग्य होगा ।

शर्त यह है कि यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाये कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह की दूसरी पार्टी के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत स्वीकार्य है तथा ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो इस नियम के प्रचालन से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है ।"

[संख्या 20-47/70-एस०पी०बी०-1]

ज० आर० राजगोपालन,
सहायक महानिदेशक (एस० पी० एन०) ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 2nd April 1971

G.S.R. 559.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution, the President hereby makes the following rule, namely:—

All applications, certificates or other documents required or permitted to be executed in exercise of the executive power of the Union in pursuance of the provisions of the Development Credit Agreement No. 230-IN (Agricultural Aviation Project) entered into between the Government of India and the International Development Association on the 28th day of January, 1971, shall be executed and authenticated on behalf of the President by either the Senior Accounts Officer in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, or by any of the Accounts Officers in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

[No. F. 4(5)/71-FB.II.]

By order and in the name of the President
G. V. RAMAKRISHNA, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

नयी दिल्ली, 2 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 559.—संविधान के अनुच्छेद 299 के खण्ड (1 के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

भारत सरकार और अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ के बीच 28 जनवरी, 1971 को हुए विकास ऋण करार संख्या 230 आई० एन० (कृषि विमानन प्रायोजना) के उपबन्धों के अनुसरण में, संघ द्वारा प्रयुक्त कार्य-पालिका शक्ति के अन्तर्गत जिन आवेदन पत्रों, प्रमाणपत्रों अथवा अन्य प्रलेखों का निष्पादन किया जाना जरुरी है या जिनके निष्पादन किये जाने की अनुमति है उन सभी आवेदनपत्रों, प्रमाणपत्रों या अन्य प्रलेखों का निष्पादन राष्ट्रपति की ओर से वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के वरिष्ठ लेखा-अधिकारी द्वारा या वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के किसी भी लेखा-अधिकारी द्वारा किया जायगा।

[संख्या एफ० 4(5)/71-एफ० बी०-II]

राष्ट्रपति के आदेश तथा नाम से,
जी० वी० रामकृष्ण, संयुक्त सचिव।

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi, the 6th April 1971

G.S.R. 560.—In exercise of the powers conferred by Section 624A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby appoints Shri Satnam Singh, as Company Prosecutor for the conduct of prosecutions arising out of the said Act in all courts of the State of Haryana and the Union Territory of Delhi, other than the High Court for the said State and Union Territory.

[No. F. 46/3/71-CLII.]

M. K. BANERJEE, Under Secy.

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 560.—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 624क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री सतनाम सिंह को, हरियाना राज्य तथा केन्द्र प्रशासित क्षेत्र, दिल्ली, के उच्च न्यायालयों को छोड़ कर, उक्त राज्य तथा केन्द्र प्रशासित क्षेत्र के अन्य सभी न्यायालयों में, कथित अधिनियम से उत्पन्न अभियोगों की पैरवी करने के लिये कम्पनी अभियोजक के पद पर नियुक्त करती है।

[सं० फा० 46/3/71-सी०एल० 2]

एम० के० बनर्जी, अवर सचिव।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 561.—In exercise of the powers conferred by section 13 of the Central Silk Board Act 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Silk Board Rules, 1955, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.R.O. 662, dated the 23rd March, 1955, namely:—

1. These rules may be called the Central Silk Board (Amendment) Rules, 1971.

2. In the second proviso to sub-rule (1) of rule 22 of the Central Silk Board Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), for the words "one year", the words "three years" shall be substituted.

3. In sub-rule (2) of rule 23 of the said rules, for the letters and figures "Rs. 250/-", the letters and figures "Rs. 500/-" shall be substituted.

[No. F. 21(4)/69-Tex(F).]

DAULAT RAM, Under Secy.

विदेशी व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 561.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 662 दिनांक 23 मार्च, 1955 के साथ प्रकाशित केन्द्रीय रेशम बोर्ड नियमावली, 1955 में और आगे संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. यह नियमावली केन्द्रीय रेशम बोर्ड (संशोधन) नियमावली, 1971 कही जायेगी।

2. केन्द्रीय रेशम बोर्ड नियमावली, 1955 के नियम 22 के उप-नियम (1) के द्वितीय परन्तुक में (इसमें, एतद्पश्चात इन्हें उक्त नियमावली कहा गया है) एक वर्ष" शब्दों के स्थान पर "तीन वर्ष" शब्द रखे जायेंगे।

3. उक्त नियमावली के नियम 23 के उप-नियम (2) में शब्द तथा आंकड़ों "रु० 250/-", के स्थान पर शब्द तथा आंकड़े "रु० 500/-" रखा जायेगा।

[सं० 21(4)/69/टीएम० एफ]

दौलत राम, अवर सचिव।

MINISTRY OF EDUCATION, YOUTH SERVICES

New Delhi, the 6th March 1971

G.S.R. 562.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Museum, New Delhi, (Class I and II Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

(1) These Rules may be called the National Museum, New Delhi (Class I and II Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) In the Schedule to the National Museum, New Delhi (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1963, against the post of "Senior Guide Lecturer", in column (1), for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Senior Museum Lecturer."

[No. F. 3-26/70-CAI(5).]

S. C. SETH, Under Secy.

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1971

जी० एस० आर० 562.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (वर्ग । और ।। पदों) के भर्ती नियमों, 1963 को एतद्द्वारा और अधिक संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

(1) इन नियमों को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (वर्ग । और ।। पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1971 कहा जाएगा।

(2) सरकारी राजपत्र, में इनके प्रकाशन होने की तारीख से ये लागू होंगे।

(3) राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली, (वर्ग । और ।। पद) भर्ती नियम 1963 को अनुसूची के "वरिष्ठ मार्गदर्शक प्राध्यापक" पद के सम्मुख कालम (1) में वर्तमान प्रविष्टि को निम्नलिखित प्रविष्टि से बदला जाएगा, अर्थात्:—

"वरिष्ठ संग्रहालय प्राध्यापक"

[संख्या एफ० 3-26/70-सीएआई(5)]

एस० सी० सेठ, अवर सचिव।

(Scientific Surveys & Development Division)
(Survey Section)

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 563.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the National Atlas Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs No. 1-51/57-S II., dated 4th April, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Atlas Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 5 of the National Atlas Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, the following rule shall be substituted, namely:—

"5. **Disqualification.**—No person:—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule".

[No. A-12018/4/70-SUR.2.]
S. R. AGARWAL, Under Secy.

(सर्वेक्षण–2 अनुभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 563.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व वैज्ञानिक गवेषण और सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना सं० 1-51/57–सं०–2 तारीख 4 अप्रैल, 1963 के साथ प्रकाशित नेशनल एटलस आर्गनाइजेशन (वर्ग–1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1963 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम नेशनल एटलस आर्गनाइजेशन (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 होगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नेशनल एटलस आर्गनाइजेशन (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1963 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"5. निरर्हता :

वह व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगी,

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

[सं० क-12018/4/70-सर्वेक्षण-2]

एस० आर० अग्रवाल, अवर सचिव।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 31st March 1971

G.S.R. 564.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Agriculture-Director (High Yielding Varieties Programme) and Joint Director (High Yielding Varieties Programme) Recruitment Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Agriculture-Director (High Yielding Varieties Programme) and Joint Director (High Yielding Varieties Programme) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Agriculture-Director (High Yielding Varieties Programme) and Joint Director (High Yielding Varieties Programme) Recruitment Rules, 1970, in the entries relating to the posts mentioned at item 2, in column 6, after the existing entries, the following shall be inserted, namely:—

"Relaxable for Government servants."

[No. 11-10/69-Estt.V.]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 31, मार्च, 1971

सा० का० नि० 564.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि विभाग—निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म-कार्यक्रम) और संयुक्त निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म-कार्यक्रम) भर्ती नियम, 1970 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

1. (1) ये नियम कृषि विभाग—निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म कार्यक्रम) और संयुक्त निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म कार्यक्रम) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. कृषि विभाग—निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म-कार्यक्रम) और, संयुक्त निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्म कार्यक्रम) भर्ती नियम, 1970 की अनुसूची में, स्तम्भ 6 में 2 मद पर उल्लिखित मद से सम्बद्ध प्रविष्टियों में वर्तमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जायगा, अर्थात :—

"सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी"

[सं० 11-10/69-स्थापना-5.]

G.S.R. 565.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director (High Yielding Varieties Programme) in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture), namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Department of Agriculture Assistant Director (High Yielding Varieties Programme), Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.

3. **Number of the post, its classification and scale of pay.**—The numuber of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. **Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.**—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, the Schedules Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
1. Assistant Director (High Yielding Varieties Programme).	One	General Central Service, Class I (Gazetted)	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB—35-950.

Whether selection or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in case of Promotees
5	6	7	8
Not applicable	35 years (Relaxable for Govt. servants).	A. *Essential* (i) Master's degree in Agriculture/ Economics or Agricultural Economics from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years experience in a responsible capacity relating to Agricultural Development. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). OR B (i) Degree in Agriculture, Economics or Agricultural Economics from a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years experience in a responsible capacity relating to Agricultural Development. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). *Desirable*: Experience in work relating to Intensive Agricultural Development Programme including High Yielding Varieties Programme.	Not appliacable.

Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13
Two years	By direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[No. 11-5/69-Estt. V.]

S. G. SUNDARAM, Under Secy.

सा० का० नि०.565—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग में) सहायक निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्मों का कार्यक्रम) के पद पर भर्ती की पद्धत्ति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं; अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ**:—(1) ये नियम कृषि विभाग, सहायक निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्मों का कार्य-क्रम) भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. **लागू होना**—ये नियम इससे उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।

3. **पदसंख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान**.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि.**—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट है ।

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति

या अनुसूचित जनजाति या किसी अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी ।

5. निरर्हताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयनपद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
1. सहायक निदेशक (अधिक पैदावार वाली किस्मों का कार्यक्रम)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राजपत्रित)	400—400—450—30—600—35—670 द० रो० 35—950 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की कालावधि यदि कोई हो
7	8	9
क—आवश्यक (i) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से कृषि, अर्थशास्त्र या कृषि अर्थशास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य ।	लागू नहीं होता	2 वर्ष

7	8	9
(ii) कृषि विकास से संबंधित उत्तरदायी हैसियत में 3 वर्ष का अनुभव । (अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में अर्हताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी) या ख—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, अर्थशास्त्र या कृषि अर्थशास्त्र में उपाधि या समतुल्य । (ii) कृषि विकास से संबंधित उत्तरदायी हैसियत में 5 वर्ष का अनुभव । (अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में अर्हताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी) वांछनीय : गहन कृषि विकास कार्यक्रम, जिसमें अधिक पैदावार वाली किस्मों का कार्यक्रम भी सम्मिलित है, से संबंधित कार्य में अनुभव ।		

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से प [illegible] य जायगा ।
10	11	12	13
सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	जैसा संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित है ।

[सं० 11-5/69-स्थापना-5]

एस० जी० सुन्दरम, अवर सचिव ।

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 566.—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 36 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), and after consultation with the Central Insecticides Board is hereby published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 31st of May, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Rules

CHAPTER I

Preliminary

1. **Short title.**—These rules may be called the Insecticides Rules, 1971.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires:—

(a) "Act" means the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968);

(b) "Chairman" means the Chairman of the Board;

(c) "Director" means the Director of the Laboratory;

(d) "Form" means a form set out in the First Schedule;

(e) "Laboratory" means the Central Insecticides Laboratory;

(f) "Schedule" means a Schedule annexed to these rules;

(g) "Secretary" means the Secretary of the Board;

(h) "Section" means a section of the Act.

CHAPTER II

Functions of the Board, Registration Committee and Laboratory

3. **Functions of the Board.**—The Board shall, in addition to the functions assigned to it by the Act, carry out the following functions, namely:

(a) advise the Central Government on the issue of licences to the manufacture of insecticides under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);

(b) specify the uses or classification of insecticides on the basis of their toxicity or for being suitable for arial application;

(c) assign tolerance limits for various insecticides, residues and to establish minimum intervals between the application of insecticides and harvest in respect of various commodities;

(d) specify the shelf-life of insecticides;

(e) suggest colourisation, including the dyestuff which may be mixed with concentrates of insecticides, particularly those of highly toxic nature;

(f) carry out such other functions as are supplemental, incidental or consequential, to any of the functions conferred by the Act or these rules.

4. **Functions of Registration Committee.**—The Registration Committee shall perform the following functions, namely:

(a) specify the precautions to be taken against poisoning through the use or handling of insecticides;

(b) carry out such other incidental or consequential matters necessary for carrying out the functions assigned to it under the Act or these rules.

5. **Functions of Laboratory.**—The functions of the Laboratory shall be as follows:—

(1) to analyse such samples of insecticides sent to it under the Act by any officer or authority authorised by the Central Government and submission of certificates of analysis to the concerned authority;

(2) to analyse such samples of food and feed for insecticide residues;

(3) to carry out such investigations as may be necessary for the purpose of fixing standards of insecticides and their tolerance limits;

(4) to determine the toxicity of insecticides; and

(5) to carry out such other functions as may be entrusted to it by the Central Government or by a State Government with the permission of the Central Government and after consultation with the Board.

CHAPTER III

Registration of Insecticides

6. **Manner of registration.**—(1) An application for the registration of an insecticide under the Act shall be made in Form I.

(2) An application form duly filled together with a treasury challan evidencing the payment of registration fees of rupees one hundred shall be sent to the Registration Committee, Insecticides Act, Department of Agriculture, Government of India, New Delhi.

(3) The registration fees payable shall be deposited under the head "L II-Miscellaneous".

(4) The certificate of registration shall be in Form II and shall be subject to such conditions as are mentioned therein.

7. **Appeal.**—(1) An appeal against any decision of the Registration Committee under section 9 shall be preferred in writing to the Central Government in the Department of Agriculture.

(2) The appeal shall be in writing and shall set out concisely and under distinct heads the grounds on which the appeal is preferred.

(3) Every appeal shall be accompanied by a treasury challan evidencing the payment of a fee of rupees ten and a copy of the decision appealed against.

(4) The fees payable for preferring an appeal shall be deposited under the head " L II-Miscellaneous".

8. **Manner of publication of refusal to register or cancellation of the certificate of registration.**—A copy of the notification published in the official Gazette under section 28 refusing to register an insecticide or cancelling the certificate of registration, if any, granted in respect thereof shall also be published in any two English newspapers which have circulation in a substantial part of India and in any of the journals published by the Department of Agriculture.

CHAPTER IV

Grant of Licences

9. **Licences to manufacture insecticides.**—(1) Application for the grant or renewal of a licence to manufacture any insecticides shall be made in Form III or Form IV, as the case may be, to the licensing officer and shall be accompanied by a fee of rupees fifty for every insecticide for which the licence is applied, subject to a maximum of rupees five hundred.

(2) If an insecticide is proposed to be manufactured at more than one place, separate applications shall be made and separate licences shall be issued in respect of every such place.

(3) A licence to manufacture insecticides shall be in Form V and shall be subject to the conditions mentioned therein.

(4) A licensing officer may, after giving reasonable opportunity of being heard to the applicant, refuse to grant any licence, and on such refusal, the fee paid shall be refunded to the applicant.

(5) A fee of rupees five shall be paid for a duplicate copy of a licence issued under this rule, if the original is defaced, damaged or lost.

10. **Licences for sale, etc. of insecticides.**—(1) Applications for the grant or renewal of a licence to sell, stock or exhibit for sale or distribute insecticides shall be made in Form VI or Form VII, as the case may be, to the licensing officer and shall be accompanied by the fees specified in sub-rule (2).

(2) The fees payable under sub-rule (1) for the grant of a renewal of a certificate shall be rupees twenty for every insecticide for which the licence is applied, subject to a maximum of rupees three hundred.

(3) If any insecticide is proposed to be sold or stocked for sale at more than one place, separate applications shall be made and separate licences shall be issued in respect of every such place.

(4) A licence to sell, stock or exhibit for sale or distribute insecticides shall be in Form VIII and shall be subject to the conditions specified therein.

(5) a licensing officer may, after giving an opportunity of being heard in the applicant, refuse to grant any licence and on such refusal, the fees paid shall be refunded to the applicant.

(6) A fee of rupees five shall be payable for a duplicate copy of a licence issued under this rule if the original is defaced, damaged or lost.

11. **Duration of licences.**—(1) Any licence issued under this Chapter shall, unless sooner suspended or cancelled, be in force for a period of two years from the date of issue or from the date of renewal.

(2) An application for the renewal of a licence shall be made before its expiry and if such application is made within one month of its expiry, a penalty of rupees twenty shall be paid along with the application for renewal.

(3) The licence shall continue to be in force until it is renewed or refused, or where an appeal is preferred under section 17, until the disposal of the appeal, and shall be deemed to have expired if the application for renewal is not made within a month after its expiry.

(4) A licensing officer may after giving an opportunity of being heard refuse to renew the licence and on such refusal the fee paid for such renewal and the penalty, if any, paid shall be refunded to the applicant.

12. **Conditions of licence.**—(1) Subject to such conditions as are contained in the licence, a licence shall not be granted to any person under this Chapter unless the licensing officer is satisfied that the premises in respect of which licence is to be granted are adequate and equipped with proper storage accommodation for avoiding any hazards and for preserving the properties of insecticides in respect of which the licence is granted.

(2) In granting a licence, the licensing officer shall have regard, among other things to:

(i) the number of licences granted in the locality during any year; and

(ii) the occupation, trade or business carried on by the applicant.

13. **Varying or amending a licence.**—The licensing officer may either on an application made by the licensee or if he is satisfied that the conditions under which a licence has been granted under this Chapter have been changed that it is necessary so to do, vary or amend a licence, after giving an opportunity of being heard to the person holding the licence.

14. **Transfer of licence.**—(1) The holder of a licence may, at any time, before the expiry of the licence, apply for permission to transfer the licence to any other person.

(2) The application under sub-rule (1) shall be accompanied by a fee of rupees five.

(3) The licensing officer may, after such inquiry as he thinks fit, accord permission to transfer the licence and on such permission being given an endorsement to that effect shall be made in the licence.

(4) If the permission to transfer a licence is refused, the fee paid therefor shall be refunded to the applicant.

15. **Procedure on death or disability of licencee.**—(1) If any person in whose name a licence has been issued under this Chapter dies or is incapable of carrying on the business for which the said licence is given, his legal representative or any other person interested in carrying on the business may apply to the licensing officer for the transfer of the licence in his name.

(2) If an application is made under sub-rule (1) for the transfer of a licence, it shall be lawful for the applicant to carry on the business of the licensee until it is refused by the licensing officer.

CHAPTER V

Packing and labelling

16. **Prohibition of sale or distribution unless packed and labelled.**—No person shall stock or exhibit for sale or distribute any insecticide unless it is packed and labelled in accordance with the provisions of these rules.

17. **Packing of insecticides.**—(1) Every package containing an insecticide shall be of a type approved by the Registration Committee and a sample container in which the insecticide is proposed to be packed shall either accompany the application for registration or shall be supplied to the Registration Committee separately.

(2) Every container of an insecticide containing substances that may cause fire shall be of non-combustible and durable material.

(3) Insecticides which are likely to be affected by light shall be packed only in opaque containers.

(4) Insecticides containing volatile active substances shall be packed in durable well-closed and sufficiently sturdy containers.

18. **Leaflet to be contained in a package.**—The packing of every insecticide shall include a leaflet containing the following details, namely:—

(a) the plant disease, insects and noxious animals or weeds for which the insecticide is to be applied, the adequate direction concerning the manner in which the insecticide is to be used at the time of application;

(b) particulars regarding chemicals harmful to human beings, animals and wild life, warning and cautionary statements including the syptoms of poisoning, suitable and adequate safety measures and emergency first-aid treatment where necessary;

(c) cautions regarding storage and application of insecticides with suitable warnings relating to inflammable, explosive or other substances harmful to the skin;

(d) instructions concerning the decontamination or safe disposal of used containers;

(e) if the insecticide belongs to Category 1 (Extremely toxic), an antidote statement shall also be included in the leaflet.

(f) If the insecticide is irritating to the skin, nose, throat, or eyes, a statement shall be included to that effect.

19. **Manner of labelling.**—(1) The following particulars shall be either printed or written in indelible ink on the label of the innermost container of any insecticide and on every other covering in which the container is packed:—

(1) Name of the insecticide.

(Brand name or trade mark under which the insecticide is sold).

(2) Registration number of the insecticide.

(3) Kind and name of active and other ingredients and percentage of each. (Common name accepted by the International Standards Organisation or the Indian Standards Institution of each of the ingredients shall be given and if no common name exists, the correct chemical name which conforms most closely with the generally accepted rules of chemical nomenclature shall be given).

(4) Net content or volume.

(The net content shall be exclusive of wrapper or other material. The correct statement of the net content in terms of weight, measure, number or units of activity, as the case may be, shall be given. The weight and volume shall be expressed in the metric system).

(5) Date of manufacture with batch number.

(6) Effective date.

(7) Name of manufacturer.
(If the manufacturer is not the person in whose name the insecticide is registered under the Act, the relationship between the person in whose name the insecticide has been registered and the person who manufactures, packs or distributes or sells shall be stated).

(8) Guarantee.

(2) The label shall be so glued to the container that it shall not be removed.

(3) The label shall contain in a prominent place and occupying lot less than one-sixteenth of the total area of the face of the label, a square, set at an angle of 45 degree (diamond shape). The dimension of the said square shall depend on the size of the package on which the label is to be affixed. The said square shall be divided into two equal triangles, the upper portion shall contain the symbol and warning statements specified in sub-rule(4) and the lower portion shall contain the colour specified in sub-rule(5).

(4) The upper portion of the square, referred to in sub-rule (4) shall contain the following symbols and warning statements,—

(i) insecticides belonging to Category I (Extremely toxic) shall contain the following symbol and warning statements:—

(a) a skull and cross-bones and the word "POISON" printed in red;

(b) the statement "KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN";

(c) the statement that "IF SWALLOWED, OR IF SYMPTOMS OF POISONING OCCUR, CALL PHYSICAN IMMEDIATELY;

(ii) insecticides in Category II (Highly toxic) will contain the word "POISON" and the statement "KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN";

(iii) insecticides in Category III (Moderately toxic) shall bear the word "DANGER" and the statement "KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN";

(iv) insecticides in Category IV (Slightly toxic) shall bear the word "CAUTION".

(5) The lower portion of the square referred to in sub-rule (4) shall contain the colour specified in column(3) of the Table below, depending on the classification of the insecticides specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table.

TABLE

Classification of the insecticides.	Medium lethal dose by the oral route (acute toxicity) LD 50 mg./kg. body weight.	Colour of identification band on the label.
(1)	(2)	(3)
1. Extremely toxic.	1-50	Bright red
2. Highly toxic	51-500	Bright yellow
3. Moderately toxic	501-5000	Bright blue
4. Slightly toxic	More than 5000	Bright green

(6) In addition to the precautions to be undertaken under sub-rules (3), (4) and (5), the label to be affixed in the packages containing insecticides which are highly inflammable shall indicate that it is inflammable or that the insecticides should be kept away from heat or open flame and the like.

(7) The label and the leaflets to be affixed or attached to the package containing insecticides shall be printed in Hindi, English and in one or two regional languages in use in the areas where the said packages are likely to be stocked, sold or distributed.

(8) Labelling of insecticides must not bear any unwarranted claims for the safety of the product or its ingredients. This includes statements such as 'SAFE'. 'NON POISONOUS', 'NON INJURIOUS' or 'HARMLESS' with or without such qualified phrase as "when used as directed".

20. **Prohibition against altering inscriptions, etc. on containers, labels or wrappers of insecticides.**—No person shall alter, obliterate or deface any inscription or mark made or recorded by the manufacturer on the container, label or wrapper of any insecticide:—

Provided that nothing in this rule shall apply to any alteration of any inscription or mark, made on the container, label or wrapper of any insecticide at the instance, direction or permission of the Registration Committee.

CHAPTER VI

Insecticide Analysts and Insecticide Inspectors

21. **Qualifications of Insecticide Analyst.**—A person shall be eligible for appointment as an Insecticide Analyst under the Act only if he possesses the following qualifications, namely:—

(a) a graduate in Agriculture or a graduate in Science with Chemistry as special subject; and

(b) adequate training in analysing insecticides in a recognised Laboratory.

22. **Powers of Insecticide Analyst.**—The Insecticide Analyst shall have the power to call for such information or particulars or do anything as may be necessary for the proper examination of the samples sent to him by either from the Insecticide Inspector or the person from whom the sample was obtained.

23. **Duties of Insecticide Analyst.**—(1) The Insecticide Analyst shall cause to be analysed or test such samples of Insecticides as may be sent to him by the Insecticide Inspector under the provisions of the Act and shall furnish reports or results of such tests or analysis.

(2) An Insecticide Analyst shall, from time to time, forward to the State Government reports giving the result of analytical work and research with a view to their publication at the discretion of the Government.

24. **Procedure on receipt of sample.**—(1) On receipt of a package from an Insecticide Inspector containing a sample for test or analysis, the Insecticide Analyst shall compare the seals on the packet with the specimen impression received separately and shall note the condition of the seals on the packet.

(2) In making the test or analysis of insecticides, it shall be sufficient if the Insecticide Analyst follows the methods of examination of samples adopted by the Indian Standards Institution or published in the scientific journals and technical bulletins. The samples should be analysed in such a way as to determine whether the ingredients as stated on the label are present and whether the products contain any adulterated stuff. If necessary, laboratory or field tests shall be made to determine the effectiveness of the insecticides as contained in the label.

(3) After the test or analysis has been carried out under sub-rule (2), the Insecticide Analyst shall forthwith supply to the Insecticide Inspector a report in triplicate in Form IX of the result or test or analysis.

25. **Fees payable for testing or analysis.**—(1) The fees payable for testing or analysing insecticides under the Act shall be as specified in the Second Schedule.

(2) No fee shall be charged for routine tests or rechecking of samples carried out at the instance of the Insecticide Inspector.

26. **Qualifications of Insecticide Inspector.**—A person shall be eligible for appointment as an Insecticide Inspector under the Act only if he possesses the following qualifications, namely:—

(a) graduate in Agriculture, and

(b) adequate field experience.

27. **Duties of Insecticide Inspector.**—The Insecticide Inspector shall have the following duties, namely:—

(1) to inspect not less than three times in a year establishments selling insecticides within the area of his jurisdiction;

(2) to satisfy himself that the conditions of licence are being observed;

(3) to procure and send for test and analysis, if necessary, samples of insecticide which he has reason to suspect are being sold, stocked or accepted for sale in contravention of the provisions of the Act or rules thereunder;

(4) to investigate any complaint in writing which may be made to him;

(5) to institute prosecutions in respect of breaches of the Act and the rules made thereunder;

(6) to maintain a record of all inspections made and action taken by him in the performance of his duties including the taking of samples and the seizure of stocks and to submit copies of such record to the licensing officer;

(7) to make such inquiries and inspections as may be necessary to detect the sale of insecticides in contravention of the Act.

28. **Duties of Inspectors specially authorised to inspect manufacture of insecticides.**—It shall be the duty of an Inspector authorised to inspect the manufacture of insecticides—

(1) to inspect not less than twice a year all premises licensed for the manufacture of insecticides within the area of his jurisdiction and to satisfy himself that the conditions of the licence and the provisions of the Act or the rules made thereunder are being observed;

(2) to send forthwith to the licensing officer after each inspection, a detailed report indicating the conditions of the licence and the provisions of the Act or rules made thereunder which are being observed and the conditions and provisions, if any, which are not being observed;

(3) to draw samples of insecticides manufactured on the premises and send them for test or analysis in accordance with these rules;

(4) to report to the Government all occurrences of poisoning.

29. **Prohibition of disclosure of information.**—Except for the purpose of official business or when required by a court of law, an Insecticide Inspector shall not disclose to any person any information acquired by him in the performance of his official duties.

30. **Form of order not to dispose of stock.**—An order by the Insecticide Inspector requiring a person not to dispose of any stock in his possession shall be in Form X.

31. **Prohibition of sale.**—No person in possession of an insecticides in respect of which an Insecticide Inspector has made an order under rule 30 shall, in contravention of that order, sell or otherwise dispose of any stock of such Insecticide.

32. **Form of receipt for seized insecticides.**—A receipt by an Inspector for the stock of any insecticide seized shall be in Form XI.

33. **Form of intimation for purpose of taking samples.**—Where an Inspector takes a sample of an insecticide for the purpose of test or analysis he shall intimate such purpose in writing in Form XII to the person from whom he takes it.

34. **Despatch of samples for test or analysis.**—(1) Samples for test or analysis under the Act shall be sent by registered post or by hand in a sealed packet together with a memorandum in Form XIII in an outer cover addressed to the Insecticide Analyst.

(2) The packet as well as the outer cover shall be marked with a distinct mark.

(3) A copy of the memorandum in Form XIII together with a specimen impression of the seal used enclosing the packet under sub-rule (1) shall be sent separately by registered post or by hand to the Insecticide Analyst.

CHAPTER VII

Transport and storage of insecticides in transit by rail, road or water.

35. **Manner of packing storage while in transit by rail.**—(1) Packages containing insecticides, offered for transport by rail, shall be packed in accordance with the conditions specified in the Red Tariff, issued by the Ministry of Railways.

(2) No insecticide shall be transported or stored in such a way as to come into direct contact with foodstuffs or animal feeds.

(3) No foodstuffs or animal feeds which got mixed up with insecticides as a result of any damage to the packages containing insecticides during transport or storage shall be released to the consigness unless it has been examined for possible contamination by competent authorities.

(4) If any insecticides is found to have leaked out in transport or storage, it shall be the responsibility of the transport agency or the storage owner to take such measures urgently to prevent poisoning and pollution of soil or water, if any.

36. **Conditions to be specified for storage of insecticides.**—(1) The packages containing insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles.

(2) The rooms or premises meant for storing insecticides shall be well-built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension. The floors shall be smooth and the walls shall be plastered or tiled or oil-painted so as to avoid holes, cracks or crevices in such floors and walls.

CHAPTER VIII

Provisions regarding protective clothing, equipment and other facilities for workers during manufacture, etc., of insecticides.

37. **Medical Examination.**—(1) The persons who will be engaged in the work of handling insecticides during its manufacture, formulation, transport, distribution or application, shall be examined medically before their employment and periodically while in service by a competent physician who is aware of the risks to which such workers will be exposed.

(2) Any person showing symptoms of poisoning shall be immediately examined and given proper treatment.

38. **First-aid measures.**—In all cases of poisoning first-aid treatment shall always be given before the physician is called. The Indian Standards Guide for handling cases of pesticide poisoning—Part I First Aid Measures, 'IS. 4015 (Part I)—1967] and Part II Symptoms, diagnosis and treat [I.S. 4015 (Part II)—1967] shall be consulted for such first-aid treatment in addition to any other books on the subject. The workers also should be educated regarding the effects of poisoning and the first-aid treatment to be given.

39. **Protective clothing.**—(1) It shall be compulsory for persons handling insecticides to wear protective clothing during its manufacture, formulation, transport, distribution or application.

(2) The protective clothing shall be used wherever necessary, in conjunction with respiratory devices as laid down in rule 40.

(3) The protective clothing shall be made of materials which prevent or resist the penetration of any form of insecticide formulations. The materials shall also be washable so that the toxic elements may be removed after each use.

(4) A complete suit of protective clothing shall consist of the following dresses, namely:—

(a) protective outer garment/overalls/hood/hat;

(b) rubber gloves extending half-way upto the fore-arm, made of materials impermeable to liquids;

(c) dust-proof goggles;

(d) boots.

40. **Respiratory devices.**—For preventing inhalation of toxic dusts, vapours or gases, the workers shall use any of the following types of respirators or gass masks suitable for the purpose. In no case shall the concentrates of insecticides in the air where the insecticides are mixed exceed the maximum permissible values:—

(a) Chemical-Cartridge respirator;

(b) Supplied-Air respirator;

(c) Demand flow type respirator;

(d) Full-face or half-face gas masks conster.

41. **Manufacturers, etc., to keep sufficient quantities of antidotes and first-aid medicines.**—The manufacturers, distributors and commercial pest control operators shall keep sufficient stocks of such first-aid tools, equipment, antidotes, injections and medicines as may be required to treat poisoning cases arising from inhalation, skin contamination, eye contamination and swallowing.

42. **Training of workers.**—The manufacturers, distributors and commercial pest control operators shall arrange for suitable training in observing safety precautions and handling safety equipment provided to them.

43. **Aerial spraying operations.**—The aerial application of insecticides shall be subject to the following provisions, namely:—

(a) marking of the area shall be the responsibility of the operators;

(b) the operators shall use only approved insecticides and their formulations at approved concentration and height;

(c) washing, decontamination and first-aid facilities shall be provided by the operators;

(d) all aerial operations shall be notified to the public not less than twenty-four hours in advance through competent authorities;

(e) animals and persons not connected with the operations shall be prevented from entering such areas for a specified period; and

(f) the pilots shall undergo specialised training including clinical effects of the insecticides.

44. **Disposal of used packages, surplus materials and washing of insecticides.**—(1) It shall be the duty of manufacturers, formulators or commerical pest control operators to dispose packages or surplus materials and washing in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

(2) The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.

(3) The packages shall be broken and buried at least 45 cm. deep in sandy soils.

CHAPTER IX

Miscellaneous

45. **Places at which the insecticides may be imported.**—No insecticides shall be imported into India except through one of the following places, namely:

Ferozepore Cantonment and Amritsar railway stations—in respect of insecticides imported by rail across the frontier with West Pakistan.

Ranaghat, Bongaon and Mahiassan railway stations—in respect of insecticides imported by rail across the frontier with East Pakistan.

Madras, Calcutta, Bombay, Cochin and Ahmedabad—in respect of insecticides imported by air into India.

Madras, Calcutta, Bombay, Delhi and Ahmedabad—in respect of insecticides imported by air into India.

46. **Travelling and other allowances payable to the members of the Board, etc.**— The members of the Board, Registration Committee and any other committee appointed by the Board shall be entitled to such travelling and other allowances for attending meeting of the Board, Registration Committee or other committee, as the case may be, as are admissible to Grade I officers of the Central Government.

THE FIRST SCHEDULE

FORM I

[*See Rule* 6(1)]

Application for registration of Insecticides

1. Name and address of the applicant .....
2. The proposed/existing trade name of the insecticide. ....
3. Chemical composition (A statement of the composition, including all ingredients and the chemical identity of the active ingredient(s) including their stability in storage). .....
4. Toxicity of the products to human beings, wild life, aquatic animals (adequate toxicological data concerning the active ingredient to be enclosed). .....
5. The plant diseases, insects and other noxious animals and weeds against which it is intended to be used. (Reports of official or other experimental station on biological tests concerning the efficac yof the insecticide to be enclosed). .....
6. Instructions for storage and use including first aid and precautionary matter which are proposed for labelling. .....
7. Methods of analysis for formulated compound and its residues. .....
8. Seven copies of the proposed/existing label ..... (including all printed or graphic matter which will accompany the package containing the insecticide.).

Date .....

Signature of the applican

Designation and seal

Verification

"I ..... do hereby solemnly and sincerely state that what is stated in paragraphs 1 to 8 above is true to the best of my knowledge and belief.

Signature of the applicant.

FORM II

[*See* rule 6(4)]

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

Certificate of Registration of Insecticides

Certified that the insecticide ..... has been registered in the name of the undertaking whose particulars are specified below:—

1. Name of the undertaking.
2. Address.
3. Registration No.
4. Name of the insecticide.
   (Brand name or trade name or chemical name of the insecticide, details thereof regarding its composition, etc.).

New Delhi, the ..... 19 Signature .....

Seal of the Department

Conditions

FORM III

[*See* rule 9(1)]

Application for licence to manufacture insecticides

1. I/We .... of .... hereby apply for the grant of a licence to manufacture on the premises situated at .... the undermentioned insecticides.

Name of insecticide (each insecticide to be separately specified).

2. The names, qualifications and experience of the expert staff actually connected with the manufacture and testing of the specified products in the manufacturing premises ....

3. I/We enclose—

(a) A true copy of a letter from me/us to the manufacturing concern whose manufacturing capacity is intended to be utilised by me/us.

(b) A true copy of a letter from the manufacturing concern that they agree to lend the services of their expert staff, equipment and premises for the manufacture of each insecticide required by me/us and that they will analyse every batch of finished product and maintain the registers of raw materials, finished products and reports of analysis separately in this behalf.

(c) Specimens of labels, cartons of the products proposed to be manufactured.

4. A fee of rupees .... has been credited to the Government under the head of account. ....

Date ....   Signature ....

FORM IV

[*See rule* 9(1)]

Application for renewal of licence to manufacture insecticides

1. I/We .... of .... hereby apply for the renewal of the licence to manufacture insecticides on the premises situated at .... (Licence No. and date to be given).

2. The other details *regarding the manufacture of the insecticide continue to remain the same.

3. A fee of rupees .... has been credited to the Government under the head of account .... for the renewal of the licence.

4. The licence is enclosed herewith.

Date ....   Signature ....

*If there is any change in the details of manufacture or conditions of licence subject to which the licence is required to be renewed, the same may be indicated here.

FORM V

[*See* Rule 9(3)]

Licence to manufacture insecticides

1. Number of licence and date of issue .....

2. ..... of ..... is hereby granted a licence to manufacture the following insecticides on the premises situated at ..... under the direction and supervision of the following expert staff.

(a) Expert staff (names) .....

(b) Names of insecticides .....

3. The licence authorises the sale by way of wholesale dealing by the licensee and storage for sale by the licensee of the insecticides manufactured under the licence.

4. The licence shall be in force for a period of ..... years from the date of issue.

5. The licence is subject to the conditions stated below and to such conditions as may be specified in the rules for the time being in force under the Insecticide Act, 1968.

Date. .....

Signature .....

Designation .....

Seal of the Licensing Officer

Conditions

1. This licence and any certificate of renewal shall be kept on the approved premises and shall be produced for inspection at the request of an Insecticide Inspector appointed under the Insecticides Act, 1968 or any other officer or authority authorised by the licensing officer.

2. Any change in the expert staff named in the licence shall be forthwith reported to the licensing officer.

3. If the licensee wants to undertake during the currency of the licence to manufacture for sale additional insecticides, he should apply to the licensing officer for the necessary endorsement in the licence on payment of a fee of rupees .... for every category of insecticides.

4. Renewal.

FORM VI

[*See* Rule 10(1)]

Form of Application to obtain Licence to Sell, Stock or Exhibit for Sale or Distribute Insecticides

To,

The Licensing Authority,
State of .....

1. Full name and address of the applicant.

2. Is the applicant a new comer? (Say 'Yes' or 'No').

3. If yes, the insecticide in which the applicant propose to deal and the names of the principals, if any, whom he represents.

4. If the applicant has been

   (i) in the trade, give full particulars of the names of insecticides handled, the period and the place(s) at which the trade was carried on, (and the principals whom he represented).

   (ii) Also give the quantities handled during the past two calendar years.

   (a)

   (b)

5. I enclose a certificate from the principals whom I represent or whom I intend to represent and the source/sources from which insecticides will be obtained.

6. Quantities of each insecticide (in tons) in my/our possession on the date of application (at the sale depot and in godowns attached thereto).

7. Situation of the dealers' premises where the insecticide will be (a) stored; and (b) sold.

8. The names of insecticides in which the applicant desires to carry on business.

9. Full particulars of licences issued by other State Governments, if any, in their area.

10. I have deposited the licence fee.

    Treasury Challan No.

    Sub-Treasury

11. Declaration:

    (a) I/we declare that the information given above is true to my/our knowledge and belief, and no part thereof is false.

    (b) I/we carefully have read the terms and conditions of the licence and agree to abide by them.

Signature of the applicant(s)

Name and address of the applicant(s) in block letters.

Date:

Place:

NOTE.—Where the business of selling pesticide formulation is carried on at more than one place, a separate application must be made for a licence in respect of each such place.

Remarks by the Licensing Authority.

FORM VII

[*See* Rule 10(1)]

Application for Renewal of the Licence to Sell, Stock or Exhibit for Sale or Distribute Insecticides.

To,

The Licensing Authority,

State of .....

I/we hereby apply for renewal of the licence to sell, stock or exhibit for sale or distribute insecticides under the name and style of ..... The licence desired to be renewed was granted by the licensing Authority for the State of ———— and allotted licence No. ———— on the———— day of ———— 19

2. The situation of the applicant's premises where the insecticides are/will be (a) stored and (b) sold

(i) *I/we hereby declares that the situation of my/our premises where the insecticides are stored, and (b) sold, are as stated below:—

(a) Premises where insecticides are stored

(b) Premises where insecticides are sold

(ii) The insecticide in which I/we am/are carrying on business and the name of the principals whom I/we represent are as stated below:—

Full name and address of the applicant in block letters.

Signature of the applicant(s)

Date:

Place:

FORM VIII

[*See* Rule 10(4)]

Licence to Sell, Stock or Exhibit for Sale or Distribution of Insctidies.

I ..... is hereby licensed to sell, stock or exhibit for sale or distribute by retail insecticide.....on the premises situated at ..... subject to the conditions specified below and to the provisions of the Insecticides Act, 1968, and the rules thereunder:—

2. Licence shall be in force from .....

to .....

3. Categories of insecticides.

Licence No. .....

Licensing Authority

Seal

Date.

Conditions

1. The licence shall be displayed in a permanent place in a part of the premises open to the public.

2. The licensee shall comply with the provisions of the Insecticides Act, 1968, and the rules thereunder for the time being in force.

3. No sale of any insecticide shall be made to a person not holding a licence to sell, stock or exhibit for sale or distribute the insecticide.

Provided that this condition shall not apply to the sale of any insecticide to an officer or authority purchasing on behalf of the Government.

Renewal

'Triplicate'

FORM IX

[*See* Rule 24(3)]

Report of insecticide Analyst

1. Name of the Insecticide Inspector from whom received.
2. Serial No. and date of Insecticide Inspector's Memorandum.
3. Number of Sample.
4. Date of Receipt.
5. Name of the Insecticide purporting to be contained in the sample.
6. Condition of the seals on the package.
7. Result of test or analysis with protocols of test applied.

In the opinion of the undersigned, the sample referred to above is of/is not of standard quality as defined in the insecticides, 1968, and the rules thereunder for the reasons given below.

Date: Insecticide Analyst.

FORM X

(*See* Rule 30)

Order under Section 21(1)(d) *of the Insecticides Act* 1968, *requiring a person not to dispose of stock in his possession*

Whereas I have reason to believe that the stock of .... in your possession, detailed below contravenes with the provisions of section ..... of the Insecticides Act, 1968.

I hereby require you under section 21(1)(d) of the said Act, not to dispose of the said stock for a period of ..... days from this date.

Date: .....

Details of stock of pesticides/formulation.

1.
2.
3.
4.
5.
6.

Insecticide Inspector.....

Seal

Date: .....

FORM XI

(*See* Rule 32)

Form of Receipt for the Seized Insecticides

Receipt for stock of insecticide seized under section 21(1)(d) of the Insecticides Act, 1968.

The stock of insecticide detailed below has this day been seized by me under the provisions of section 21(1)(d) of the Insecticides Act, 1968, from the premises of situated at

Details of the insecticide seized are:—

(a)
(b)
(c)
(d)

Insecticide Inspector
Date: Official Stamp

of handling insecticides during its manufacture, formulation, transport, distribu-

(*See* Rule 33)

Intimation to person/Licensee from whom sample is taken

To,

_____

_____

_____

I have this day taken from the premises of situated at samples of the Insecticide specified below for the purpose of test or analysis.

Date: Insecticide Inspector

Details of sample taken

Date: Insecticide Inspector

FORM XIII

(*See* Rule 34)

Memorandum to Government Analysit

From

_____

_____

_____

To,

The Government Analyst,

The portion of sample/container described below is sent herewith for test or analysis under the Rule (34) of the Insecticide, Rule, 1971.

The portion of sample/container has been marked by me with the following mark:—

Details of portion of sample or container with name of insecticide which it purports to contain.

Date: Insecticide Inspector
Seal

THE SECOND SCHEDULE

(*See* Rule 25)

Cess for testing or analysing the samples of insecticide

		Rs. Ps.
1.	D.D.T. Tech. 563/55	115·00
2.	B.H.C. ,, 560/55	100·00
3.	Endrin ,, 1309/58	40·00
4.	Aldrin ,, 1306/58	40·00
5.	Dieldrin ,, 1052/62	50·00
6.	Malathion Tech. 1832/61(without Moisture Content)	65·00
7.	Parathion ,, 2128/62 ,, ,, ,,	65·00
8.	Diazinon ,, 1833/61 ,, ,, ,,	65·00
9.	Lindane ,, 882/56	110·00
10.	B.H.C. (Refined) 881/56	100·00
11.	Chlordane Tech. (Content only)	20·00
12.	Copper Oxychloride Tech. 1486/59	110·00
13.	Cuprous Oxide Tech. 1682/60	90·00
14.	Zinc Phosphide Tech. 1251/58	40·00
15.	Ethyl Mercuric Chloride Tech. 2345/63	55·00
16.	Phenyl ,, ,, ,, 2353/63	45·00
17.	Stabilised Methoxy Ethyl Mer. Chloride 2127/62	45·00
18.	,, Ethoxy ,, ,, ,, 2355/63	45·00
19.	Phenyl Mercuric Salicylate Tech. 2125/62	45·00
20.	,, ,, Acetate Tech. 2126/62	55·00
21.	B.H.C. Dusting Powder .561/	90·00
22.	D.D.T ,, ,, 564/	40·00
23.	Aldrin ,, ,, 1308/58	70·00
24.	Chlordane ,, ,, 2864/64	50·00
25.	Malathion ,, ,,	55·00
26.	Parathion ,, ,,	55·00
27.	Cuprous Oxide Dusting Powder 1669/60	50·00
28.	Copper Oxychloride Dusting Piwder 1506/59	50·00
29.	Stablized Methoxy Ethyl Mercuric Chloride Formulations } 2358/62	35·00
30.	Stabilized Ethoxy Ethyl Mercuric Chloride Formulations } 2359/63	35·00
31.	Phenyl Mercuric Acetate Formulations 2357/63	35·00
32.	Phenyl Mercuric Salicylate Formulations 2356/63	35·00
33.	Pyrethrum in Pyrethrum Formulations	30·00
34.	B.H.C. Wettable Powder 562/	100·00
35.	D.D.T. ,, ,, 565/	50·00
36.	Dieldrin ,, ,, 1053/57	60·00
37.	Copper Oxychloride Wettable Powder 1507/59	50·00
38.	Cuprous Oxide Wettable Powder 1665/60	50·00
39.	B.H.C. E.C. 632/56	125·00
40.	D.D.T. E.C. 633/56	85·00
41.	Aldrin E.C. 1307/58	85·00
42.	Dieldrin E.C. 1054/57	85·00
43.	Endrin E.C. 1310/58	85·00

		Rs. Ps.
44.	Parathion E.C. 2129/62	100·00
45.	Malathion E.C. 2567/63	100·00
45.	Methyl Parathion E.C. 2865/64	100·00
47.	Diazion E.C.	100·00
48.	2, 4-D Liquid Amine Salt 1827/61	75·00
49.	2, 4-D Sodium Salt 1488/59	65.00
50.	Sulphur Dust	25·00
51.	Sulphur Wettable	35·00
52.	Thiram (Content)	30·00
53.	Zineb ,,	30·00
54.	Thiometon ,,	30·00
55.	Metasystox ,,	30·00
56.	Roger ,,	30·00
57.	Phosphamidon ,,	30·00
58.	Carbaryl ,,	30·00
59.	Heptachlor Tech.	20·00
60.	Toxaphene ,,	20·00
61.	Nicotine sulphate (Content)	35.00
62.	Captan	35·00
63.	Heptachlor D.P.	50·00
64.	ED/CT Mixture	100·00

[No. F.22-1/70-PPS(i).]

K. RAJAN, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 5th April 1971

G.S.R. 567.—The following draft of certain rules further to amend the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 10 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947, (32 of 1947) is published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 15th May, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Coal Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1971.

2. In the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, after sub-rule (3) of rule 21, the following sub-rule shall be inserted, namely:—

"(4) The Vice-Chairman may, with the prior approval in writing of the Central Government, delegate his powers under sub-rule (3) to any officer subordinate to him"

[No. 1(4)-69-MII.]

C. R. NAIR, Under Secy.

श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 567.—कोयला खान श्रम, कल्याण निधि नियम, 1949 में और आगे संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार कोयलाखान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाव्य है और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 15-5-1971 को या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

केन्द्रीय सरकार किसी भी ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर विचार करेगी, जो उक्त प्रारूप के बारे में ऐसी विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे।

प्रारूप नियम

1. ये नियम कोयला खान श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. कोयला खान श्रम कल्यान निधि नियम, 1949 में, नियम 21 के उपनियम (3) के पश्चात निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जायगा, अर्थात :—

"(4) उपाध्यक्ष उपनियम (3) के अधीन की अपनी शक्तियों का अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के लिखित पूर्व-अनुमोदन से, प्रत्येक प्रत्यायोजन कर सकेगा।"

[सं० 1 (4)/69-एम-2]

सी० आर० नायर, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 568.—In exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby makes, after previous publication and after referring a draft thereof to the Mining Boards constituted under the said Act, and after giving such Boards, a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making the proposed amendments and as to the suitability thereof, as required by sub-sections (1) and (4) of section 59 of the said Act the following Regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, namely:—

1. These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1971.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957 (hereinafter referred to as the said regulations)—

(i) for clause (3) the following clause shall be substituted, namely:—

"(3) 'Auxiliary fan' means a forcing or an exhausting fan used below-ground wholly or mainly for ventilating one or more faces forming part of a ventilating district."

(ii) after clause (4) the following clause shall be inserted, namely:—

"(4A) "Booster fan" means a mechanical ventilator used belowground for boosting the whole current of air passing along the intake or return airway of a mine or ventilating district."

(iii) for clause (20), the following clause shall be substituted, namely:—

"(20) "Official" means a person appointed in writing by the owner, agent or manager to perform duties of supervision in a mine or part thereof and includes an under manager or assistant manager, a ventilation officer, a safety officer, a sampling in charge, a dust in charge, an overman, a sirdar, an engineer and a surveyor."

3. For sub-regulation (2) of regulation 8 of the said regulations, the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

"(2) When any appointment is made of an agent, manager, engineer, surveyor, ventilation officer, safety officer, under manager or assistant manager or when the employment of any such person is terminated or any such person leaves the said employment, or when any change occurs in the address of any agent or manager, the owner, agent or manager shall, within seven days from the date of such appointment, termination or charge, give to the Chief Inspector of Mines and the Regional Inspector a notice in Form I."

4. In sub-regulation (2) of regulation 12 of the said regulations after clause (i), the following clause shall be inserted, namely:—

"(j) Certificate of Competency to check safety lamps (in these regulations referred to as a Lamp-checker's Certificate)".

5. In regulation 20 of the said regulations—

(i) in sub-regulation (1) after clause (i) the following clause shall be inserted, namely:—

"(j) in the case of an examination for a Lamp-checker's Certificate....2";

(ii) in clause (a) of sub-regulation (2), for the words "Shotfirer's or a Gas-testing Certificate', the words "Shot-firer's, Gas-testing or Lamp-checker's Certificate" shall be substituted.

6. In regulation 24 of the said regulations, for the words "Shot-firer's or Gas-testing Certificate", the words "Shot-firer's Gas-testing or Lamp-checker's Certificate" shall be substituted.

7. For regulation 26 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

"26. *Suspension of an Overman's, Sirdar's Engine-driver's Shot firer's or Gas-testing or Lamp-checker's Certificate.*—(1) If the Regional Inspector is of opinion that the holder of an overman's, Sirdar's, Engine-driver's, Shotfirer's Gas-testing or Lamp-checker's Certificate is incompetent or is guilty of negligence or misconduct in the performance of his duties, he may hold an enquiry to determine whether or not such person (hereinafter referred to as the delinquent) is fit to continue to hold such certificate. During such enquiry he shall record—

(a) any evidence that the delinquent may like to give;

(b) the evidence of any witness that the delinquent may like to produce;

(c) the evidence of the Manager of the mine; and

(d) any other evidence that may be considered necessary or relevant by the Regional Inspector.

Unless the delinquent fails to be present in spite of sufficient notice, the evidence aforesaid shall be recorded in the presence of the delinquent and he shall be given a reasonable opportunity to cross-examine the witnesses (other than those produced by him). The Regional Inspector also may cross-examine the delinquent and the witnesses produced by him.

(2) If as a result of the enquiry the Regional Inspector is of the opinion that the delinquent is not fit to hold the certificate, he shall within fifteen days from the date of the conclusion of his enquiry, submit a report to the Chairman of the Board together with his findings, the notes of evidence recorded during the enquiry and other relevant records. After considering such report, evidence and records, the Chairman may, without any further reference to the Board suspend the certificate of the delinquent for a period not exceeding three months and his decision shall be final.

(3) Where the Chairman is of the opinion that the suspension of the Certificate for a period exceeding three months or its cancellation is called for, he shall recommend to the Board accordingly together with the findings of the Regional Inspector, the notes of evidence and other relevant records. A copy of such communication addressed to the Board together with the copies of the notes of evidence and the findings of the Regional Inspector shall also be sent to the delinquent who may submit his written representation within thirty days from the date of receipt of such copies.

(4) The Board may, after considering the evidence and other records and the written representation, if any, submitted by the delinquent, either increase the period of suspension or cancel the certificate as it deems fit and its decision shall be final.

(5) Where a certificate is suspended or cancelled under this regulation, the Chairman of the Board may call for such certificate and make suitable endorsement thereon."

8. In regulation 27 of the said regulations,

(i) in sub-regulation (1), after the word "Shotfierer's" the word "Lamp-checker's" shall be inserted.

(ii) sub-regulation (2), shall be omitted.

9. For regulation 35 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

"35. *Appointment of surveyors.*—(1) At every mine, one or more persons not less than 23 years of age and holding a Surveyor's Certificate shall be appointed to be the Surveyor for carrying out the surveys and levellings and for preparing the plans and sections required under the Act or the regulations, or orders made thereunder.

(2) No person shall be appointed as a Surveyor of more than one mine or in any other capacity in the same mine, without the previous permission in writing of the Regional Inspector and subject to such conditions as specified therein. The Regional Inspector may at any time by an order in writing, revoke such permission:

Provided that such permission may be granted only when the average monthly output of the mine does not exceed 2,500 tonnes.

(3) (a) The number of surveyors required to be appointed shall be on the following scale:

The average monthly output in tonnes.	No. of Surveyors
Below 7,000 tonnes	One
Above 7,000 tonnes but below 15,000 tonnes	Two
Above 15,000 tonnes	One for every additional 10,000 tonnes or part thereof.

Provided that for calculating the output of the mine only half the output obtained from the depillaring operations or from the opencast workings shall be taken into consideration.

(b) Notwithstanding anything contained in this regulation the Regional Inspector may by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of surveyors in variation of these provisions.

(4) If a mine has more than one surveyor each shall carry the duties and the responsibilities of the surveyor for the part or section of the mine to be assigned in writing by owner, agent or manager:

Provided that the owner, agent or manager shall appoint one of the Surveyors to be responsible for the preparation and maintenance of the plans required to be prepared and maintained under these regulations.

10. For clause (b) of sub-regulation (7) of regulation 38 of the said regulations, the following clause shall be substituted, namely:—

"(b) No person unless qualified for the purpose shall try to examine or examine for the presence of inflammable gas and during every such examination particular attention shall be paid to check the presence of inflammable gas in a layer near the roof."

11. After regulation 41 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"41. *Duties of Safety Officers*—(1) The duties of the Safety Officer shall be:

(a) (i) to visit surface and underground parts of the mine with a view to meeting the workers on the spot to talk to them on matters of safety, inviting suggestions thereon;

(ii) to take charge of the newly recruited staff and show them around the mine pointing out the safe and unsafe acts during the course of their work in the mine;

(b) (i) to investigate all types of accidents and incidents in the mine including minor accidents; to analyse the same with a view to pinpointing the nature and common cause of accidents in the mine;

(ii) to maintain detailed statistics about mine accidents and to analyse the same with a view to pinpointing the nature and common causes of the accidents in the mine;

(iii) to study and apprise the manager of all possible sources of danger such as inundation, fire, coal dust and others;

(c) (i) to hold safety classes and give safety talks and lectures to the members of the supervisory staff;

(ii) to organise safety weeks and other safety education and propaganda in mine;

(d) to see that all concerned mine employees are fully conversant with various standing orders (such as those relating to stoppage of mine mechanical ventilators and to the occurrence of a fire or other emergency in the mine) and Systematic Timbering Rules;

(e) to provide assistance in the formulation of programme for training at the mine level; including vocational training, training in gas-testing, and training in First Aid;

(i) to report to the manager as a result of his visits to the various parts of the mine, as to whether the provisions of the Mines Act, Regulations and Rules made thereunder are being complied with in the mine;

(g) to promote safety practices generally and to lend active support to all measures intended for furthering the cause of safety in the mine; and

(h) to assist the manager in any other matter relating to safety in the mine.

(2) If any duties other than those specified above are assigned to the Safety Officer by the manager, a written notice thereof shall be sent to the Regional Inspector within three days of such assignment.

(3) The Safety Officer shall maintain in a bound paged book a detailed record of the work performed by him every day."

12. After regulation 42 of the said regulations the following regulation shall be inserted, namely:—

"42A. *Duties of Ventilation Officer.*—The Ventilation Officer shall—

(a) (i) ensure the observances of all regulations and orders concerning ventilation, gas and coal dust including dust suppression and shall advise the manager if any alteration is required in the ventilation system to ensure adequacy of ventilation in compliance with the regulations or orders;

(ii) advise the manager on day to day problems of ventilation, gas and coal dust;

(iii) maintain close liaison with the under-managers and other supervisory staff, and assist them in their day-to-day ventilation problems;

(b) (i) carry out ventilation surveys of the mine and undertake any other special work relating thereto as may be directed by the manager from time to time;

(ii) take such steps as are necessary to ensure compliance with the ventilation standards required in terms of these regulations or otherwise;

(c) (i) check the speed of the main mechanical ventilator, amperage drawn by its electric motor, and fan drift water gauge at least once in a day. Any unusual change in the water gauge shall be investigated by him and reported to the manager;

(ii) determine the efficiency of the main mechanical ventilator once at least in every three months and get the fan blades and the fan drift cleaned when necessary;

(iii) ensure that copies of standing orders in the event of stoppage of the main mechanical ventilator are posted at conspicuous places at the mine, and see that the persons concerned understand the instructions contained therein;

(d) ensure the correct sitting and installation of auxiliary and booster fans underground;

(e) examine at frequent intervals all ventilation appliances like doors, brattices, air crossings, regulators, stoppings, booster and auxiliary fans, ventilation ductings and other devices of ventilation control in the mine and report any defect in the same to the manager. He shall take necessary steps to stop any leakage through such devices and see that the ventilation appliances are maintained in good order;

(f) see that sufficient quantity of good air is coursed into all working places and reaches all other workings below ground. For this purpose, he shall, as may be required by regulations, otherwise—

(i) see that the ventilation stoppings and brattices etc. are constructed as per specifications and are kept extended sufficiently;

(ii) see that measurements of air quantity, temperature and humidity are regularly taken as prescribed and bring up-to-date the entries on the checkboards provided at each air measurement station;

(iii) determine the Ventilation Efficiency Quotient;

(iv) see that mine air samples are properly collected at the appointed time and place, and analysed within four days of taking thereof; and

(v) make observations for inflammable gas;

(g) (i) maintain separate tracing of the ventilation, rescue, stone dusting and the dust sampling plans and bring them up-to-date;

(ii) bring to the notice of the surveyor any changes in the ventilation system or ventilation appliances and shall see that all old markings on the ventilation and rescue plans are corrected and new ventilation circuits are shown forthwith;

(h) regularly check the barometer provided at the mine. Any unusual change in the barometer pressure shall be reported by him to the manager;

(i) take care of the instruments and apparatus used by him or placed under his charge for the discharge of his duties;

(j) be conversant with the wider practical aspects of pit ventilation such as effects or leakage on the distribution of air in ventilation districts, varying rates of emission of methane and possibility of occurrence of gas outbursts, effects of approaching geological disturbances, methane layering and its removal, sealed off areas and effects of drop in barometric pressure etc.

(k) regularly visit returns of working districts and old workings including fire stoppings, if necessary, for symptoms of spontaneous heatings and

fire, report to the manager forthwith any such symptoms observed by him and shall himself take such steps as may be immediately necesary for the safety of the workers;

(l) check the fire fighting measures and take necessary steps by regular rehearsals to ensure that all fire fighting equipments are maintained in working order and the concerned staff are fit and conversant with their duties in the event of a fire in the mine;

(m) (i) take necessary steps for proper cleaning, treatment and suppression of coal dust in the mine and see that the arrangements for wet-cutting at the faces and water spraying at and within 90 metres of the working places are properly installed and function satisfactorily;

(ii) see that the stone dust barriers are correctly sited, properly constructed and maintained in accordance with the statutory requirements or otherwise; and bring the entries on the check boards up to late from time to time;

(iii) see that samples of mine roadway dust and of airborne dust samples (if required by the manager) are regularly taken in the prescribed manner;

(n) collect air samples from sealed off areas, exhaust gases from diesel vehicles and from such other places as may be required by the manager;

(o) see that all records and reports relating to ventilation and coal dust are kept up-to-date and entries are made regularly in the checkboards for ventilation and stone dust barriers:

Provided that nothing contained above shall exempt the manager, assistant manager, surveyor, overman, sirdar or any other competent person concerned, from any corresponding duties and responsibilities prescribed for them in these regulations or any orders made thereunder; and

(p) assist the manager in any matter relating to the ventilation of the mine.

(2) If any duties other than those specified above are assigned to the ventilation officer by the manager, a written notice thereof shall be sent to the Regional Inspector within three days of such assignment.

(3) The Ventilation Officer shall maintain, in a bound paged book, a detailed record of the work performed by him every day."

13. In sub-regulation (2) of regulation 49 of the said regulations, the following proviso shall be added, namely:—

"Provided that where in any mine two or more surveyors are employed, each of the surveyors shall make the entries aforesaid in respect of the workings in his jurisdiction or of the plans and sections in his charge."

14. In clause (b) of sub-regulation (4) of regulation 59 of the said regulations, after the words "manager of every mine shall" the following words shall be inserted, namely:—

"as soon as its workings extend to within 60 metres of the settled boundary with an adjacent mine (or where the boundary is in dispute within 60 metres of the boundary claimed by the owner of the adjacent mine) inform the owner, agent or manager of such mine of the fact of such extension and shall also".

15. In clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 79 of the said regulations, for the opening words, the following words shall be substituted, namely:—

"(b) Except with the permission in writing of the Chief Inspector and subject to such conditions as he may specify therein, the following code of signals shall be used and observed in signalling."

16. In clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 81 of the said regulations,

(i) after the words "before being refitted" the following words shall be inserted, namely:—

"The annealing or other heat treatment shall be done only in a proper furnace where the temperature could be controlled",

(ii) after the existing proviso the following proviso shall be added, namely:—

"Provided further that detaching hooks used in sinking shafts shall be taken apart, cleaned and carefully examined once at least in every week and the shear pin replaced by a new one every time such examination is carried out".

17. After regulation 95 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"95A. *Roads for trucks and dumpers.*—(1) All roads for trucks, dumpers or other mobile machinery shall be maintained in such condition as to be fit for their use.

(2) Except with the express permission of the Chief Inspector in writing and subject to such conditions as he may specify therein no road shall have a gradient steeper than 1 in 14 at any place."

18. After regulation 100 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"100A. *Extraction of coal by method other than the Bord and Pillar system.*—Where in any mine or part thereof it is proposed to extract coal by a system other than the bord and pillar system, the owner, agent or manager shall give notice in writing of the proposed system of working to the Chief Inspector and the Regional Inspector in Form III of the Third Schedule and no such system shall be commenced or carried out except with the permission in writing and in accordance with such conditions as the Chief Inspector may specify by an order in writing."

19. In regulation 118 of the said regulations for sub-regulation (4) the following sub-regulations shall be substituted, namely:—

"(4) Proper provisions shall be made to prevent an outbreak of fire below ground or the spread of fire from any part of the same mine or from any adjoining mine, and adequate steps shall be taken to control or isolate any such fire or heating that may occur.

(5) All unused workings connected to the surface through a walkable entrance which is not permanently closed, shall once at least in every 30 days be inspected by a competent person for signs of illicit distillation of liquor. A report of every such inspection shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose, and shall be signed and dated by the person making the inspection."

20. After regulation 118 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"118.A —*Further precautions against spontaneous heating.*—The following further precautions shall be taken against the danger of spontaneous heating:

(1)(a) The seam or section shall be worked in panels having independent ventilation in such a manner that it is possible to isolate one from another easily if necessary. Where development has already been made without regard to this factor, artificial panels should be created by the construction of stoppings. In determining the size of the panel due consideration shall be given to the desirability of enabling complete extraction of the pillars therein within the incubation period of the coal.

(b) No coal, shale or other carbonaceous material shall be left or stacked belowground. Where removal of fallen coal out of the mine is not practicable, the area shall be effectively sealed off.

(c) Except where otherwise permitted by the Chief Inspector by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, no extraction of pillars in any seam or section shall be commenced until firedams or stoppings have been provided in all entrances to the panel, except that in the fire dams or stoppings built in entranes which are to be kept open for ventilation or haulage suitable doors or openings may be left and bricks and other suitable materials

shall be kept readily available in their vicinity. Shale or other carbonaceous material shall not be used in the construction of fire dams or stoppings:

(d) A panel shall be isolated by adequate stoppings as soon as it has been goaved out.

(2) Sufficient material for dealing with fire shall be kept in readiness at suitable places belowground for transport and use. A sufficient number of persons shall be trained in the use of this material.

(3)(a) In order that spontaneous heating is detected in early stages, the air in the return airway of every depillaring district, and of every goaf which has not been isolated, shall be,

(i) tested for percentage of carbon monoxide once at least in every seven days with an automatic detector of a type approved by the Chief Inspector; and

(ii) completely analysed once at least in every 30 days with a view to determining the ratio CO-formed/02—absorbed.

The result of every such test shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person carrying out the test.

(b) If successive tests show any steady increase in the Co-formed/02—absorbed ratio, suitable measures shall be taken to determine the site of the heating and to deal with it.

(c) Every depillaring district shall be inspected on every idle day, and all unused working which have not been sealed off shall be inspected once at least in every seven days, by a competent person for any fire risks. The isolation stopping built around interests. A report of every such inspection shall be recorded in a bound paged book for the purpose, and shall be signed and dated by the person making the inspection.

(4) Where at any mine or part special conditions exist which make compliance with any of the provisions of this regulation not necessary or reasonably practicable, the Regional Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, grant a relaxation from the provision:

Provided that where the voids formed as a result of extraction are stowed solid with sand or other in-combustible material, the provisions of sub-regulation 1(a), (c) and (d) shall not be applicable unless the Chief Inspector so requires by an order in writing.

(5) If any dispute arises as to the provisions of this regulation, it shall be referred to the Chief Inspector for decision which shall be final."

21. In regulation 123 of the said regulations:

(i) sub-regulation (4) shall be renumbered as clause (a) thereof and after the clause as so renumbered the following clause shall be inserted, namely:—

"(b) In every mine, every working face, and every roadway within 60 metres of the face shall, at suitable intervals during the working hours, be treated with water in such manner as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any supports, is always combined with not less than 30 per cent by weight of water in intimate mixture."

(ii) in sub-regulation (5),

(a) for clauses (a) and (b) the following clauses shall be substituted, namely:—

"(a) In every mine the precautions against dangers of coal dust laid down in clause (b) shall be observed in every part of the mine belowground which is not naturally wet throughout or which is not isolated by explosion proof stoppings:

Provided that the Regional Inspector may by an order in writing exempt any part of the mine from the observance of these precautions if he considers such observance not necessary.

(b) Every part of the mine referred to in clause (a) shall:—

(i) be treated with fine incombustible dust in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and any supports shall always consist of a mixture containing not less than 75 per cent of incombustible matter in case of coal seams containing less than 30 per cent volatile matter (on dry ash free basis) and 85 per cent of incombustible matter in case of coal seams containing more than 30 per cent of such volatile matter; or

(ii) be treated with water in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any supports is always combined with not less than 30 per cent by weight of water in intimate mixture; or

(iii) be treated in such manner as the Regional Inspector may approve by an order in writing."

(b) clause (c) shall be omitted;

(iii) for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

"(6)(a) The incombustible dust used for the purpose of this sub-regulation shall be:—

(i) such that it does not contain more than 5 per cent of free silica;

(ii) of such fineness and character, that it is readily dispersable into the air and that, when used in places which are not directly wetted by water from the strata it does not cake but is dispersed into the air, when blown upon with the mouth or by a suitable appliance; and

(iii) as far as practicable light in colour.

No such incombustible dust shall continue to be used if it is found by tests, which shall be carried out once at least in every three months, not to comply with the foregoing requirements:

Provided that when the supply of incombustible dust used in a mine is not from a regular source, these tests shall be carried out whenever a fresh supply of incombustible dust is received.

(b) Where any place or part of the mine is to be treated with incombustible dust:—

(i) before treating with incombustible dust, all coal dust shall be cleaned, as far as practicable, from the roof, sides, floor, props, cogs, bars, brattice cloth or any other object or place on which coal dust may deposit, and all dust so collected shall be removed to the surface within 24 hours;

(ii) incombustible dust shall be spread on the objects and places aforesaid in adequate quantity and at such intervals as may be necessary to ensure compliance with the provisions of regulation 123(5)(z);

(iii) the cleaning of coal dust and spreading of incombustible dust shall be carried out in the direction of the flow of the air;

(iv) a sufficient supply of incombustible dust shall be readily available at suitable places in the mine, and any deficiency in the supply of dust underground shall immediately be brought to the notice of the manager; and

(v) incombustible dust stacked at different places, and/or kept on pans or in dust barriers in the mine shall be changed whenever it is no longer readily dispersable or whenever it becomes coated with coal dust, such coal dust shall be removed."

22. After regulation 123 of the said regulations, the following regulations shall be inserted, namely:—

"123A. *Execution of measures for dust control.*—(1)(a) There shall be maintained at every mine having working belowground a dust plan on a scale having repre-

sentative factor of not less than 1/2400. The dust plan shall clearly show (by distinctive colours, code letters and/or numbers) the separate areas:—

(i) which are naturally wet;

(ii) which require treatment with water indicating the system of water pipe lines laid down for the purpose; and

(iii) which require treatment with incombustible dust at such intervals of 24 hours, 7 days, 14 days, 30 days or three months or other specified period as the case may be (The intervals aforesaid shall be based on the results of analysis of routine mine must samples collected from the areas concerned).

(b) The areas aforesaid shall be clearly demarcated in the workings below ground by means of suitable notice boards or by other suitable means.

(2) A daily record of the areas cleaned of coal dust and of the areas treated with incombustable dust or with water and the amount of incombustible dust used shall be maintained in a bound paged book kept for the purpose. Every entry in this book shall be signed and dated by the dust incharge, and countersigned by the manager or the ventilation officer.

(3) The dust control measures aforesaid shall be carried out under the supervision of a competent person holding a manager's or overman's certificate or a degree or diploma in mining or mining engineering from a university or institution approved by the Central Government for the purpose of proviso to Regulation 16(1). No duties with respect of sampling of dust under Regulation 123B shall be entrusted to this person who may be designated as the "Dust incrarge", not any other duties shall be entrusted to such person except with the previous permission of the Regional Inspector:

Provided that in the case of a mine having an average monthly output of less than 5000 tonnes, the Dust-in-charge referred to in this regulation can act as the Sampling-in-charge referred to in regulation 123B.

(4) The dust incharge shall also see:—

(a) that every part of the mine which, under these regulations, requires treatment with water, is thoroughly drenched or sprayed with water immediately before firing shots and also at intervals during the working hours so as to strictly comply with the provisions of regulation 123 5(b) (ii);

(b) that every part of the mine which, under these regulations can be treated with incombustible dust, is so treated as to strictly comply with the provisions of regulation 123 (5)(b)(i); and

(c) that the arrangements for treating with water or incombustible dust as aforesaid are maintained in good order,

123B. *Check on measures for dust control.*—(1) For the purpose of ensuring adequate treatment of coal dust as required under regulation 123 systematic samples of mine dust shall be collected, tested and analysed at intervals and in the manner specified in this regulation.

(2)(a) Every return airway as lies within two hundred metres of the last working face and every haulage, tramming or conveyor roadway which is not naturally wet throughout, shall be divided into zones not longer than one hundred and fifty metres each:—

Provided that where in a mine some parts are being treated with water and others with incombustible dust the zones shall be so formed that in each zone only one system of treating coal dust is being followed.

(b) Every one formed as aforesaid shall be divided into three equal sections, each not exceeding 50 metres in length.

(3) (a) Every zone shall be given a distinct number and every section the code letters a b or c in a systematic manner. The zones and sections, with their numbers and code-letters, shall be clearly marked on a plan prepared on a scale having a representative factor of not less than 1/2400 hereinafter called the "sampling plan". The sampling plan shall clearly show the areas of the mine that are naturally wet throughout

(b) Every zone and section shall also be distinctly demarcated in the workings below-ground by means of suitable notice boards or by other suitable means.

(4)(a) Representative samples of dust shall be collected once in every 30 days from every zone, and for this purpose samples may be collected from different sections a b or c in rotation such that, during every such period of 30 days, all samples are collected from the section a or section b or section c.

(b) Representative samples aforesaid shall be collected in a systematic manner irrespective of the clearing and treating operations but shall in no case be collected within 24 hours of cleaning and treating of any zone, section or part thereof.

(c) If the representative sample of mine dust from any particular zone shows that the provisions of regulation 123(5)(b) have not been complied with, immediate steps shall be taken to clean and treat whole of the zone so as to comply with the provisions of regulation 123(5)(b).

(5) In every travelling roadway, and in every airway other than those specified in sub regulation (2) (a) samples shall be taken in such a systematic manner and at such intervals (not exceeding three months) that a proper check is maintained on the efficiency of the treatment thereof in terms of regulation 123(5)(b).

(6)(a) Samples of dust shall be collected from roof, sides, and floor, and shall comprise of dust collected to a depth not exceeding five millimetres on the roof and sides, and to a depth not exceeding 10 millimetres on the floor.

(b) Where a zone is treated with incombustible dust, the samples shall be collected by a method of 'strip', sampling, the strips being as near as possible of equal width of not less than 10 centimetres, and at uniform intervals not exceeding five metres.

(c) Where a zone is treated with water the samples shall be collected by a method of "spot" sampling such that a spot-collection of dust is made for every metre of the length sampled, as nearly as possible at regularly spaced intervals along a zig zag path.

(d) In collecting the samples aforesaid, the strips shall be extended into or spot collections made from any cross-galleries upto the air stoppings, if any.

(e) Each sample shall be well-mixed and then reduced in bulk (by quartering) to a weight of not less than 30 grammes Each sample so reduced shall be packed in a moisture-proof container which shall be suitably labelled or marked.

(7) The sampling operations aforesaid shall be carried out under the supervision of a competent person hoding a manager's or overman's certificate or degree or diploma in mining or mining engineering from a university or institution approved for the purpose of regulation 16. He shall be designated as the "Sampling incharg" and shall be different from dust Incharge appointed under regulation 123A. No other duties shall be entrusted to this person except with the previous permission of the Regional Inspector.

(8) Within seven days of taking of each sample, it shall be sent for analysis and the result of such analysis, immediately on its receipt, shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose. Every entry in the book aforesaid shall be signed and dated by the sampling incharge and be countersigned and dated by the manager.

Explanation: A place in a mine is considered "Naturally wet throughout" if it is moist enough to keep the coal dust present, at any time, on the roof, sides and floor and other objects at that place so that it is always combined with not less than 30 per cent by weight of Water in intimate mixure."

23. In regulation 126 of the said regulations:—

(i) in sub-regulation (1) the existing entry shall be numbered as clause (a) thereof and for the last sentence in the clause so numbered, the following sentence shall be substituted, namely:—

"Whether such protection is adequate or not can be determined by the Chief Inspector whose decision shall be final."

(ii) after clause (a), the following clause shall be inserted, namely:—

"(b) Except with the permission of the Chief Inspector in writing and subject to such conditions as he may specify therein and subject to the provisions of clause (a), every entrance into a mine shall be so designed, constructed and maintained that its lowest point (which means the point at which a body of rising water on surface can enter the mine) shall be not less than 1.5 metres above the highest flood level at that point."

(iii) after sub-regulation (3), the following sub-regulations shall be inserted, namely:—

"(4) All workings made under sub-regulation (2) shall be clearly demarcated below-ground.

(5) (a) A competent person shall, once at least in every 14 days during the rainy season and once at least in every 30 days during other periods of the year, examine every protective measure provided under sub-regulation (1), whether in use or not, for their stability. A report of every such examination shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose, and shall be signed and dated by the person making the examination and countersigned by the manager.

(b) The protective measure and workings aforesaid shall also be inspected, once at least in every quarter by the manager personally."

24. For sub-regulations (2) and (3) of regulation 130 of the said regulations, the following sub-regulations shall be substituted, namely:—

"(2) For the purpose of securing adequate ventilation as aforesaid, the owner, agent and manager shall ensure that:—

(i) in every ventilating district, not less than six cubic meteres per minute of air per person employed in the district on the largest shift or not than 2.5 cubic metres per minute of air per daily tonne output, whichever is larger, passes along the last ventilation connection in the district which means the in bye-most gallery in the district along which the air passes;

(ii) at every place in the mine where persons are required to work or pass, the air does not contain less than 19 per cent of oxygen or more than 0.5 per cent of carbon dioxide or any noxious gas in quantity likely to affect the health of any person;

(iii) the percentage of inflammable gas does not exceed 0.75 in the general body of the return air of any ventilating district and 1.25 in any place in the mine,

(iv) the wet bulb temperature in any working place does not exceed 33.5 degrees centigrade; and where the wet bulb temperature exceeds 30 5 degrees centigrade arrangements are made to ventilate the same with a current of air movng at a speed of not less than one metre per second; and

(v) for ensuring compliance with the provisions of clauses (ii), (iii) and (iv) of this sub-regulation, air samples and temperature readings shall be taken at least once in 30 days and the results shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose:

Provided that where at any mine or part, special conditions exist which make compliance with any of the above provisions not necessary or reasonably not practicable the Chief Inspector, may by an order in writing and subject to such conddditions as he may specify therein, grant a relaxation from the provisions.

(3) In every mine, ventilation as specified in sub-regulation (2) shall be produced by a suitable mechanical ventilator:

Provided that if in respect of any mine a suitable mechanical ventilator is not immediately available the Chief Inspector may by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein grant a temporary exemption from the operation of this sub-regulation until such time as a suitable mechanical ventilator can be obtained."

25. The existing regulation 138 of the said regulations shall be renumbered as sub-regulation (3) thereof and before the sub-regulation as so renumbered, the following sub-regulations shall be inserted, namely:—

"(1) Every mechanical ventilator on the surface shall be installed in a suitable fire-proof housing.

(2) In the case of every fan (other than an auxiliary fan) installed below-ground the coal or other carbonaceous material exposed in the sides, roof and floor shall be covered with masonry or other adequate protection against fire, for a distance of not less than 5 metres in every direction from the fan."

26. For regulation 139 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

"139. *Ventilation plans to be brought up-to-date*:—The manager shall ensure that, as soon as any alteration is made in the ventilation of a mine involving the erection or removal of an air-crossing or stopping or the alteration in the position of or installation of a ventilator or fan (other than an auxiliary fan) below-ground, the erection, removal, alteration or installation, as the case may be, is notified to the surveyor who shall forthwith make necessary alterations on the ventilation plan maintained under regulation 59."

27. In sub-regulation (5) of regulation 155 of the said regulation, after the words "Overman's or Gas-testing" the words "or Lamp-checker's" shall be inserted.

28. In sub-regulation (4) of regulation 163 of the said regulations, for the words "No case or container" the words figures and letter "Except as otherwise provided for in regulation 164A, no case or container" shall be substituted.

29. After regulation 164 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"164A.—*Transport of explosives in bulk*:—Where explosives are transported in bulk for deep-hole blasting the provisions of this regulation shall apply.

(1) Transport of explosives from the magazine to the priming station or the site of blasting shall not be done except in day light and in the original wooden or card board packing cases. The quantity of explosive transported at one time to the site of blasting shall not exceed the actual quantity required for use in one round of shots. The explosives shall be transported to the site of blasting not more than 30 minutes before the commencement of charging of the holes.

(2) (a) No mechanically propelled vehicle shall be used for the transport of explosives unless it is of a type approved in writing by the Chief Inspector, provided that a Jeep or Land Rover may be used for the transport of detonators from magazines to 'priming stations' subject to all the following conditions:—

(i) not more than 200 detonators are transported in a vehicle at a time;

(ii) the detonators are packed suitably in a wooden box;

(iii) the wooden box containing detonators is placed inside an outer metal case of a construction approved by the Chief Inspector;

(iv) the outer metal case shall be suitably bolted to the floor of the vehicle or otherwise fixed in a wooden frame so that the container is not displaced while the vehicle is in motion; and

(v) no person shall ride on the rear portion of the vehicle.

(b) Every vehicle used for the transport of explosives shall be marked or placarded, on both sides and ends, with the word 'EXPLOSIVES' in red letters not less than 15 centimetres high on a white background.

(c) Every mechanically propelled vehicle transporting explosives shall be provided with not less less than two fire extinguishers (one of Carbon Tetra Chloride type for petroleum fire and the other of Carbon Dioxide under pressure type for electrical fire) suitably placed for immediate use.

(3) (a) The vehicle used for the transport of explosives shall not be overloaded, and in no case shall the explosive cases be piled higher than the sides of its body.

(b) Explosives and detonators shall not be transported in the same vehicle.

(4) (a) No person other than the driver and his helper (not below 18 years of age) shall ride on a mechanically propelled vehicle used for the transport of explosives.

(b) A vehicle loaded with explosives shall not be left unattended.

(c) The engine of a vehicle transporting explosives shall be stopped and the brakes set securely before it is loaded/or unloaded or left standing.

(d) A vehicle transporting explosives shall not be driven at a speed exceeding 25 Kilometres per hour.

(e) A vehicle loaded with explosives shall not be taken into garage or repair shop and shall not be parked in a congested place.

(f) A vehicle transporting explosives shall not be refuelled except in emergencies even when its engine shall be stopped and other precautions taken to prevent accidents.

(g) No trailer shall be attached to a vehicle transporting explosives.

(5) (a) Every vehicle used for the transport of explosives shall be carefully inspected once in every 24 hours by a competent person, to ensure that:—

(i) fire extinguishers are filled and in place;

(ii) the electric wiring as well insulated and firmly secured;

(iii) the chasis, engine and body are clean and free from surplus oil and grease;

(iv) the fuel tank and feed lines are not leaking; and

(v) lights, brakes and steering mechanism are in good working order.

(b) A report of every inspection made under sub-clause (a) shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose, and shall be signed and dated by the competent person making the inspection.

(6) All operations connected with the transport of explosives shall be conducted under the personal supervision of an overman solely placed in charge of blasting operations at the mine.

(7) The shotfirer shall personally seach every person engaged in the transport and use of explosives and shall satisfy himself that no person so engaged has in his possession any cigar, cigarette, 'biri' or other smoking material or any match or any other apparatus of any kind capable of producing a light, flame or spark."

30. To sub-regulation (15) of regulation 168 of the said regulations, the following proviso shall be added, namely:—

"Provided that in the case of opencast working any number of shots can be fired in one round if they are fired electrically by an exploder of adequate capacity."

31. In clause (5) of regulation 169 of the said regulations,

(i) in sub-clause (c), the word "and" at the end shall be omitted;

(ii) in sub-clause (d), the "full-stop" shall be substituted by a "semi-colon" and word "and" shall be added at the end;

(iii) after sub-caluse (d) the following sub-clause shall be inserted, namely:—

"(e) detonators of the same electrical resistance shall only be used."

32. In regulation 173 of the said regulations,

(i) the words and figures "under regulation 172" shall be omitted;

(ii) in clause (d), for the words "any number of shots fired simultaneously" the words "any shot to be fired" shall be substituted.

33. For sub-regulation (3) of regulation 180 of the said regulations, the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

"(3) (a) The owner, agent, or manager shall take adequate steps to prevent pilferage of explosives during its storage, transport and use in the mine.

(b) No person shall have explosives in his possession except as provided for in these regulations, or secrete or keep explosives in a dwelling house."

34. In regulation 202 of the said regulations, after the words "Chief Inspector" the words "or an Additional Chief Inspector" shall be inserted.

35. In the First Schedule to the said regulations, in Form I, in item 4(a), after the words and stroke "Assistant Managers/" the words and strokes "Safety Officer/Ventilation Officer/" shall be inserted.

36. In the Third Schedule to the said regulations, after Form II, the following Form shall be inserted, namely:—

FORM III

Extraction of coal by a system other than the Bond and Pillar system

[*See* Regulation 100A]

1. *General*
   - (i) Name of Mine
   - (ii) Owner
   - (iii) District
   - (iv) State

2. *Particulars of Seam to be worked*
   - (i) Name/Number
   - (ii) Total thickness
   - (iii) Working thickness (Give section)
   - (iv) Nature of roof upto a thickness of atleast 1 metre.
   - (v) Nature of floor upto a thickness of atleast 1 metre.
   - (vi) Maximum and minimum depth from the Mine Surface.
   - (vii) State:
     - (a) the rate of emission of inflammable gas per tonne of coal raised.
     - (b) the percentage of inflammable gas in the general body of air.
   - (viii) Is there any history of fire in the seam (a) in the same mine; or (b) in the adjoining mines? Give details.
   - (ix) What is the known or expected incubation period of the seam?

3. *Condition of overlying and underlying seam*
   - (i) Give section of the Strata Separately.
   - (ii) Are the seams free from water? If not, give details regarding position of water level.
   - (iii) Are the seams extracted/split/standing on pillars virgin?
   - (iv) If the Seams have been extracted/split; State if by caving method or by hydraulic stowing or dry stowing.
   - (v) Is there any fire in any overlying or underlying seams/sections or at the surface? If so, give detailed history about the same, and the present condition of the fire.
   - (vi) State:
     - (a) the rate of emission inflammable gas per tonne of coal raised.
     - (b) the percentage of inflammable gas in the general body of air.

4. *Proposed method of Development.*
   - (a) Explain in detail the proposed layout of workings.

     A layout plan also should be submitted in duplicate showing the area proposed to be worked, and all other features (including surface features) required to be shown on an underground plan maintained under regulation 59.

   - (b) Type of machinery to be used for coal-cutting/coal getting and for the transport of coal from the face to the surface.

5. *Proposed method of extraction.*
   - (a) By hydraulic stowing of sand/crushed material, pneumatic showing of by caving method, and/or
   - (b) By longwall retreating or longwall advancing method, or
   - (c) By any other special method, like working by inclined slices, horizontal slices and sub-level caving etc.

   NOTE:—In each case, illustrate the manner of extraction in detail and with suitable sketches.

   (d) Type of machinery to be used for coal cutting/coal getting and for the transport of coal from the face to the surface.

6. *Support*

(a) Proposed method of support during
(i) development
(ii) depillaring/final extraction

NOTE:—In each case, illustrate with sketches.

(b) Material to be used for support, whether timber or steel. If steel supports are to be used, state the type whether rigid, friction or hydraulic type, giving the trade, name, if any, of the type of supports.

7. *Precautions against Coal Dust*

(a) Within 60 metres of working faces.
(b) In the haulage roads and airways.
(c) In other parts of workings.
(d) Whether stone dust barriers would be provided? If not, give reasons.
(e) Type of stone dust to be used.

8. *Precautions against danger from water*

(1) If provisions of regulation 126 are applicable, state precautions that are proposed to be taken against danger from surface water.

(2) If provisions of regulation 127 are applicable, state precautions that are proposed to be taken against danger from underground water.

9. *Ventiation*

(1) *Surface fan*

(a) (i) Type
(ii) Capacity (state the range) Min. Max.
(iii) Water-guage.

(b) Whether the same fan will meet the ventilation requirements of the mine during its different stages of development and depillaring or any other fan(s) will be installed. In the latter case give details stating the equivalent orifice of the mine at the different stages of its life.

(2) Underground fans, if any Type Capacity Auxiliary or Booster.
(i)
(ii)

(3) Explain the proposed system of ventilation and also indicate on the layout plan.

Ventilating District	Quantity of air in metres/cubic feet.

(4) Minimum quantity of air available per person employed in the largest shift or per daily tones output, *whichever* is *greater* passing along the last ventilating connection for *each* ventilating district. (1) (2)

(5) (i) What is the anticipated rate of emission of gas per tonne of coal.
(ii) Maximum percentage (actual or planned) of gas in the return of any ventilating district.

10. *Any other relevant details*

Certified that the information given above is correct to the best of my knowledge or belief.

Signaure:

Designation: Owner/Agent/Manager

Date:

Instructions

1. Separate sheets may be used in case the space against any of the columns is insufficient for the information required.

2. This form should be submitted in duplicate accompanied by a layout plan showing the area proposed to be worked and all other features (including the surface features) required to be shown on an underground plan maintained under Regulation 59.

3. Equivalent Orifice should be calculated in square metres.

[1/50/63-MI—Amendment No. XVII]

J. D. TEWARI, Under Secy.

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 568.— खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार कोयला खान विनियम, 1957 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम, पूर्व प्रकाशन के पश्चात् और उनका प्रारूप उक्त अधिनियम के अधीन गठित बोर्डों को निदेशित करने के पश्चात् और ऐसे बोर्डों को प्रस्थापित संशोधन करने की समीचीनता के बारे में और उसकी उपयुक्तता के बारे में रिपोर्ट देने का युक्तिमुक्त अवसर देने के पश्चात्, एतद्द्वारा बनाती है, अर्थात :—

1. ये विनियम कोयला खान (संशोधन) विनियम, 1971 कहे जा सकेंग ।

2. कोयला खान विनिमय, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) के विनियम 2 में—

(i) खण्ड (3) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(3) "सहायक पंखा" से वाव देने वाला या हवा बाहर फेंकने वाला एसा पंखा अभिप्रेत है जो एक मुख या अधिक मुखों, जो किसी संवातन डिस्ट्रिक्ट का भाग हो, के पूर्णतः या मुख्यतः संवातन के लिए भूमि के नीचे प्रयक्त होता है ।"

(ii) खण्ड (4) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात :—

"(4क)"अस्तुर पंखा" से किसी खान या संवातन डिस्ट्रिक्ट के वायुगवाक्ष मार्ग या वापसी वायुगवाक्ष मार्ग बहिर्गमन के साथ-साथ चलने वाले सम्पूर्ण वायु-प्रवाह में अभिवृद्धि करने के लिए भूमि के नीचे प्रयुक्त किया जाने वाला यांत्रिक संवातन अभिप्रेत है ।"

(iii) खण्ड (20) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(20) "पदधारी" से किसी खान या उसके भाग में पर्यवेक्षण के कर्तव्यों का पालन करने के लिए स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक द्वारा लिखित रूप में नियुक्त अभिप्रेत है और अवर प्रबन्धक या सहायक प्रबन्धक, संवातन अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी, नमूना भारसाधक, धल भार साधक, ओवरमैन, सरदार, इंजीनियर तथा सर्वेक्षक इसमें सम्मिलित हैं ।

3. विनियम 8 के उपविनिमय (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(2) जब किसी अभिकर्ता, प्रबन्धक, इंजीनियर, सर्वेक्षक, संवातन अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी, अवर प्रबन्धक या सहायक प्रबन्धक की नियुक्ति की जाए या जब किसी ऐसे व्यक्ति के नियोजन को समाप्त किया जाए या कोई ऐसा व्यक्ति उक्त नियोजन छोड़े या जब किसी अभिकर्ता या प्रबन्धक के पते में परिवर्तन हो तो स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक ऐसी नियुक्ति, समाप्ति या परिवर्तन की तारीख से सात दिन के भीतर मुख्य खान निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को प्ररूप 1 में सूचना देगा।"

4. उक्त विनियमों के विनियम 12 के उपविनियम (2) में, खण्ड (झ) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ञ) निरापद लैम्प की जांच की सक्षमता का प्रमाणपत्र (जिसे इन विनियमों में लैम्प-जांचक प्रमाणपत्र कहा गया है)"।

5. उक्त विनियमों के विनियम 20 में,

(i) उपविनियम (1) में, खण्ड (झ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ञ) लैम्प-जांचक का प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा की दशा में .....2"।

(ii) उपविनियम (2) के खण्ड (क) में, शॉट फायर करने वाले या गैस-परीक्षण का प्रमाणपत्र" शब्दों के स्थान पर "शॉट फायर करने वाले का, गैस-परीक्षण का या लैम्प-जांचक का प्रमाणपत्र" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

6. उक्त विनियमों के विनियम 24 में "शॉट फायर करने वाले का या गैस-परीक्षण का प्रमाणपत्र" शब्दों के स्थान पर "शॉट फायर करने वाले का, गैस-परीक्षण का या लैम्प-जांचक का प्रमाणपत्र" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

7. उक्त विनियमों के विनियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"26 अवरमैन के सरदार के इंजिन चालक के, शॉट फायर करने वाले के या गैस-परीक्षण के या लैम्प जांचक के प्रमाणपत्र के निलम्बन—

(1) यदि प्रादेशिक निरीक्षक की राय है कि ओवरमैन के, सरदार के, इंजन-चालक के, शॉट फायर करने वाले के, गैस-परीक्षण के या लैम्प-जांचक के प्रमाणपत्र का कोई धारक अपने कर्तव्यों के पालन मे अक्षम है या अपेक्षा या अवचार का दोषी है तो वह यह अवधारित करने के लिए जांच कर सकेगा कि ऐसा व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् अपचारी कहा गया है) ऐसा प्रमाणपत्र धारण करते रहने के योग्य है या नहीं। ऐसी जांच के दौरान वह —

(क) किसी ऐसे साक्ष्य को जो अपचारी देना चाहे;

(ख) किसी साक्षी के साक्ष्य को जिसे अपचारी पेश करना चाहे;

(ग) खान के प्रबन्धक के साक्ष्य को; और

(घ) किसी अन्य साक्ष्य को जिसे प्रादेशिक निरीक्षक आवश्यक या सुसंगत समझे, अभिलिखित करेगा ।

जब तक कि अपचारी पर्याप्त सूचना दिए जाने पर भी, हाजिर होने में असफल न हो, उपर्युक्त साक्ष्य अपचारी की उपस्थिति में अभिलिखित किया जाएगा और उसे साक्षियों (उनसे भिन्न जो उस के द्वारा पेश किए गए हों) की प्रतिपरीक्षा करने का युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा । प्रादेशिक निरीक्षक भी अपचारी की और उसके द्वारा पेश किए गए साक्षियों की प्रतिपरीक्षा कर सकेगा ।

(2) यदि जांच के परिणामस्वरूप प्रादेशिक निरीक्षक की राय हो कि अपचारी प्रमाणपत्र धारण करने योग्य नही है तो वह अपने निष्कर्षों, जांच के दौरान अभिलिखित साक्ष्य के टिप्पणों और अन्य सुसंगत अभिलेखों के साथ एक रिपोर्ट अपनी जांच की समाप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर बोर्ड के अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा । ऐसी रिपोर्ट साक्ष्य और अभिलेखों पर विचार करने के पश्चात् अध्यक्ष, बोर्ड को और आगे कोई निदेश किए बिना, अपचारी के प्रमाणपत्र की तीन मास से अनधिक की कालावधि के लिए निलम्बित कर सकेगा और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

(3) जहां अध्यक्ष की राय है कि प्रमाणपत्र को तीन मास से अधिक की कालावधि के लिए निलम्बित करना या उसे रद्द करना अपेक्षित है, वहां वह प्रादेशिक निरीक्षक के निष्कर्षों, साक्ष्य के टिप्पणों और अन्य सुसंगत अभिलेखों के साथ तदनुसार बोर्ड को सिफारिश करेगा । बोर्ड को भेजी गई ऐसी संसूचना की एक प्रति साक्ष्य के टिप्पणों की प्रतियों और प्रादेशिक निरीक्षक के निष्कर्षों के साथ अपचारी को भी भेजी जाएगी जो ऐसी प्रतियों की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर अपना लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकेगा ।

(4) बोर्ड, साक्ष्य और अन्य अभिलेख और लिखित प्रतिवेदन, यदि कोई अपचारी द्वारा प्रस्तुत किया गया हो, निलम्बन की कालावधि में वृद्धि कर सकेगा या प्रमाणपत्र को रद्द कर सकेगा, जैसा वह उचित समझे और उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

(5) जहां किसी प्रमाणपत्र को इस विनियम के अधीन निलम्बित या रद्द कर दिया गया हो, बोर्ड का अध्यक्ष ऐसे प्रमाणपत्र को मंगा सकेगा और उस पर उपयुक्त पृष्ठांकन कर सकेगा ।"

8. उक्त विनियमों के विनियम 27 में,

(i) उपविनियम (1) में "शॉट फायर करने वाला का" शब्दों के पश्चात, "लैम्प-जांचक का" शब्द अन्तःस्थापित किया जाएगा ।

(ii) उपविनियम (2) का लोप कर दिया जाएगा ।

9. उक्त विनियमों के विनियम 35 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"35 **प्रयोजकों की नियुक्ति**—(1) प्रत्येक खान में एक या अधिक ऐसे व्यक्तियों को, जिनकी आयु 23 वर्ष से कम न हो और जिनके पास सर्वेक्षक का प्रमाणपत्र हो, सर्वेक्षण और तलमापन करने के लिए तथा अधिनियम या विनियमों या तद्धीन

बनाए गए आदेशों के अधीन अपेक्षित रेखांक और खण्डचित्र तैयार करने के लिए सर्वेक्षक नियुक्त किया जाएगा ।

(2) किसी भी व्यक्ति को एक से अधिक खानों का सर्वेक्षक या उसी खान में किसी अन्य हैसियत से, प्रादेशिक निरीक्षक की लिखित पूर्व-अनुज्ञा के बिना और ऐसी शर्तों के अध्यधीन जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, नियुक्त नहीं किया जाएगा । प्रादेशिक निरीक्षक ऐसी अनुज्ञा को, किसी भी समय, लिखित आदेश द्वारा प्रतिसंहृत कर सकेगा ।

परन्तु ऐसी अनुज्ञा केवल तभी दी जा सकेगी जब कि खान का औसत मासिक उत्पाद 2500 टन से अनधिक हो ।

(3) (क) नियुक्त किए जाने के लिए अपेक्षित सर्वेक्षकों की संख्या निम्नलिखित मापक्रम से होगी .

टनों में मासिक उत्पाद	सर्वेक्षकों की सं०
7,000 टन से कम	एक
7,000 टन से अधिक	दो
किन्तु 15,000 टन से कम	
15,000 टन से अधिक	प्रति अतिरिक्त 10,000 टन या उसके किसी भाग के लिए एक ।

परन्तु खान के उत्पाद की संगणना करने के लिए खनित संक्रिया या विकृत खनन से अभिप्राप्त केवल आधे उत्पाद को ध्यान में रखा जाएगा ।

(ख) विनियम में किसी बात के होते हुए भी प्रादेशिक निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा और उन शर्तों के अध्यधीन जिन्हें उसमें विनिर्दिष्ट करें, इन उपबन्धों से भिन्न रूप में सर्वेक्षकों की नियुक्ति को अनुज्ञात या अपेक्षित कर सकेगा ।

(4) यदि किसी खान में एक से अधिक सर्वेक्षक हों तो प्रत्येक सर्वेक्षक खान के उस भाग या खंड के लिए सर्वेक्षक के कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों का निर्विहन करेगा जो स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक द्वारा लिखित रूप में समनुदेशित किया जाये :

परन्तु स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक सर्वेक्षक में से एक को इन विनियमों के अधीन निर्मित किया जाने या बनाए रखने के लिए अपेक्षित रेखांकों के निर्माण और बनाए रखने के लिए उत्तरदायी नियुक्त करेगा ।

10. उक्त विनियमों के विनियम 38 के उपविनियम (7) के खंड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ख) कोई भी व्यक्ति जब तक वह इस प्रयोजन के लिए अर्हित न हो तब तक ज्वलनशील गैस की उपस्थिति का परीक्षण करने का प्रयास या परीक्षण नहीं करेगा और ऐसे प्रत्येक परीक्षण के दौरान छत के समीप परत में ज्वलनशील गैस की उपस्थिति को रोकने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा ।"

11. उक्त विनियमों के विनियम 41 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"41क.—सुरक्षा अधिकारियों के कर्तव्य :—

(क) (i) खान की सतह और उसके भीतरी भागों में इस दृष्टि से दौरा करना कि घटनास्थल पर कर्मकारों से मिला जा सके तथा सुरक्षा सम्बन्धी मामलों पर उन से बातें की जा सकें और उनके सुझाव आमंत्रित किए जा सकें ।

(ii) नए भर्ती किए गए कर्मचारीवृन्द को भारसाधन में लेना और उन्हें खान में उनके कार्य के दौरान सुरक्षित और असुरक्षित कार्य बताते हुए खान को चारों ओर से दिखाना ;

(ख) (i) छोटी दुर्घटनाओं सहित खान में सभी प्रकार की दुर्घटनाओं और घटनाओं का अन्वेषण करना ; खान में दुर्घटनाओं के स्वरूप और उनके सामान्य कारण को बताने की दृष्टि से उनका विश्लेषण करना ;

(ii) खान दुर्घटनाओं के बारे में विस्तृत आंकड़े रखना और खान में दुर्घटनाओं के स्वरूप और उनके सामान्य कारण को बताने की दृष्टि से उनका विश्लेषण करना;

(iii) खतरे के सभी संभव स्रोतों जैसे जल प्लावन, अग्नि, कोयला-धूल और अन्य बातों का अध्ययन करना तथा प्रबन्धक को इनसे अवगत कराना ;

(ग) (i) सुरक्षा कक्षाएं लगाना और पर्यवेक्षीय कर्मचारिवृन्द के सदस्यों को सुरक्षा-वार्ता तथा व्याख्यान देना ;

(ii) खान में सुरक्षा सप्ताह और अन्य सुरक्षा शिक्षा और प्रचार का आयोजन करना;

(घ) यह देखना कि सभी सम्बद्ध खान कर्मचारी विभिन्न स्थायी आदेशों (जैसे खान में खान यांत्रिक संवातक और अग्नि या अन्य आपात के रोकने से सम्बन्धित) और नियमित काष्ठ सम्बन्धी नियमों से पूर्णतया परिचित हैं ।

(ङ) व्यावसायिक प्ररीक्षण, गैस-परीक्षण में प्रशिक्षण और प्राथमिक उपचार में प्रशिक्षण सहित खान के तल पर प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम के बनाने में सहायता प्रदान करना;

(च) खान के विभिन्न भागों में अपने दौरे के परिणामस्वरूप प्रबन्धक को इसके बारे में रिपोर्ट देना कि क्या खान अधिनियम, विनियमों और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों का खान में अनुपालन किया जा रहा है ;,

(छ) सुरक्षा अभ्यासों को साधारणतः बढ़ावा देना और खान में सुरक्षा के लक्ष्य को अग्रसर करने के लिये आशयित सभी उपायों को सक्रिय समर्थन देना ; और

(ज) खान में सुरक्षा से सम्बन्धित किसी अन्य मामले में प्रबन्धक की सहायता करना ;

सुरक्षा अधिकारियों के कर्तव्य होंगे ।

(2) यदि ऊपर विनिर्दिष्ट से भिन्न कोई कर्तव्य प्रबन्धक द्वारा सुरक्षा अधिकारी को समनुदेशित किए जाएं तो उसकी एक लिखित सूचना ऐसे समनुदेशन के तीन दिन के भीतर प्रादेशिक निरीक्षक को भेजी जाएगी ।

(3) सुरक्षा अधिकारी अपने द्वारा किए गए कार्य का विस्तृत अभिलेख एक जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में रखेगा ।"

12. उक्त विनियमों के विनियम 42 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"42क.—**संवातन अधिकारी के कर्तव्य** :—संवातन अधिकारी—

क (i) धूल रोकने सहित संवातन, गस और कोयला धूल से सम्पृक्त सभी विनियमों और आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और प्रबन्धक को सलाह देगा कि क्या विनियमों और आदेशों के अनुपालन में संवातन की पर्याप्तता सुनिश्चित करने के लिए संवातन पद्धति में कोई परिवर्तन अपेक्षित है ;

(ii) संवातन, गस और कोयला—धूल की दिन-प्रतिदिन की समस्याओं पर प्रबन्धक को सलाह देगा;

(iii) अवर प्रबन्धकों तथा अन्य पर्यवेक्षीय कर्मचारिवृन्द से निकट सम्पर्क बनाए रखेगा और उनकी दिन-प्रतिदिन की संवातन समस्याओं में उनकी सहायता करेगा;

(ख) (i) खान के संवातन सर्वेक्षण कार्यान्वित करेगा और तत्सम्बन्धी किसी अन्य विशेष कार्य को, जिस के लिए प्रबन्धक द्वारा निदेश दिया जाए, करेगा ।

(ii) ऐसी कार्यवाहियां करेगा जैसी इन विनियमों के अनुसार या अन्यथा अपेक्षित संवातन स्तर का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों;

(ग) (i) कम से कम दिन में एक बार मुख्य यांत्रिक संवातक, उसकी विद्युत मोटर द्वारा संचालित ऐग्जियरेज और पंखा ड्रिफ्ट जलगेज की गति का निरीक्षण करेगा। जलगेज में किसी परिवर्तन का उसके द्वारा अन्वेषण किया जाएगा और प्रबन्धक को उसकी रिपोर्ट की जाएगी;

(ii) प्रति तीन मास में कम से कम एक बार मुख्य यांत्रिक संवातक की क्षमता अवधारित करेगा और जब आवश्यक हो पंखे की पंखुड़ियों और पंखे की ड्रिफ्ट को साफ कराएगा ;

(iii) यह सुनिश्चित करेगा कि मुख्य यांत्रिक संवातक के रुकने पर स्थायी आदेशों की प्रतियां खान में सहजदृश्य स्थानों पर लगाई जाती हैं और यह देखेगा कि सम्पृक्त व्यक्ति उसमें अन्तर्विष्ट अनुदेशों को समझते हैं ;

(घ) भूमि के नीचे सहायक और बूस्टर पंखों को सही बैठाना और उनका संस्थापित करना सुनिश्चित करेगा ;

(ङ) बार बार अन्तरालों पर खान में द्वार, लकड़ी की ओट, वायु पारपथ, नियंत्रक, रोक-स्थल, बूस्टर और सहायक पंखों, संवातन डकिटंग और संवातन नियंत्रण की अन्य युक्तियों का परीक्षण करेगा और उनकी त्रुटि की रिपोर्ट प्रबन्धक को देगा। वह ऐसी युक्तियों से किसी रिसन को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा और यह देखेगा कि संवातन साधित्र अच्छी हालत में रखे जाते हैं ;

(च) यह देखेगा कि पर्याप्त मात्रा में अच्छी वायु सभी कार्यकरण के स्थानों में संचालित होती है और भूमि के नीचे सभी कार्यकरणों में पहुंचती है। इस प्रयोजन के लिए जैसा विनियम द्वारा अपेक्षित हो, अन्यथा—

(i) यह देखेगा कि संवातन रोक-स्थल और लकड़ी की रोक आदि का विनिर्देश के अनुसार सन्निर्माण किया जाता है और उन्हें पर्याप्त रूप से बढ़ाया हुआ रखा जाता है;

(ii) यह देखेगा कि वायु परिमाण, तापमान और नमी का मापमान नियमित रूप से विहित रूप में लिए जाते हैं और प्रत्येक वायु मापमान स्टेशन पर दिए गए जांच-बोर्डों पर प्रविष्टियों को अद्यतन करेगा;

(iii) संवातन क्षमता भागफल अवधारित करेगा;

(iv) यह देखेगा कि खान वायु नमूने नियत समय और स्थान पर उचित रूप से संकलित किए जाते हैं और उनके लेने की तारीख से चार दिन के अन्दर उन का विश्लेषण किया जाता है; और

(v) ज्वलनशील गैस के लिए सम्प्रेक्षण करेगा।

(छ) (i) संवातन बचाव, पत्थर-धूल और धूल नमूना रेखांक के पृथक ट्रेसिंग रखेगा और उनको अद्यतन करेगा ;

(ii) संवातन पद्धति या संवातन साधित्रों में किसी परिवर्तन की सर्वेक्षक को सूचना देगा और यह देखेगा कि संवातन और बचाव रेखांकों पर पुराने चिन्ह सही किए जाते हैं और नए सर्किट तत्क्षण प्रदर्शित किए जाते हैं ;

(ज) नियमित रूप से उस बैरोमीटर की जांच करेगा जिसकी खान में व्यवस्था की गई है। बैरोमीटर प्रेशर में किसी अप्रयिक परिवर्तन की रिपोर्ट उसके द्वारा प्रबन्धक को दी जाएगी ;

(झ) अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अपने द्वारा प्रयुक्त या अपने भारसाधन में रखे गए यंत्रों और उपकरणों की देख भाल रखेगा।

(ञ) संवातन गर्त के विस्तृत व्यवहारिक पहलुओं जैसे संवातन डिस्ट्रिक्टों में वायु के वितरण पर प्रभाव या रिसन उत्सर्जन की विभिन्न दरों और गैस-स्फोट के घटित होने की संभावना आने वाले भौतिक विक्षोभों के प्रभाव, मिथेन तल और उसको हटाये जाने, बन्द किए गए क्षेत्रों और बैरोमीटर के दबाव आदि में कमी के प्रभाव से सुपरिचित होगा ;

(ट) स्वत: गर्मी और अग्नि के लक्षणों के लिए खनन डिस्ट्रिक्टों और पुराने खनन की, यदि आवश्यक हो तो फायर रोक सहित विवरणियों को नियमित रूप से देखेगा और अपने द्वारा सम्प्रेक्षित ऐसे किसी लक्षण की प्रबन्धक को तुरन्त रिपोर्ट देगा और और स्वयं ऐसे कदम उठायेगा जो कर्मकारों की सुरक्षा के लिए तुरन्त आवश्यक हों ।

(ठ) अग्नि शमन उपायों की जांच करेगा और नियमित पूर्वाभ्यास द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठायेगा कि सभी अग्नि शमन उपस्कर चालू हालत में रखे जाते हैं और सम्पृक्त कर्मचारीवृन्द खान में आग लग जाने की अवस्था में अपने कर्तव्यों के योग्य हैं और उनसे सुपरिचित हैं ।

(ड) (i) खान में समुचित स्वच्छता कोयला-धूल के उपचार और निवारण के लिए आवश्यक कदम उठाएगा और यह देखेगा कि मुखों पर वैट-कटिंग के और कार्यकरण स्थानों पर और उनके 90 मीटर के भीतर जल छिड़कने के साधन समुचित रूप से संस्थापित किए गए हैं और सन्तोषप्रद रूप में कार्य कर रहें हैं ;

(ii) यह देखेगा कि कानूनी अपेक्षाओं के अनुसार या अन्यथा पत्थर-धूल अवरोधक सही स्थान पर लगाये जाते हैं, समुचित रूप से सन्निमित किए जाते हैं और बनाए जाते हैं ; और समय समय पर जांच बोर्डों की प्रविष्टियों को अद्यतन करेगा ;

(3) यह देखेगा कि खान के सड़क मार्ग की धूल के नमूने और वायु में की धूल के नमूने (यदि प्रबन्धक द्वारा अपेक्षा की जाए) नियमित रूप में विहित रीति से लिए जाते हैं ।

(ढ) बन्द किए गए क्षेत्रों से, डीजल गाड़ियों से निकली गैसों से और ऐसे अन्य स्थानों से जो प्रबन्धक द्वारा अपेक्षित हों वायु नमूनों का संकलन करेगा ।

(ण) यह देखेगा कि संवातन और कोयला धूल से सम्बन्धित सभी अभिलेख और रिपोर्टें अद्यतन रखी जाती हैं और संवातन और पत्थर धूल अवरोधकों के लिए जांच बोर्डों में नियमित रूप से प्रविष्टियां की जाती हैं :

परन्तु ऊपर अन्तर्विष्ट किसी भी बात से प्रबन्धक, सहायक प्रबन्धक, सर्वेक्षक, ओवरमैन, सरदार या किसी अन्य सम्पृक्त सक्षम प्राधिकारी को इन विनियमों या तद्धीन किए गए किन्हीं आदेशों में उनके लिए विहित किन्हीं तत्समान कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों से छूट नहीं मिल सकेगी ;

(त) खान के संवातन से सम्बन्धित किसी मामले में प्रबन्धक की सहायता करेगा ।

(2) यदि ऊपर विनिर्दिष्ट से अन्यथा किन्हीं कर्तव्यों को प्रबन्धक द्वारा संवातन अधिकारी को समनुदेशित किया जाता है तो उसकी लिखित सूचना ऐसे समनुदेशन के तीन दिन के भीतर प्रादेशिक निरीक्षक को भेजी जाएगी ;

(3) संवातन अधिकारी अपने द्वारा किए गए कार्य का विस्तृत अभिलेख जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में रखेगा ।

13. उक्त विनियमों के विनियम 49 के उपविनियम (2) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु जहां किसी खान में एक या एक से अधिक सर्वेक्षक नियुक्त किए जाते हैं, वहां प्रत्येक सर्वेक्षक अपनी अधिकारिता में आने वाले खनन या अपने भारसाधन में के रेखांकों और खंड चित्रों के बारे में पूर्वोक्त प्रविष्टियां करेगा।"

14. उक्त विनियमों के विनियम 59 के उपविनियम (4) के खंड (ख) में "हर खान का प्रबन्ध" शब्दों के पश्चात निम्नलिखित शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"ज्यों ही इसके खननों का विस्तार पार्श्ववर्ती खान के साथ तय हुई सीमा के 60 मीटर के भीतर (या जहां सीमा विवाद ग्रस्त हो, वहां पार्श्ववर्ती खान के स्वामी द्वारा दावाकृत सीमा के 60 मीटर के भीतर) हो जाता है, त्यों ही ऐसे विस्तार के तथ्य की सूचना ऐसी खान के स्वामी अभिकर्ता या प्रबन्धक को देगा और"

15. उक्त विनियमों के विनियम 79 के उपविनियम (3) के खंड (ख) में, उसके आरम्भ के शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(ख) मुख्य निरीक्षक की लिखित अनुज्ञा के सिवाय और ऐसी शर्तों के अध्यधीन जिन्हें वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, निम्नलिखित कूट सिगनल का उपयोग किया जाएगा तथा सिगनल करने में उसका अनुपालन किया जाएगा"

16. उक्त विनियमों के विनयम 81 के उपनियम (2) के खंड (क) में: —

(i) "पुनः फिट किए जाने के पूर्व विभिन्न भागों का तापानुशीतन या तपन के अन्य उपाय किए जाएंगे"

शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"तापानुशीतन या तपन के अन्य उपाय किसी ऐसी उचित भट्ठी में ही किए जाएंगे जहां तापक्रम पर नियंत्रण रखा जा सकता हो।"

(ii) विद्यमान परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :— "परन्तु यह और कि गलाए हुए कूपकों में प्रयुक्त असंबद्ध हुक सप्ताह में कम से कम एक बार अलग निकाले जाएंगे, साफ किए जाएंगे और सावधानी पूर्वक उनकी जांच की जाएगी और हर बार जब भी ऐसी जांच की जाए अपरूपण पिन के स्थान पर एक नया अपरूपण पिन लगाया जाएगा।"

17. उक्त विनियमों के विनियम 95 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:—

"95 क. ट्रकों और डम्परों के लिए सड़कें :—(1) ट्रक, डम्पर और अन्य चलती फिरती मशनरी के लिए सभी सड़कें ऐसी दशा में बनाए रखी जाएंगी जो उनके उपयोग के लिए ठीक हों।

(2) मुख्य निरीक्षक की लिखित रूप में अभिव्यक्त अनुज्ञा के सिवाय और ऐसी शर्तों के अध्याधीन जिन्हें वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, किसी भी सड़क में किसी भी स्थान पर 14 में 1 से अधिक खड़ी ढलान नहीं होगी ।"

18. उक्त विनियमों के विनय 100 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"100 क. **बोर्ड और स्तंभ पद्धति से भिन्न पद्धति द्वारा कोयला निकालना**—जहां किसी कोयला खान या उसके किसी भाग में बोर्ड और स्तम्भ पद्धति से भिन्न किसी पद्धति से कोयला निकालने की प्रस्थापना हो, वहां कार्यकरण की प्रस्थापित पद्धति के बारे में स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक तृतीय अनुसूची के प्रारूप 3 में एक लिखित सूचना मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को देगा और कोई ऐसी प्रद्धति, लिखित अनुज्ञा और ऐसी शर्तों के अनुसार के सिवाय, जिन्हें मुख्य निरीक्षक लिखित रूप में आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट करे, प्रारंभी या कार्यान्वित नहीं की जाएगी ।"

19. उक्त विनियमों के विनियम, 118 में उपविनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

"(4) भूमि के नीचे आग लगने या उसी खान के किसी भाग से या किसी पार्श्ववर्ती खान से आग को फैलने से रोकने की समुचित व्यवस्था की जाएगी और किसी ऐसी आग या तापन पर, जो घटित हो सकती हो, नियंत्रण करने या उसे पृथक करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे ।

(5) स्थायी रूप से बन्द न किए गए संचरणीय प्रवेशद्वार के द्वारा सतह से संवद सभी अप्रयुक्त कार्यकरणों का निरीक्षण प्रति तीस दिन में कम से कम एक बार किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा इस बात के लिए किया जाएगा कि अवैध शराब तो नहीं निकाली जाती है । ऐसे हर निरीक्षक की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी और निरीक्षक करने वाला व्यक्ति उस पर हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा ।"

20. उक्त विनियमों के विनियम 118 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"118. **स्वतःतपन की बाबत अतिरिक्त पूर्वावधानियां** :—स्वतः तपन के खतरे की बात निम्नलिखित अतिरिक्त पूर्वावधानियां बर्ती जाएंगी :—

(1) (क) टांका या भेदन कार्य ऐसे पैनलों में, जिनमें स्वतंत्र संवातन हो, इस प्रकार किया जाएगा कि यदि आवश्यक हो तो आपस में एक दूसरे को आसानी से अलग करना सम्भव हो । जहां बिना इस बात का ध्यान रखे विकास पहले ही किया जा चुका हो, वहां राकों का सन्निमार्ण करके कृत्रिम पैनलों की रचना की जानी चाहिए । पैनल का आकार अवधारित करते समय उसमें के स्तम्भों को कोयले की उद्भवन-अवधि के भीतर पूरी तरह से निकाल सकने की वांछनीयता का उचित ध्यान रखा जाएगा ।

(ख) कोयला शेल या अन्य कार्बनयुक्त सामग्री न तो भूमि के नीचे रहने दी जाएगी और न ही इकट्ठी की जाएगी । जहां गिरे हुए कोयले को खान से हटाकर बाहर किया जाना साध्य न हो वहां उस क्षेत्र को प्रभावशाली रूप से बन्द कर दिया जाएगा ।

(ग) वहां के सिवाय जहां मुख्य निरीक्षक ने लिखित आदेश द्वारा अन्यथा अनुज्ञात किया हो और ऐसी शर्तों के अध्याधीन जिन्हें वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, किसी भी टांके या भेदन में से स्तम्भों के निकालने का कार्य सिवाय इसके कि प्रवेश द्वारा पर बनाए गए अग्निरोधों या रोकों मे, जो संवातन या कर्षण के लिए खुले रखे जाने हों, दरवाजे या विवृत छोड़े जा सकेंगे और ईटें और अन्य उपर्युक्त सामग्री उनके सामीप्य में तत्काल उपलब्ध रखी जाएगी, तब तक प्रारम्भ नही किया जाएगा जब तक कि पैनल के सभी प्रवेश द्वारों पर अग्निरोधक या रोक की व्यवस्था न कर दी गई हो ; अग्निरोधक या रोकों के सनिनर्माण में शेल या अन्य कार्बनयुक्त सामग्री का नहीं किया जाएगा ।

(घ) ज्यों ही कोई पैनल खोद लिया गया हो, त्यों ही उसे पर्याप्त रोकों द्वारा पृथक कर दिया जाएगा ।

(2) आग से निपटने के लिए पर्याप्त सामाग्री भूमि के नीचे उपयुक्त स्थानों पर परिवहन और उपयोग के लिए तैयार रखी जाएगी ; और पर्याप्त संख्या में व्यक्तियों को इस सामाग्री का प्रयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा

(3) (क) इस दृष्टि से कि स्वत: तापन का प्रारम्भिक अवस्था में पता चल जाए, हर डपिलारिंग डिस्ट्रिक्ट के और हर ऐसी खुदाई के,जो पृथक न की गई हो, वापसी वायुगवाक्ष मार्ग में की वायु का :—

(1) कार्बन मोनक्साइड का प्रतिशत जानने के लिए प्रति सात दिन मे कम से कम एक बार ऐसे किस्म के स्वचालित डिटक्टर से, जो मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित हो, परीक्षण किया जाएगा; और

(2) सी० ओ० निर्मित /02 अवशोषित अनुपात अवधारित करने की दृष्टि से प्रति तीस दिन में कम से कम एक बार पूरी तरह विश्लेषण किया जाएगा । ऐसे हर परीक्षण का परिणाम इस प्रयोजन के लिए रखी गई एक जिल्दमुक्त पष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित किया जाएगा और परीक्षण करने वाला व्यक्ति उस पर हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा ।

(ख) यदि क्रमिक परीक्षणों से यह दर्शित होता हो कि सी० ओ० निर्मित /02 अवशोषित अनपात में अविरत वृद्धि हुई है तो तापनस्थाल अवधरित करने के लिए तथा उनसे निपटने के लिए उपयुक्त उपाय किएं जाएंगें ।

(ग) हर डपिलारिंग डिस्ट्रिक्ट का निरीक्षण हर निष्कार्य दिन किया जाएगा और बन्द न किए गए सभी अप्रयुक्त खननों का निरीक्षण प्रति सात दिन में कम

कम से एक बार किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा अग्नि से किसी जोखिम को जानने के लिए किया जाएगा: खुदाई क्षेत्र के चारों और बनाई गई पृथक्करण रोकों का उसी अन्तराल से निरीक्षण किया जाएगा । ऐसे हर निरीक्षण की एक रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई एक जिल्द-युक्त पृष्ठांकित पुस्तक में, अभिलिखित की जाएगी और निरीक्षण करने वाला व्यक्ति उस पर हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा ।

(4) जहां किसी खान या उसके किसी भाग मे ऐसी विशेष दशाएं विद्यमान हों जिनके कारण इस विनियम के उपबन्धों में से किसी का अनुपालन करना आवश्यक या युक्तियुक्त तौर पर साध्य न हो वहां प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित द्वारा और ऐसी शर्तों के अध्यधीन जिन्हें वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, उस उपबन्ध से छूट दे सकेगा :

परन्तु जहां निष्कर्षण के परिणाम स्वरूप हुई रिक्तियां रेत या किसी अन्य अदाह्य सामग्री से मजबूती से भर दी जायें वहां अधिनियम 1(क), (ग) और (घ) के उपबन्ध तब तक लागू नहीं होंगे जब तक मुख्य निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा ऐसी अपेक्षा न करे ।

(5) यदि इस विनियम के उपबन्धों के सम्बन्ध में कोई विवाद उत्पन्न हो तो वह मुख्य निरीक्षक को उसके विनिश्चय के लिये निर्दिष्ट किया जायेगा जो अन्तिम होगा ।

21. उक्त विनियमों के विनियम 123 में—

(i) उपविनियम (4) को उसके खंड (क) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा और ऐसे पुनः संख्यांकित खंड के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(ख) हर खान में, हर खनन ग्रुप पर और मुख के 60 मीटर के भीतर हर सड़क मार्ग पर काम घंटों के दौरान उपयुक्त अन्तरालों से पानी इस रीति से डाला जायेगा जिससे यह सुनिश्चित हो जाये कि फर्श, छत और पार्श्वों और किन्हीं अवलम्बों पर धूल के घनिष्ठ मिश्रण में भार के अनुसार जल 30 प्रतिशत से अनधिक मिला हुआ हो"

(ii) उपविनियम (5) में—

(क) खण्ड (क) और (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :—

"(क) हर खान में कोयले की धूल के खतरों के विरुद्ध, भूमि के नीचे खान के ऐसे हर भाग में, जो हमेशा प्राकृतिक रूप में पूर्णतया भीगा न हो या जो विस्फोटन सहरोधों से पृथक न किया हुआ हो; खण्ड (ख) में अधिकथित पूर्वविधानियों का अनुपालन किया जायेगा :

परन्तु यदि प्रादेशिक निरीक्षक ऐसे अनुपालन की आवश्यकता न समझें तो वह लिखित रूप में आदेश द्वारा खान के किसी भी भाग को इन पूर्वविधानियों के अनुपालन से छूट दे सकेगा ।

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट खान के हर भाग—

(i) में साफ अदाह्य धूल इस रीति से और ऐसे अन्तरालों पर डाली जायेगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाये कि फर्श, छत और पार्श्वों और किन्हीं अवलम्बों पर की धूल में, उस कोयला-सीमा की दशा में जिसमें 30 प्रतिशत से अनधिक वाष्पशील द्रव्य (शुष्क राख के मुक्त आधार पर) हो तब हमेशा 75 प्रतिशत से अनधिक अदाह्य पदार्थ और उस कोयला-सीम की दशा में जिसमें 30 प्रतिशत से अधिक वाष्पशील द्रव्य हो, तब 85 प्रतिशत अदाह्य पदार्थ होगा; या

(ii) में पानी ऐसी रीति और ऐसे अन्तरालों से डाला जायेगा जिससे यह सुनिश्चित हो जाये कि फर्श, छत और पार्श्वों और किन्हीं अवलम्बों पर धूल के घनिष्ठ मिश्रण में भार के अनुसार जल 30 प्रतिशत से अनधिक मिला हुआ हो; या

(iii) कि देख भाल ऐसी रीति से की जायेगी जिसे मुख्य निरीक्षक लिखित रूप में आदेश द्वारा अनुमोदित करे ।

(ख) खण्ड (ग) का लोप कर दिया जायेगा;

(iii) उपविनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(6) (क) इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त अदाह्य धूल—

(i) ऐसी होगी कि उसमें मुक्त सिलिका पांच प्रतिशत से अधिक न हो;

(ii) ऐसी बारीक और ऐसे स्वरुप की होगी कि वह सुगमता से हवा में उड़ सकती हो और जब उसका प्रयोग उन स्थानों पर किया जाये जिनका स्तर पानी से सीधे ही भीगा न हो तो उसकी टिक्की न बन जाती हो बल्कि यदि मुह या किसी उपयुक्त साधित्र से उड़ाई जाये तो वह हवा में उड़ जाती हो; और

(iii) यथासाध्य हल्के रंग की होगी ।

यदि किसी परीक्षण में, जो प्रति तीन मास में कम से कम एक बार किया जायेगा, यह पाया जाये कि पूर्वोक्त अपेक्षाओं का पालन नहीं हो रहा है, तो ऐसी अदाह्य धूल का प्रयोग जारी नहीं रखा जायेगा :

परन्तु जब खान में प्रयुक्त अदाह्य धूल का प्रदाय किसी नियमित स्रोत से नहीं किया जाता है तो जब भी कभी अदाहय धूल का नया प्रदाय आता है ये परीक्षण किये जायेंगे ।

(ख) जब खान के किसी भी स्थान या भाग में अदाह्य धूल डाली जाये, तब :—

(i) अदाह्य धूल के डालने से पूर्व यथासाध्य छत, पार्श्वों फर्श, टेंक, किगरी, छड़, विभाजक कपड़े या किसी भी अन्य वस्तु या स्थान से, जिस पर कोयले की धूल जम सकती हो, कोयले की समस्त धूल साफ कर दी जायेगी और ऐसे इकट्ठी हुई समस्त धूल चौबीस घंटों के श्रीतम् सतह पर डाल दी जायेगी;

(ii) पूर्वोक्त वस्तुओं और स्थानों पर अदाह्य धूल पर्याप्त मात्रा में और ऐसे अन्तरालों से फैला दी जायेगी जो विनियम 123 (5) (ख) के उपबन्धों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो;

(iii) कोयले की धूल की सफाई और अदाह्य धूल का फैलाव वायु के प्रवाह की दिशा में किया जायेगा;

(i) अदाह्य धूल का पर्याप्त प्रदाय खान में उपयुक्त स्थानों पर तत्काल उपलब्ध रहेगा, और भूमि के नीचे धूल के प्रदाय में कोई कमी हो तो इसकी सूचना तुरन्त ही प्रबन्धक को दी जायेगी; और

(ii) विभिन्न स्थानों पर ढेर लगीं और/या खान में के पैनों (Pens) पर या धूल अवरोधों में रखी अदाह्य धूल जब कभी और आगे सुगमता पूर्वक विसर्जित न की जा सकती हो तो बदल दी जायेगी या जब कभी उस पर कोयले की जमा हो गई हो तो वह कोयले की धूल हटा दी जायेगी ।"

22. उक्त विनियमों के विनियम 123 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"123क. धूल के नियंत्रण के लिए उपाय करना—"

(1) (क) भूमि के नीचे वाली हर खान में एक धूल रेखांक बनाये रखा जायेगा जिसमें निरूपक गुणांक का माप 1/2400 से अन्यून होगा । धूल रेखांक में अलग से उन क्षेत्रों को स्पष्ट तौर से (विशिष्ट रंगों, कूट अक्षरों और/या संख्याओं में) दर्शाया जायेगा :—

(i) जो प्राकृतिक रूप से गीले हों;

(ii) जिनमें पानी डालना अपेक्षित हो और साथ ही ऐसे प्रयोजन के लिए बिछाई गई पानी की पाइप लाइन की प्रणाली उपदर्शित की जायेगी; और

(iii) जिनमें अदाह्य धूल यथास्थिति 24 घंटों, 7 दिनों, 14 दिनों, 30 दिनों या तीन मास या अन्य विनिर्दिष्ट कालावधि के अन्तरालों से डालनी अपेक्षित हो पूर्वोक्त अंतराल संबंधित क्षेत्रों से एकत्र किये गये खान में के नेमी रूप से लिये गये धूल के नमूनों के विश्लेषण के परिणाम के आधार पर होंगे) ।

(ख) पूर्वोक्त क्षेत्र स्पष्ट रूप से भूमि के नीचे खननों में उपयुक्त सूचना पट्टों या अन्य उपयुक्त साधनों के जरिये सीमांकित किये जायेंगे ।

(2) उन क्षेत्रों का, जहां से कोयले की धूल साफ की जाती है और उन क्षेत्रों का जिनमें अदाह्य धूल या पानी डाला जाता है, और प्रयोग में लाई गई अदाह्य धूल की मात्रा का, दैनिक अभिलेख इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्द युक्त पृष्ठांकित पुस्तक में रखा जायेगा । इस पुस्तक में की हर प्रविष्टि पर धूल भार-साधक हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा तथा उस पर प्रबंधक या संबातन अधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षर किये जायेंगे ।

(3) धूल पर नियंत्रण के पूर्वोक्त उपाय किसी ऐसे सक्षम व्यक्ति के पर्यवेक्षणाधीन किये जायेंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनियम 16 (1) के परन्तुक के प्रयोजन के लिये अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या संस्था द्वारा प्रदत्त प्रबंधक या ओवरमैन का प्रमाणपत्र या खनन या खनन इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा रखता हो। विनियम 123ख के अधीन धूल के नमूनाकरण की बाबत कोई भी कर्तव्य उस व्यक्ति को, जिसे, "धूल भारसाधक" के रूप में पदनामित किया जाये, नहीं सौंपे जायेंगे, कोई अन्य कर्तव्य भी प्रादेशिक निरीक्षक की पूर्व अनुज्ञा के बिना ऐसे व्यक्ति को नहीं सौंपे जायेंगे :

परन्तु किसी ऐसी खान की दशा में, जिसका औसत मासिक उत्पाद 5000 टन से कम हो इस विनियम में निर्दिष्ट धूल भारसाधन विनियम 123ख में निर्दिष्ट नमूना भारसाधक के रूप में कार्य कर सकता है।

(4) धूल भारसाधक यह भी देखेगा कि—

(क) खान का हर ऐसा भाग, जिसमें इन विनियमों के अधीन पानी डालना अपेक्षित हो, शॉट फायर करने से ठीक पूर्व और कार्यसमय के दौरान अन्तरालों से भी पूर्णरूप से भीगा हुआ है या उस पर पानी छिड़का हुआ है जिससे विनियम 123(5) (ख) (ii) के उपबन्धों का अनुपालन कठोरता से होता है;

(ख) खान के हर ऐसे भाग में जिसमें इन विनियमों के अधीन अदाह्य धूल डाली जा सकती है, यह इस प्रकार डाली गई है कि विनियम 123(5) (ख) (i) के उपबन्धों का अनुपालन कठोरता से होता है; और

(ग) पूर्वोक्त रूप से पानी या अदाह्य धूल डालने के लिए व्यवस्थाएं अच्छी दशा में बनाये रखी जाती हैं।

123ख. **धूल नियंत्रण के उपायों की जांच पड़ताल**—(1) कोयला-धूल पर विनियम 123 के अधीन अपेक्षित पर्याप्त कार्यवाही को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये खान की धूल के क्रमानुसार नमूने अन्तराल से और इस विनियम में विनिर्दिष्ट रीति से एकत्रित किये जायेंगे, उनका परीक्षण किया जायेगा और उनका विश्लेषण किया जायेगा।

(2) (क) हर वापसी वायुगवाक्ष, जो अन्तिम खनन मुख के दो सौ मीटर के भीतर पड़ता हो, और हर कर्षण, ट्राम या वाहक सड़क मार्ग जो प्राकृतिक रूप से पूरी तरह से गीला न हो, जोनों में विभक्त किया जायेगा जिनमें से प्रत्येक डेढ़ सौ मीटर से अधिक लम्बा नहीं होगा।

परन्तु जहां किसी खान के कुछ भागों में पानी और कुछ भागों में अदाह्य धूल डाली जा रही हो, वहां जोन इस प्रकार बनाये जायेंगे कि प्रत्येक जोन में कोयला-धूल पर कार्यवाही की एक ही पद्धति का पालन किया जाता रहे।

(ख) पूर्वोक्त रूप से बनाये गये हर जोन को तीन समान खंडों में विभक्त किया जायेगा जिनमें से प्रत्येक की लम्बाई 50 मीटर से अनधिक होगी।

(3) (क) हर जोन को क्रमबद्ध रीति में एक विशिष्ट संख्या और हर खंड को कूट अक्षर क, ख या ग दिया जाएगा। जोन और खण्ड, उन की संख्या और कूट अक्षरों सहित 1/2400 से अनधिक के निरूपक गुणांक के माप से तैयार किए गए रेखांक में, जिसे इस में इस के पश्चात् "नमूना रेखांक" कहा गया है, स्पष्ट रूप से चिह्नित किए जाएंगे। नमूना रेखांक में स्पष्ट रूप से खान के वे क्षेत्र दर्शित किए जाएंगे जो प्राकृतिक रूप से पूरी तरह से गीले हैं।

(ख) प्रत्येक जोन और खण्ड को भूमि के नीचे के खननों में भी युक्तियुक्त सूचना पट्टों या अन्य युक्तियुक्त साधनों से स्पष्ट रूप से सीमांकित किया जाएगा।

(4) (क) हर जोन से धूल के बानगी स्वरूप नमूने प्रति तीस दिन में एक बार एकत्र किए जाएंगे और इस प्रयोजन के लिए नमूने विभिन्न खंडों क, ख या ग से ऐसे चक्रानुक्रम में एकत्र किए जाएंगे कि 30 दिन की हर ऐसी कालावधि के दौरान सभी नमूने खण्ड क या खण्ड ख या खण्ड ग से एकत्र किए जाते हैं।

(ख) सफाई और उपचार क्रियाओं का विचार किए बिना पूर्वोक्त नमूने क्रमबद्ध रीति से एकत्र किए जाएंगे किन्तु किसी जोन खण्ड या उस के किसी भाग की सफाई और उपचार के चौबीस घंटे के भीतर किसी भी दशा में एकत्र नहीं किए जाएंगे।

(ग) यदि किसी विशिष्ट जोन में से खान की धूल के नमूनों से यह दर्शित होता हो कि विनियम 123(5) (ख) के उपबन्धों का अनुपालन नहीं किया गया है, तो सम्पूर्ण जोन की सफाई और उपचार करने के लिए तुरन्त ऐसे कदम उठाए जाएंगे जिस से विनियम 123(5)(ख) के उपबन्धों का अनुपालन हो जाए।

(5) उन से भिन्न जो उपविनियम 2(क) में विनिर्दिष्ट हैं हर यात्रा मार्ग में और हर वायु मार्ग में से नमूने ऐसी क्रमबद्ध रीति से और ऐसे अन्तरालों से (जो तीन मास से अनधिक के हों) लिए जाएंगे कि विनियम 123(5)(ख) के निबन्धनों के अनुसार उन के उपचार की दक्षता की यथोचित जांच पड़ताल होती है।

(6) (क) धूल के नमूने छत पार्श्वों और फर्श पर से एकत्र किए जाएंगे तथा इन में छत और पार्श्वों पर की पांच मिलीमीटर से अनधिक की गहराई से और फर्श पर की दस मिलीमीटर से अनधिक की गहराई से एकत्र की गई धूल होगी।

(ख) जहां किसी जोन में अवाह्य धूल डाली जाए वहां नमूने 'पट्टी' नमूना लेने की पद्धति से, जिस में पट्टियां यथासम्भव दस सेंटीमीटर से अन्यून की समान चौड़ाई में होंगी, और पांच मीटर से अनधिक के समान अन्तरालों से एकत्र किए जाएंगे।

(ग) जहां किसी जोन में पानी डाला जाए वहां नमूने "स्थान" नमूना लेने की पद्धति से इस प्रकार एकत्र किए जाएंगे कि नमूना ली गई लम्बाई के हर मीटर के लिए धूल का स्थान-एकत्रीकरण टेढ़े मेढ़े रास्ते के साथ साथ यथासम्भव नियमित समयान्तर के अन्तरालों पर हो जाए।

(घ) पूर्वोक्त रूप से नमूनों को एकत्र करते समय पट्टी को आरपार-गैलरियों में वायु-रोकों, यदि कोई हों, तक बढ़ाया जायगा या आरपार-गैलरियों से स्थान-एकत्रीकरण वायु रोकों तक, यदि कोई हों, किया जाएगा ।

(ङ) प्रत्येक नमूने को अच्छी तरह से मिलाया जायगा और फिर उस का 30 ग्राम से अन्यून वजन का प्रपुंज (क्वार्टरिंग द्वारा) बनाया जाएगा । इस प्रकार बनाया गया प्रत्येक नमूना आर्द्रता रोधी मकान में पैक किया जायगा जिस पर उपयुक्त रूप से लेबल या चिह्न लगाया जाएगा ।

(7) पूर्वोक्त रूप से नमूना लेनेकी प्रक्रियाएं किसी ऐसे सक्षम व्यक्ति के पर्यवेक्षणाधीन की जाएंगी जो विनियम 16 के प्रयोजन के लिए अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या संस्था द्वारा प्रदत्त प्रबन्धक या ओवर मैन का प्रमाण पत्र या खनन या खनन इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा रखता हो । उसे "नमूनाकरणभार साधक" के रूप में पदाभिहित किया जाएगा और वह विनियम 123 क के अधीन नियुक्त धूल भारसाधक से भिन्न होगा । प्रादेशिक निरीक्षक की पूर्व अनुज्ञा के बिना इस व्यक्ति को अन्य कर्तव्य नहीं सौंपे जाएंगे ।

(8) प्रत्येक नमूने के लिए जाने के सात दिन के भीतर उसे विश्लेषण के लिए भेजा जाएगा और ऐसे विश्लेषण का परिणाम, उस के प्राप्त होने पर तुरन्त, इस प्रयोजन के लिए रखी गई एक जिल्द युक्त पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित किया जाएगा । पूर्वोक्त पुस्तक में की प्रत्येक प्रविष्टि पर नमूना भारसाधक हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा और प्रबन्धक प्रतिहस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा ।

स्पष्टीकरण : खान में के किसी भाग को "प्राकृतिक रूप से पूरी तरह गीला" माना जाता है या यदि वह किसी भी समय उस स्थान पर छत, पार्श्वों और फर्श और अन्य वस्तुओं पर विद्यमान कोयला, धूल को इस प्रकार रखने के लिए पर्याप्त गीला हो कि घनिष्ट मिश्रण में वजन के अनुसार उस में सदा 30 प्रतिशत से अन्यून जल मिला हो ।"

23. उक्त विनियमों के विनियम 126 में :—

(i) उपविनियम (1) में विद्यमान प्रविष्टि को उस के खण्ड (क) के रूप में संख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्याकित खंड में अन्तिम वाक्य के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"ऐसा संरक्षण पर्याप्त है या नहीं, यह मुख्य निरीक्षक द्वारा अवधारित किया जाएगा जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।"

(ii) खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(ख) मुख्य निरीक्षक की लिखित अनुज्ञा के सिवाय और ऐसी शर्तों के अध्यधीन जिन्हें वह उस में विनिर्दिष्ट करे और खण्ड (क) के उपबन्धों के अध्यधीन खान के प्रत्येक प्रवेश-मार्ग को इस प्रकार डिजाइन, सन्निर्मित, और अनुरक्षित किया जायगा कि इस का निम्नतम स्थल (जिस से वह स्थल अभिप्रेत है जिस पर सतह पर चढ़ती हुई जलराशि खान में प्रवेश कर सकती है) उस स्थल के उच्चतम बाढ़ तल से 1.5 मीटर से अन्यून ऊंचा हो ।

(iii) उपविनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियमन स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(4) उपविनियम (2) के अधीन बनाए गए सब खननों को भूमि के नीचे स्पष्ट रूप से सीमांकित किया जाएगा ।

(5) (क) कोई सक्षम व्यक्ति, वर्षा ऋतु के दौरान प्रति 14 दिन में कम से कम एक बार और वर्ष की अन्य कालावधियों के दौरान प्रति 30 दिन में कम से कम एक बार, उपविनियम (1) के अधीन व्यवस्थित प्रत्येक सुरक्षात्मक उपाय की, चाहे वे प्रयुक्त होती हों या नहीं उनके स्थायित्व के लिए, परीक्षा करेगा । ऐसी प्रत्येक परीक्षा की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी और उस पर परीक्षा करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और तारीख डाली जाएगी और प्रबन्धक द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किए जाएंगे ।

(ख) पूर्वोक्त सुरक्षात्मक उपाय और खननों का, प्रत्येक त्रिमास में कम से कम एक बार प्रबन्धक द्वारा वैयक्तिक रूप से निरीक्षण किया जाएगा ।"

24. उक्त विनियमों के विनियम 130 के उपविनियम (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"(2) पूर्वोक्त रूप में पर्याप्त संवातन सुनिश्चित करने के लिए, स्वामी, अभिकर्ता और प्रबन्धक यह सुनिश्चित करेगा कि :

(i) प्रत्येक संवातन डिस्ट्रिक्ट में उस डिस्ट्रिक्ट में बड़ी से बड़ी पारी में नियोजित प्रति व्यक्ति छः घन मीटर से अन्यून वायु या दैनिक टन उत्पादन के अनुसार प्रति मिनट 2.5 घन मीटर से अन्यून वायु जो भी अधिक हो, डिस्ट्रिक्ट के अन्तिम संवातन संसर्ग, जिससे डिस्ट्रिक्ट में अन्तस्तम् बोथी, जिस में से वायु गुजरती है, अभिप्रेत है, से गुजरती हो ।

(ii) खान में प्रत्येक ऐसे स्थान पर जहां व्यक्तियों का काम करना या गुजरना अपेक्षित हो, वायु में 19 प्रतिशत से कम आक्सीजन या 0.5 प्रतिशत से अधिक कार्बन डाइआक्साइड या ऐसी मात्रा में कोई विषाक्त गैस न हो जिससे किसी व्यक्ति का स्वस्थ्य प्रभावित होता हो ।

(iii) बाह्य गैस का प्रतिशत किसी संवातक डिस्ट्रिक्ट की वापसी वायु की साधारण राशि में 0.75 से और खान में किसी स्थान में 1.25 से अधिक न हो;

(iv) किसी कार्यकरण स्थान में आद्रबल्ब तापमान 33.5 डिग्री सैंटीग्रेट से अधिक न हो । और जहां आद्र बल्ब तापमान 30.5 डिग्री सैंटीग्रेट से अधिक हो, वहां उसे एक मीटर प्रति सैकंड से अन्यून की गति से चलने वाले वायु-प्रवाह के साथ संवातित करने की व्यवस्था की गई हो; और

(v) इस उपविनियम के खण्ड (ii), (iii), और (iv) के उपबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वायु नमूने और तापमान 30 दिन में कम से कम

एक बार लिए जाएंगे और उसके परिणाम इस प्रयोजन के लिए रखी गई एक जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित किए जाएँगे ।

परन्तु जहां किसी खान या उस के भाग में ऐसी विशेष परिस्थितियां विद्यमान हों जिनमें ऊपर के उपबन्धों का अनुपालन आवश्यक न हो या युक्तियुक्त रूप से व्यवहार्य न हो, वहां मुख्य निरीक्षक एक लिखित, आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अध्यधीन, जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करें, उपबन्धों को शिथिल करने की मंजूरी दे सकेगा ।

(3) प्रत्येक खान में उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट संवातन उपयुक्त यांत्रिक संवातक द्वारा किया जायगा :

परन्तु यदि किसी खान की बाबत यांत्रिक संवातक तत्काल उपलब्ध न हो तो मुख्य निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अध्यधीन जो वह उस में विनिर्दिष्ट करे, उस सयम तक के लिए जब तक कि उपयुक्त यांत्रिक संवातन प्राप्त किया जा सकता हो इस उपविनियम के प्रवर्तन में से अस्थायी छूट दे सकेगा ।"

25. उक्त विनियमों के विद्यमान विनियम 138 को उसके उप-विनियम (3) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उप-विनियम के पूर्व निम्नलिखित उप-विनियम अन्तः स्थापित किये जायेंगे, अर्थात्—

"(1) सतह पर प्रत्येक यांत्रिक संवातन को अग्नि-सहय ढांचे में लगाया जायेगा ।

(2) भूमि के नीचे लगे हुए प्रत्येक पंखे (सहायक पंखे से भिन्न) की दशा में पार्श्वों, छत और फर्श पर अनावरित कोयले या अन्य कार्बनमय पदार्थ को चिनाई या आग के विरुद्ध अन्य पर्याप्त संरक्षण द्वारा, हर दिशा में पंखे से 5 मीटर से अन्यून दूरी तक आवृत्त किया जायेगा ।"

26. उक्त विनियमों के विनियम 139 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"139. **पंखायत रेखाचित्रों को अद्यतन किया जाना**:—प्रबन्धक यह सुनिश्चित करेगा कि ज्योंहि खान के संवातन में कोई ऐसा परिवर्तन किया जाये जिसमें किसी वायु-पारपथ या रोक-स्थल का निर्माण या हटाया जाना या किसी संवातक का भूमि के नीचे पंखे (सहायक पंखे से भिन्न) की स्थिति में परिवर्तन या उसका संस्थापन अन्तर्वलित हो तो यथास्थिति निर्माण हटाया जाना परिवर्तन या संस्थापन सर्वेक्षक को अधिसूचित कर दिया जाता है जो विनियम 59 के अधीन रखे गये संवातन रेखाचित्र में आवश्यक परिवर्तन तुरन्त कर देगा ।"

27. उक्त विनियमों के विनियम 155 के उपनियम (5) में "ओवर मैन का या गैस-परीक्षण का" शब्दों के पश्चात् "या लैम्प-जांचक का" शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे ।

28. उक्त विनियमों के विनियम 163 के उपविनियम (4) में "किसी खोल या आधान पांच किलोग्राम के अधिक विस्फोटक नहीं होगा" शब्दों के स्थान पर "विनियम 164-क में अन्य उपबन्धित के सिवाय किसी खोल या आधान में पांच किलोग्राम से अधिक विस्फोटक नहीं होग शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

29. उक्त विनियमों के विनियम 161 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"164-क . . . . . **विस्फोटकों का प्रपुंज में परिवहन:** जहां विस्फोटकों का गहरे-छिद्र विस्फोटन के लिए प्रपुंज में परिवहन किया जायेगा वहां इस विनियम के उपबंध लागू होंगे ।

(1) बारूद खाने से प्राईमिंग स्टेशन या स्फोटन-स्थल को विस्फोटकों का परिवहन दिन के प्रकाश के और काष्ठ या कार्डबोर्ड के मूल पैकिंग खोलों में के सिवाय नहीं किया जायेगा । स्फोटन स्थल पर एक बार में परिवाहित विस्फोटकों की मात्रा स्फोटन स्थल पर शाटों की एक रौंद में प्रयोग के लिए अपेक्षित वास्तविक मात्रा से अधिक नहीं होगी । स्फोटन स्थल पर विस्फोटकों का परिवहन छिद्रों को चार्ज करना प्रारम्भ करने से 30 मिनट से अनधिक पूर्व किया जायेगा ।

(2) (क) विस्फोटकों के परिवहन के लिए किसी यांत्रिक रूप से चलाये जाने वाले वाहन का जब तक कि यह मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदित प्रकार का न हो प्रयोग नहीं किया जायेगा परन्तु स्फोटन यंत्रों का बारूद खाने से 'प्राईमिंग स्टेशन' को परिवहन करने के लिए जीप या लैण्ड रोवर का निम्नलिखित सभी शर्तों के अध्यधीन प्रयोग किया जा सकेगा :—

(i) एक वाहन में एक बार में 200 से अनधिक स्फोटन यंत्रों का परिवहन किया जाये;

(ii) स्फोटन यंत्रों को काष्ठ के बक्सों में युक्तियुक्त रूप से पैक किया गया हो;

(iii) वह काष्ठ का बक्स जिसमें स्फोटन यंत्र हों मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित बनावट के किसी बाह्य धात्विक खोल के भीतर रखा हो;

(iv) बाह्य धात्विक खोल को वाहन के फर्श से युक्तियुक्त रूप से बोल्ट कर दिया जायेगा या अन्यथा किसी काष्ठ के ढांचे में ऐसे जड़ दिया जायेगा जिससे कि आधान उस समय विस्थापित न हो जब कि वाहन गति में हो; और

(v) कोई भी व्यक्ति वाहन के पीछे के भाग में नहीं चढ़ेगा :

(ख) विस्फोटकों के परिवहन के लिए प्रयुक्त प्रत्येक वाहन पर दोनों पार्श्वों और सिरों पर सफेद पृष्ठ भूमि पर लाल अक्षरों में 15 सेंटीमीटर से अन्यून ऊंचाई पर 'विस्फोटक' शब्द अंकित किया जायेगा या प्लेकार्ड के रूप में लगाया जायेगा ।

(ग) विस्फोटकों का परिवहन करने के लिए प्रयुक्त यांत्रिक रूप से चलाये जाने वाले प्रत्येक वाहन में दो से अन्यून अग्निशमकों (एक कार्बन टेट्रा क्लोराइड प्रकार का पेट्रोल की अग्नि के लिए और दूसरा कार्बन डाइआक्साइड अवदबाव प्रकार का बिजली की अग्नि के लिए) की व्यवस्था की जायेगी और उन्हें युक्ति-युक्त रूप से ऐसे रखा जायेगा कि तत्काल प्रयुक्त हो सकें ।

(3) (क) विस्फोटकों का परिवहन करने के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले वाहन को अतिभारित नहीं किया जायेगा और किसी भी दशा में विस्फोटक के खोलों को उसकी बौडी के पार्श्वों से ऊंचा नहीं रखा जायेगा ।

(ख) विस्फोटकों और स्फोटन-यंत्रों का परिवहन एक ही वाहन में नहीं किया जाएगा।

(4) (क) विस्फोटकों का परिवहन करने के लिए प्रयुक्त यांत्रिक रूप से चलाये जाने वाले किसी वाहन पर चालक और उसके सहायक (जो 18 वर्ष के कम की आयु का न हो) से भिन्न कोई भी व्यक्ति नहीं चलेगा।

(ख) विस्फोटकों से लदे हुए किसी वाहन को अरक्षित नहीं छोड़ा जायेगा।

(ग) विस्फोटकों का परिवहन कर रहे किसी वाहन पर लदाई या उससे उतराई या उसे खड़ा हुआ छोड़ने से पूर्व उसके इंजिन को बन्द कर दिया जायेगा और ब्रेक मजबूती से लगा दिये जायेंगे।

(घ) विस्फोटकों का परिवहन कर रहे किसी वाहन को 25 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की गति से नहीं चलाया जायेगा।

(ङ) विस्फोटकों से लदे हुए किसी वाहन को गैरेज या मरम्मतशाला में नहीं ले जाया जायेगा और किसी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर नहीं खड़ा किया जाएगा।

(च) विस्फोटकों का परिवहन कर रहे किसी वाहन को आपात के सिवाय पुनः ईंधन नहीं दिया जायेगा और तब भी उसके इंजिन को रोक दिया जायेगा और दुर्घटनाएं रोकने के लिये अन्य पूर्वाबंधानियां बरती जायेंगी।

(छ) विस्फोटकों का परिवहन कर रहे किसी वाहन के साथ कोई ट्रेलर नहीं जोड़ा जायेगा।

(5) (क) विस्फोटकों के परिवहन के लिए प्रयुक्त प्रत्येक वाहन का प्रति 24 घंटों में एक बार किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान से निरीक्षण किया जायेगा कि :

(i) अग्निशमक भरे हुए हैं और नियत स्थान पर हैं;

(ii) बिजली का तार भली प्रकार से रोधी है और मजबूती से बंधा हुआ है;

(iii) पीठिका इंजिन और बाडी साफ और अक्षिशेष तेल और ग्रीज से मुक्त है,

(iv) ईंधन टंकी और भरण नलियां चू नहीं रही हैं; और

(v) बत्तियां ब्रेक और चालन यंत्रावली अच्छी तरह काम कर रहे हैं।

(ख) उपखण्ड (क) के अधीन किये गये प्रत्येक निरीक्षण की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई एक जिल्दयुक्त पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जायेगी और निरीक्षण करने वाले सक्षम व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर किये जायेंगे और तारीख डाली जायेगी।

(6) विस्फोटकों के परिवहन से सम्बन्धित सभी क्रियाएं खान में विस्फोटक क्रियाओं के एक मात्र भारसाधक किसी ओवरमैन के व्यक्तिगत पर्यवेक्षणाधीन की जायेंगी।

(7) शॉटफायरर विस्फोटकों के परिवहन और उपयोग में लगे हुए प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी स्वयं लेगा और अपना यह समाधान करेगा कि इस प्रकार लगे हु

किसी व्यक्ति के पास सिगार सिगरेट बीड़ी या अन्य धुम्रपान सामग्री या माचिस या किसी प्रकार का कोई अन्य ऐसा उपकरण नहीं है जिससे प्रकाश ज्वाला या चिनगारी उत्पन्न हो सकती हो ।"

30. उक्त विनियमों के विनियम 168 के उपविनियम (15) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा अर्थात् :—

"परन्तु निवृत्त खनन की दशा में एक रोंद में कितनी भी संख्या में शाट छोड़े जा सकेंग , उन्हें पर्याप्त क्षमता वाले किसी स्फोटक के द्वारा विद्युत से छोड़ा जाये ।"

31. उक्त विनियमों के विनियम 169 के खंड (5) में

(i) उपखंड (ग) में अन्त में आये हुए "और" शब्द का लोप कर दिया जायेगा;

(ii) उपखंड (घ) के अन्त में "पूर्णविराम" के स्थान पर "अर्धविराम" प्रतिस्थापित किया जायेगा और "और" शब्द जोड़ा जायेगा;

(iii) उपखण्ड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा अर्थात् :—

"(ङ) केवल उसी विद्युत् प्रतिरोध के विस्फोटक-प्रेरको का प्रयोग किया जायेगा ।"

32. उक्त विनियमों के विनियम 173 में,

(i) "विनियम 172 के अधीन" शब्दों और अंको का लोप कर दिया जायेगा;

(ii) खण्ड (घ) में "कोयले में किसी भी संख्या में छोड़े गये शाटों में" शब्दों के स्थान पर "कोयले में छोड़े जाने वाले किसी शाट में" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

33. उक्त विनियमों को विनियम 180 के उपविनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(3) (क) स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक विस्फोटकों के भण्डारकरण परिवहन और खान में प्रयोग के दौरान उनके भूषण को रोकने के लिये पर्याप्त पग उठायेगा ।

(ख) कोई भी व्यक्ति इन विनियमों में यथा उपबंधित के सिवाय न तो विस्फोटको को अपने पास रखेगा और नही विस्फोटकों को किसी निवास गृह में छिपायेगा या रखेगा ।"

34. उक्त विनियमों के विनियम 202 मे,—"मुख्य निरीक्षक" शब्दो के पश्चात् "या कोई अपर मुख्य निरीक्षक" शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे ।

35. उक्त विनियमों की प्रथम अनुसूची में प्ररूप 1 में, मद 4 (क) में "सहायक/प्रबन्धकों/" शब्द और स्ट्रोक के पश्चात् "सुरक्षा अधिकारी/संवातन अधिकारी/" शब्द और स्ट्रोक अन्तःस्थापित किये जायगे ।

36. उक्त विनियमों की तृतीय अनुसूची मे, प्ररूप 2 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तः-स्थापित किया जायेगा, अर्थात् --

'प्ररूप 3

बोर्ड और पिल्लर पद्धति से भिन्न पद्धति से कोयला निकालना

(विनियम 100-क देखिए)

1. साधारण

(i) खान का नाम

(ii) स्वामी

(iii) जिला

(iv) राज्य

2. उस सीम का विवरण जिसमे कार्य किया जाना है

(i) नाम/सख्या

(ii) कुल मोटाई

(iii) कार्यकरण मोटाई (खण्ड बताइए)

(iv) न्यूनतम एक मीटर मोटाई तक छत का स्वरूप

(v) न्यूनतम एक मीटर मोटाई फर्श का स्वरूप

(vi) खान की सतह से अधिकतम और न्यूनतम गहराई

(vii) बताइए·

(क) उत्थित कोयले के प्रति टन मे दाह्य गैस के उत्सर्जन की दर।

(ख) साधारण वायु-वाही मे दाह्य गैस का प्रतिशत।

(viii) क्या (क) उसी खान मे, या (ख) पार्श्ववर्ती खानो मे सीम मे अग्नि का कोई इतिहास है? ब्यौरा दीजिए।

(ix) सीम की वह उद्भवन अवधि क्या है जिसकी जानकारी है या जिसकी आशा है?

3. उपरिशायी और अध स्थ सीम की दशा

(i) स्ट्राटा का खण्ड अलग से बताए

(ii) क्या सीम जल-मुक्त है? यदि नही तो जल के स्तर की स्थिति के सम्बन्ध मे ब्यौरा दीजिए।

(iii) क्या सीम निष्कर्षित/विभक्त/स्तम्भो पर खड़ी/प्राकृत है?

(iv) यदि सीमो को निष्कर्षित/विभक्त कर लिया गया है, तो बताइए केविंग पद्धति द्वारा किया गया है या टबचालित स्टोविंग या शुष्क स्टोविंग द्वारा।

(v) उपरिशायी या अध स्थ सीमो/खण्डो मे या सतह पर कोई अग्नि है? यदि हा तो उसके बारे मे ब्यौरेवार इतिहास और अग्नि की वर्तमान दशा बताइए।

(vi) बताइए।

(क) उचित कोयले के प्रति टन मे दाह्य गैस के उत्सर्जन की दर।

(ख) साधारण वायु-बर्डी मे दाह्य गैस का प्रतिशत।

4. **विकास की प्रस्थापित पद्धति**

(क) खनन के प्रस्थापित अभिन्यास का ब्यौरेवार वर्णन कीजिये। उस क्षेत्र को जिसके खनन की प्रस्थापना है और विनियम 59 के अधीन रखे गये अंतर्नोम रेखाक मे दर्शाये जाने के लिए अपेक्षित सभी अन्य लक्षणो को (जिसमें सतह-लक्षण सम्मिलित है) दर्शाते हुए एक अभिन्यास रेखांक की दो प्रतियो मे प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(ख) कोयला-कर्तन/कोयला प्राप्ति के लिए और मुख से सतह तक कोयले के रिव के लिए प्रयुक्त की जाने वाली मशीनरी का प्रकार।

5. **निष्कर्षण की प्रस्थापित पद्धति**

(क) रेत/सदलित व्यय के द्रव्यचालित स्टोविंग द्वारा गैसयांत्रिकी-स्टोविंग या केविंग पद्धति द्वारा, और/या

(ख) दीर्घभित्ति निवर्तन या दीर्घभित्ति नभगमन पद्धति द्वारा, या

(ग) किसी अन्य विशेष पद्धति द्वारा जैसे आनत स्तर-खडो क्षतिज स्तर-खडो द्वारा और उपतल केविंग आदि।

टिप्पण . प्रत्येक दशा मे निष्कर्षण की रीति को ब्यौरेवार और युक्तियुक्त रेखाचित्रो के साथ निदर्शित कीजिए।

(घ) कोयला-कर्तन/कोयला प्राप्ति के लिए और मुख से सतह तक कोयले के परिवहन के लिए प्रयुक्त की जाने वाली मशीनरी का प्रकार।

6. **अवलम्ब**

(क) अवलम्ब की प्रस्थापित पद्धति

(i) विकास

(ii) डपिलारिंग/अन्तिम निष्कर्षण के दौरान

टिप्पण प्रत्येक दशा मे रेखाचित्रो के साथ निर्देशित कीजिए।

(ख) अवलम्ब के लिए प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री काष्ठ है या इस्पात/यदि इस्पात अवलम्बो का प्रयोग किया जाना है तो अवलम्बो के प्रकार का व्यापार-नाम यदि कोई हो बताते हुए उनका प्रकार बताइए कि व दृढ़ हैं, घर्षण है या द्रव प्रकार के है।

7 **कोयले की धूल के विरुद्ध पूर्वावधानियां**

(क) खनन-मुखो के 60 मीटर के भीतर

(ख) ढुलाई सडको और वायुमार्गों मे

(ग) खनन के अन्य भागो मे

(घ) क्या पत्थर-धूल रोधो की व्यवस्था की जायेगी ? यदि नही तो कारण बताइए।

(ङ) प्रयुक्त की जाने वाली पत्थर-धूल का प्रकार।

8. **जल से खतरे के विरुद्ध पूर्वाविधानियां**

(1) यदि विनियम 126 के उपबन्ध लागू होते है तो उन पूर्वाविधानियो का वर्णन कीजिए जिनके सतह-जल मे खतरे के विरुद्ध बरते जाने की प्रस्थापना है ।

(2) यदि विनियम 127 के उपबन्ध लागू होते है तो उन पूर्वाविधानियो का वर्णन कीजिए जिनके भूमिगत जल से खतरे के विरुद्ध बरते जाने की प्रस्थापना है ।

9. **संवातन**

(1) सतह पंखा

(क) (i) प्रकार

(ii) क्षमता (रेंज का वर्णन कीजिए) अधिकतम् न्यूनतम

(iii) जल गेज

(ख) क्या खान के विकास और डेपिलारिंग के विभिन्न प्रक्रमों के दौरान वही पंखा उसकी संवातन अपेक्षाएं पूरी करेगा या अन्य पंखा/पंखे लगाये जायेंगे । पश्चात् कथित दशा में खान की विद्यमानता के विभिन्न प्रक्रमों पर उसके समतुल्य द्वार का वर्णन करते हुए ब्यौरा दीजिए ।

(2) भूमिगत पंखे, यदि कोई हों, प्रकार क्षमता सहायक या बूस्टर

(i)

(ii)

(3) संवातन की प्रस्थापित पद्धति का वर्णन कीजिए और अभिन्या रेखांक पर निम्नलिखित भी उपदर्शित कीजिए . . . . .

संवातन डिस्ट्रिक्ट } मीटरों/घनफुट में वायु की मात्रा]]

(4) अवहस्तम पारी में नियोजित प्रति व्यक्ति के लिए या दैनिक उत्पादन के प्रति टन पर, जो भी अधिक हो, उपलभ्य वायु की न्यूनतम मात्रा जो प्रत्येक संवातन डिस्ट्रिक्ट के लिए अन्तिम संवातन संगम के साथ-साथ चलती हो । (1) (2)

(5) (i) कोयले के प्रति उनमें दाह्य गैस के उत्सर्जन की अनुमति दर क्या है ।

(ii) किसी संवातन डिस्ट्रिक्ट के वापसी मार्ग में गैस का अधिकतम प्रतिशत (वास्तविक या आयोजित)

10. **कोई अन्य सुसंगत ब्यौरा**

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान या विश्वास के अनुसार सही है ।

हस्ताक्षर

पदनाम : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

अनुवेश

1. यदि अपेक्षित सूचना के लिए किसी स्तम्भ में स्थान अपर्याप्त हो तो अलग से कागजों का प्रयोग किया जा सकता है ।

2. जिस क्षेत्र में खनन किये जाने की प्रस्थापना हो उसे और विनियम 59 के अधीन रखे गये अन्तर्भौम रेखांक में दिखाये जाने के लिये अपेक्षित अन्य सभी लक्षणों (जिसमें सतह-लक्षण सम्मिलित हैं) को दर्शित करते हुए अभिन्यास रेखांक के साथ यह प्ररूप दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

3. समतुल्य द्वार की गणना वर्ग मीटर में की जानी चाहिए ।

[सं० 1/50/63-एम 1—संशोधन सं० 17]

जे० डी० तिवारी, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)
(Directorate General of Employment and Training

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 569.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of section 2 of the Apprentices Act 1961 (52 of 1961), and after consultation with the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby specifies the following trades as designated trades for the purposes of the said Act, namely:—

Trades	*Code number(s) of National Classification of Occupations.
Textile Trade Group	
1. DOFFER-*cum*-PIECER	702.35 702.60
2. TENTER (Drawing and Speed/Fly frames).	702.10 702.13 702.16

*The reference is to National Classification of Occupations adopted by the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Directorate General of Employment and Training.

[No. 51(2)/70-AP(i)]

श्रम एवं नियोजन विभाग

(नियोजन एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

स० श्र० नि० 569.—शिक्षु अधिनियम 1961 (1961 का 52) की धारा 2 के खण्ड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद् से परामर्श करने के बाद केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिनियम के लिए निम्नलिखित व्यवसायों को निदिष्ट व्यवसायों के रूप में उल्लिखित करती है, अर्थात् :—

व्यवसाय	*व्यवसाय के राष्ट्रीय वर्गीकरण की कोड संख्या (ए)
सूती कपड़ा व्यवसाय समूह :	
1. डाफर एवं पीसर	702.35
	702.60
2. टेन्टर (ड्राइंग व स्पीड/फ्लाइ फ्रेमस्) . .	702.10
	702.13
	702.16

*यह भारत सरकार के श्रम, नियोजन और पुनर्वास मंत्रालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा स्वीकृत व्यवसायों के राष्ट्रीय वर्गीकरण से सम्बन्धित है।

[संख्या 51(2)/70—एपी (i)]

G.S.R. 570.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 37 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and after consulting the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Apprenticeship Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called Apprenticeship (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Apprenticeship Rules, 1962,—

(i) in sub-rule (1) of rule 5 in Group No. 16 relating to Textile Trades-Group, after item 1 and the entries relating thereto, the following items and entries shall be inserted, namely:—

	Trades	Code number (s) National Classification of Occupations.	Period of Training
"2.	DoFFER-cum-PIECER	702.35, 702.60	Six months
3.	TENTER (Drawing and Speed/Fly Frames	702.10, 702.13, 702.16	Six months"

(ii) in schedule I after serial No. 54 and the entries relating thereto, the following Serial Nos. and entries shall be inserted, namely:—

S.No	Designated Trade	Minimum Educational Essential	Qualification Desirable
"55.	DO FFER-cum-PIECER	5th Class Pass.	
56.	TENTER (Drawing and Speed/ Fly frames).	5th Class Pass."	

(G. JAGANNATHN)
Deputy Secretary to the Govt. of India

[No. 51(2)/70-AP(iii).]

स० आ० नि० **570**.—शिक्षु अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 37 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद् से परामर्श करने के बाद केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा शिक्षुता नियम 1962 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (एक) ये नियम शिक्षुता (संशोधन) नियम, 1971 कहे जायेंगे।
(दो) ये भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के बाद से लागू माने जायेंगे।

2. (एक) शिक्षुता नियम, 1962 के नियम 5 के उप-नियम (1) में सूती कपड़ा व्यवसाय से सम्बन्धित समूह संख्या 16 की मद सुख्या 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियां के बाद निम्नलिखित मद तथा प्रविष्टियां निविष्ट की जायेंगी, अर्थात् :—

व्यवसाय"	व्यवसाय के राष्ट्रीय वर्गीकरण की कोड संख्या (ए)	प्रशिक्षण की अवधि
"2. डाफर एवं पीसर . .	702.35, 702.60	छः माह
3. टेन्टर (ड्राइंग व स्पीड/फ्लाइ फेमस्)	702.10, 702.13, 702.16	छः माह"

(दो) अनुसूची एक में क्रम संख्या 54 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम सख्याएं तथा प्रविष्टियां निविष्ट की जायेंगी, अर्थात् :—

क्रम संख्या	निदिष्ट व्यवसाय	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं	
		अनिवार्य	वांछनीय
"55	डाफर एवं पीसर . .	पांचवी कक्षा पास	—
56	टेन्टर (ड्राइंग व स्पीड/फ्लाई फेमस्)	पांचवी कक्षा पास	—

[संख्या 51 (2)/70—एपी (iii)]

ORDER

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 571.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), the Central Government, after consulting the Central Apprenticeship Council, hereby determines that for each of the designated trades noted below, the ratio of apprentices to workers other than unskilled workers in that trade, shall be as indicated in column 4 thereof:—

Sl. No.	Designated trade	Code number (s) of National classification of Occupation.	RATIO	
			Apprentices	Workers other than unskilled workers.
1	2	3	4	
1.	DOFFER-cum-PIECER	702.35 702.60	1	100
2.	TENTER (Drawing and Speed/ Fly frames)	702.10 702.13 702.16	1	50

[No. 51(2)/70-AP(ii).]

G. JAGANNATHAN, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

स० आ० नि० 571.—शिक्षु अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 8 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद् से परामर्श करने के बाद, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निर्धारण करती है कि निम्नलिखित प्रत्येक निर्दिष्ट व्यवसाय के लिये शिक्षु और अकुशल कामगरों के अतिरिक्त कामगरों का अनुपात उस व्यवसाय में वही होगा जो उसके स्तम्भ 4 में दिया गया है :—

क्रम संख्या	निर्दिष्ट व्यवसाय	व्यवसाय के राष्ट्रीय वर्गीकरण की कोड संख्या (एं)	अनुपात	
			शिक्षु	अकुशल कामगरों के अलावा कामगर
1	2	3	4	
1	डाफर एवं पीसर . . .	702.35 702.60	1 :	100
2	टेन्टर (ड्राइंग व पीड/फ्लाई फ्रेमस्) .	702.10 702.13 702.16	1 :	50

[संख्या 51(2)/70-एपी(ii)]

ग० जगन्नाथ, उप-सचिव ।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 30th March 1971

G.S.R. 572.—In pursuance of rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Tamil Nadu hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules:

2. The amendments may be called the Fifth Amendment of 1971 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.

3. These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

AMENDMENT TO IAS/(PAY) SCHEDULE

4. In the said Schedule III, under the heading "A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative Service under the State Governments' against Tamil Nadu the following entry may be added:—

Special Representative to Government of Tamil Nadu at New Delhi.	2500-125/2-2750.

[No. 6/41/70-AIS(I)-B.]

B. NARASIMHAN, Under Secy.

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1971